



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 48] नई दिल्ली, शनिवार, नवम्बर 26, 1977 (अग्रहायण 5, 1899)

No. 48] NEW DELHI, SATURDAY, NOVEMBER 26, 1977 (AGRAHAYANA 5, 1899)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India]

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 2 नवम्बर 1977

म० ३२०१४/१/७७-प्रशा०-III (१) — इस कार्यालय की समसचयक अधिसूचना दिनांक 18 अक्टूबर, 1977 का आंशिक संशोधन करने हुए संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री पी० एम० सर्वरवाल को, राष्ट्रपति द्वारा 16 अक्टूबर, 1977 में 31 दिसम्बर, 1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, हों, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

म० ३२०१४/१/७७-प्रशा०-III (२) — इस कार्यालय की समसचयक अधिसूचना दिनांक 17 मिन्हम्बर, 1977 के अनु-क्रम में, संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री आर० के० मार्गो को, राष्ट्रपति द्वारा 18 अक्टूबर, 1977 में 26 नवम्बर, 1977 तक की अतिरिक्त अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हो, हों, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

(5315)

म० ३२०१४/१/७७-प्रशा०-III (३) — संघ लोक सेवा आयोग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा संबंध के स्थायी सहायक श्री आर० द्वारा 22-१०-७७ से ६-१२-१९७७ तक ४६ दिन की अवधि के लिए, अथवा आगामी आदेशों तक, जो भी पहले हों, उक्त सेवा के अनुभाग अधिकारी ग्रेड में स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त किया गया है।

प्रभाल नाथ मुखर्जी,
अवर सचिव,
(प्रणालीन प्रभारी),
संघ लोक सेवा आयोग।

गृह मन्त्रालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1977

म० ३५०१८/११/७७-प्रशा०-१ — गृहिम उप-महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना, एसडब्ल्यूआरा, राजस्थान गज्य पुलिस के अधिकारी श्री मजूर अहमद को दिनांक 19-१०-१९७७ के पूर्वाल्प से आगले आदेश तक के लिये केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो,

दिल्ली विशेष पुलिस स्थापना प्रभाग, जयपुर शाखा में अस्थायी रूप से प्रतिनियुक्ति पर पुलिस निरीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

राजेन्द्र प्रकाश गुप्ता,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना),
केन्द्रीय प्रबंधण व्यूरो।

महानिरीक्षक का वार्यालय

केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110024, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० ई० 38013(3)/13/77-कार्मिक—नई दिल्ली से स्थानात्तरित होने पर, श्री एस० प० मैनी ने 16 भित्तम्बर, 1977 के पूर्वाह्नि में क० औ० स० व० यूनिट अलैयी इस्पात संयन्त्र दुगपुर में सहायक कमांडेट के पद का कार्यभार समाप्त किया।

ली० मि० बिष्ट,
महानिरीक्षक/क० औ० स० व०।

वित्त मन्त्रालय

(प्रर्थ विभाग)

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय

कार्मिक रोड, दिनांक 8 नवम्बर 1977

सं० 1311/ए—दिं० 14 जुलाई, 1977 के क्रम से श्री एस० एन० कुर्डी को उप नियंत्रक अधिकारी के पद पर नविन चतार्थ पत्र

दी० सी० मुखर्जी,

महाप्रबंधक,

भारत प्रतिभूति मुद्रणालय।

प्रतिभूति कारज कारब्लाना

होणगावाद, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० 7(36)/6212—इस कार्यालय की अधिसूचना क्रमांक 7(36)/3834 दिनांक 24 जून, 1975, क्रमांक 7(36) 10023 दिनांक 23 दिसम्बर, 1975, क्र० 7(36) 3145 दिनांक 26 मार्च, 1976, क्र० स० 7(36) 6051 दिनांक 14 सितम्बर, 1976, क्र० 7(36) 2896 दिनांक 25 मार्च, 1977 और क्रमांक 7(36)/3134 दिनांक 16 जुलाई, 1977 के आगे श्री एस० टी० सिरस्ट तदर्थ आधार पर 31 दिसम्बर 1977 तक की और अधिकारी इस पद के नियमित रूप से भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, अग्निशमन अधिकारी के पद पर कार्य करने की अनुमति दी जाती है।

रा० विश्वनाथन,

महा प्रबन्धक।

भारतीय लेखा तथा लेखापरीक्षा विभाग

भारत के नियंत्रक महालेखापरीक्षक का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1977

स० सी० ए० 1/61-77—अतिरिक्त उप नियन्त्रक-महालेखापरीक्षक ने निम्नलिखित अनुभाग अधिकारियों (वाणिज्यिक) को महर्पं पदोन्नति किया है और उनकी नियुक्ति लेखापरीक्षा अधिकारियों (वाणिज्यिक) के रूप में स्थानापन्न रूप में करने के लिये की है और नीचे कालम 4 में उल्लिखित निधियों से प्रत्येक के नाम के सामने कालम 3 में लिखे गये कार्यालय में अन्य आवेदन होने तक इसी रूप में उन्हे नैनात किया है।—

क्र०	अनुभाग अधिकारी (वा०)	पदोन्नति के पूर्व जिस कार्यालय में कार्यरत थे	पदोन्नति के बाद जिस कार्यालय में लेखापरीक्षा परीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में नियुक्त हुई	स्थानापन्न लेखापरीक्षा अधिकारी (वा०) के रूप में तैनाती की तिथि
स०	का नाम			

(1) (2) (3) (4) (5)

1. श्री जी० टी० समरनकुमार गच्छा सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बगलौर। सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, राची। 29-9-77 (पूर्वाह्नि)

(1)	(2)	(3)	(4)	(5)
सर्वश्री				
2. पी० सी० जैन	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक; वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, नई दिल्ली ।	सदस्य लेखा परीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, राची ।		28-9-77 (पूर्वाह्न)
3. विनोद कुमार	महालेखाकार, पजाब ।	महालेखाकार, राजस्थान ।		28-9-77 (पूर्वाह्न)
4. जी० के० देणाई	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक, वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बगलौर	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, राची		29-9-77 (पूर्वाह्न)
5. पी० आर० धोवेश्वरकार	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बई	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखापरीक्षा, बम्बई		29-8-77 (पूर्वाह्न)
6. भो० आर० कल्याणरमण	"	"		14-10-77 (पूर्वाह्न)
7. आर० कृष्णमूर्ति	महालेखाकार, कर्नाटक भोपाल	"		28-9-77 (पूर्वाह्न)
8. के० मत्यनारायणमूर्ति	महालेखाकार-II (आ० प्र०) हैदराबाद	महालेखाकार, उड़ीसा		30-9-77 (पूर्वाह्न)
9. के० एच० शास्त्री	"	"		29-9-77 (पूर्वाह्न)
10. एन० आप्पालाराजू	सदस्य लेखापरीक्षा बोर्ड एवं पदेन निदेशक वाणिज्यिक लेखा, मद्रास	महालेखाकार-II (ता० ना०) मद्रास		31-8-77 (पूर्वाह्न)

सुशील देव भट्टाचार्य,
संयुक्त निदेशक (वा०)

कार्यालय महालेखाकार, उत्तर प्रदेश

इलाहाबाद, दिनांक 26 प्रक्तुवर 1977

स० प्रशासन 1/11144(13)/237—महालेखाकार उत्तर प्रदेश (प्रथम) इलाहाबाद ने निम्नांकित अनुभाग अधिकारियों को उनके नामों के आगे अकित नियि से आगामी आदेश पर्यस्त इस कार्यालय मे स्थानापन लेखा अधिकारी नियुक्त किया है :

क्र०	नाम	तिथि
सं०		
1.	श्री चन्द्र प्रकाश खरे	26-9-77
2.	श्री प्यारे लाल शर्मा	7-10-1977
3.	श्री शन्ताराम विष्णु कशालकर	17-10-1977

उ० रामचन्द्र राथ,

व० उप० महालेखाकार (प्रशासन)।

कार्यालय, महालेखाकार, गुजरात

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर 1977

स० स्था० (८०)/जी० प्र०/3109—महालेखाकार गुजरात के अधीन लेखा-सेवा के निम्नलिखित स्थायी सदस्यों को उनकी नामावली के सामने दर्शायि दिनांक से लेकर अगला आदेश मिलने तक महालेखाकार, गुजरात के कार्यालय मे स्थानापन लेखा अधिकारी के रूप मे नियुक्ति देने की कृपा की है।

क्र०	नाम	तिथि
सं०		
(1)	(2)	(3)
1.	श्री एम० आर० श्रीनिवासन	26-9-1977 (पूर्वाह्न)
2.	श्री वी० आर० नटराजन	1-10-1977 (पूर्वाह्न)

(1)	(2)	(3)
3. सोमदत्त शर्मा		1-10-1977 (पूर्वाह्नि)
4. श्री टी० के० मेनन		4-10-1977 (पूर्वाह्नि)
5. श्री वी० गजगोपालन I		29-10-1977 (पूर्वाह्नि)
6. श्री एम० वेकटरामन		29-10-1977 (पूर्वाह्नि)

के० पी० लक्ष्मण राव,
उप महालेखाकार (प्रशासन) ।

महा लेखाकार का कार्यालय, आध्र प्रदेश I

हैदराबाद-500476, दिनांक 4 नवम्बर 1977

स० ई० बी० 1/8-132/77-78/307—श्री एम० आई० एच० मिहीखी, लेखा अधिकारी, महालेखाकार का कार्यालय आध्र प्रदेश I/ मे० मेवा से निवृत्त हुए दि० 31 अक्टूबर, 1977 अपराह्न से ।

एम० आर० मुखर्जी,
वरिष्ठ उप महालेखाकार
(प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, मध्य प्रदेश

स्वालियर, दिनांक 1 नवम्बर 1977

स० क्रमांक प्रशा० I/368—महालेखाकार-1, मध्य प्रदेश ने श्री एस० कृष्णमूर्ति, स्थाई अनुभाग अधिकारी 02/0219 को दिनांक 29 अगस्त, 1977 पूर्वाह्नि से अर्थात् वह दिनांक जिसमे उनसे अवृत्त श्री पी० एम० खोडकर, अनुभाग अधिकारी की पदोन्नति, लेखा अधिकारी के पद पर हुई है, वेतन मान रूपये 840-40-1000 द० अ० 40-1200 मे०, लेखा अधिकारी के पद पर प्रोफार्म पदोन्नति किया है ।

स० क्रमांक-प्रशा०-1/369—महालेखाकार-प्रथम, मध्य प्रदेश ने निम्न लिखित स्थाई अनुभाग अधिकारियों को स्थानापन्न क्षमता मे० लेखा अधिकारी के पद पर वैतन मान रूपये 840-40-1000-द० अ०-40-1200 मे०, उनके नाम के आगे बतलाये दिनांक से पदोन्नति किया है ।

1. श्री डी० आर० नारग 02/0222, दिनांक 5 अक्टूबर, 1977 अपराह्न ।

2. श्री जी० टी० मिठे 02/0224, दिनांक 6 अक्टूबर, 1977 पूर्वाह्नि ।

कृष्ण गोपाल,
वरिष्ठ उप महालेखाकार (प्रशासन) ।

कार्यालय महालेखाकार, कर्नाटक
बेगलूर, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० स्थापना 1/ए०-4/77-78/586—महालेखाकार, स्थायी अनुभाग अधिकारी श्री ए० ए० मूर्ति को, उसके वरिष्ठों के बिना प्रतिकूल प्रभाव डाले, अगले आदेश जारी होने तक लेखा अधिकारी के पद मे०, उस पद का कार्यभार ग्रहण करने का दिनांक से अस्थायी रूप मे० पदोन्नत करने मे० प्रसन्न हुए हैं ।

एम० ह० सौन्दरराजन्,
वरिष्ठ उपमहालेखाकार,
(प्रशासन) ।

कार्यालय महालेखाकार, केरल

तिल्लवनन्तपुरम, दिनांक नवम्बर 1977

स० स्थापना प्र० 7/9-8-6/जिल्द II/—महालेखाकार कार्यालय, केरल के निम्नसूचित स्थानापन्न लेखा अधिकारी को, प्रत्येक के नाम के मामते लिखित तारीख से प्रभाव से० रु० 840-40-1000 द० रो०-40-1200 के लेखा अधिकारियों के ग्रेड मे० मौलिक क्षमता मे० नियुक्त करने को महालेखाकार, केरल संतुष्ट हुए हैं ।

1. श्री टी० अध्युत वारियर—1 अप्रैल 1977 ।

2. श्री के० ए० स० कृष्णमाचारी—30 सितम्बर 1977 ।

एस० जयरमसन,
उप महालेखाकार (प्रशासन)

कार्यालय महालेखाकार प्रथम, पश्चिम बंगाल

कलकत्ता-1, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० प्रशा० I/1038- XIV/2603—महालेखाकार प्रथम पश्चिम बंगाल ने निम्नलिखित स्थायी अनुभाग अधिकारियों को अस्थायी श्रीर स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर निम्नलिखित तिथियों या उनके द्वारा वास्तव मे० कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से अगला आदेश जारी होने तक इस कार्यालय मे०/महालेखाकार कार्यालय द्वितीय मे० तथा महालेखाकार कार्यालय केन्द्रीय मे० बहाली करने की कृपा की है ।

मर्वशी

1. शिशिर कुमार राय, 28 अक्टूबर, 1977 अपराह्न से ।

2. कन्दर्प विजय भट्टाचार्य, 31 अक्टूबर, 1977 अपराह्न से ।

3. शिवपद मंडल, 31 अक्टूबर, 1977 अपराह्न से ।

श्री शिंगिर कुमार राय अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०), महालेखाकार कार्यालय, केन्द्रीय के समक्ष उपस्थित होगे ताकि उम कार्यालय में ग्रिट स्थानों पर उनकी बहाली लेखा अधिकारी के रूप में हो सके। श्री कन्दप विजय भट्टाचार्य अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर इस कार्यालय के वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०) के समक्ष उपस्थित होगे जहाँ वे लेखा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करेंगे। श्री शिवपद मड्डल अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०) महालेखाकार कार्यालय द्वितीय, पश्चिम बगाल के समक्ष उपस्थित होगे ताकि वे रिक्त स्थान पर लेखा अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण कर सकें।

लेखा अधिकारियों की पारस्परिक वरिष्ठता की घोषणा बाद में कर दी जाएगी।

दिनांक 1 नवम्बर, 1977

स० प्रशा०-1/1038/XV/2560-2567—महालेखाकार प्रथम पश्चिम बगाल ने श्री रवीन्द्र नाथ गुप्त, स्थायी ग्रन्तुभाग अधि-

कारी जो कि वर्तमान में सैन्ट्रल फोशरी कार्पोरेशन के अधीन डितर मेवा पर हैं को अस्थायी और स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर दिनांक 28 अक्टूबर, 1977 (अपराह्न) से या उनके द्वारा वास्तव में कार्यभार ग्रहण करने की तिथि से बहाली करने की कृपा की है। श्री रवीन्द्र नाथ गुप्त अपने वर्तमान पद से मुक्त होकर वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०) महालेखाकार कार्यालय द्वितीय, पश्चिम बगाल के समक्ष उपस्थित हो जिसमें उनकी बहाली ग्रिट स्थानों में लेखा अधिकारी के रूप में हो सके।

'अधिकारी' की पारस्परिक वरिष्ठता की सूचना बाद में दी जायेगी।

पी० के० बन्दोपाध्याय,

वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशा०),

पश्चिम बगाल

रक्षा लेखा विभाग,

कार्यालय, रक्षा लेखा महानियन्त्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 5 नवम्बर, 1977

म० 40011 (2)/77 प्रशा० ग०—(1) वार्षक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अंगराह्न में पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा/गया।

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	प्रेष	पेशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जायेगा/गया	संगठन
सर्वश्री				
1.	बी० सी० बनर्जी, (पी०/1)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
2.	एस० राम मुश्ह्रूम ग्रन्थर, (पी०/48)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अफसर) पूना ।
3.	गोविन्द लाल बनर्जी, (पी०/79)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
4.	बी० डी० तवाकले, (पी०/85)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अन्य रैक) उत्तर भेरठ
5.	एस० बेकटेशन, (पी०/115)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना ।
6.	टी० के० ज्योतिर्मायम, (पी०/181)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (नौ सेना) बम्बई ।
7.	जसन्वत लाल कालरा, (पी०/182)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (पेशन) इलाहाबाद ।
8.	के० एस० मणी (पी०/188)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता ।
9.	मुकन्द लाल चौपडा (पी०/208)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पश्चिमी कमान, भेरठ ।
10.	गोपीनाथ मेनन, (पी०/288)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियन्त्रक (अफसर) पूना ।

क्रम सं.	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
सर्वश्री				
11.	के० के० कपूर, (पी०/303)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
12.	आर० जी० लूथरा, (पी०/315)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
13.	टी० आर० बैधनाथन, (पी०/337)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून
14.	ग्रनूप सिंह बक्शी, (पी०/349)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
15.	निरजनं सिंह, (पी०/357)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
16.	परमानन्द बोहरा, (पी०/373)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
17.	तिलक राज, (पी०/377)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
18.	के० एस० बेकट रामन, (पी०/403)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी कमान, पूना।
19.	पी० एस० शेषपा, (पी०/452)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
20.	चन्द्र प्रकाश गुलाटी, (पी०/460)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
21.	पी० कृष्णम्भाचारी, (पी०/486)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज, कलकत्ता।
22.	आर० बाल सुकृत्यान, (पी०/509)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना) देहरादून।
23.	आर० एम० मलहोत्रा, (पी०/546)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्यरैक) उत्तर मेरठ।
24.	निर्मल सिंह, (पी०/557)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ
25.	बी० एम० गरुड़, (पी०/626)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।
26.	गिरधारी लाल चौपड़ा, (पी०/645)	स्थायी लेखा अधिकारी	30-6-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
27.	दीपचन्द्र शर्मा, (पी०/648)	स्थायी लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ।
28.	एल० सी० गुप्ता, (ओ०/102)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
29.	हर किशन लाल, (ओ०/113)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-6-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ।
30.	मुशील कुमार गांगुली, (ओ०/202)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता।

क्रम	नाम, रोस्टर मंडपा सहित प०	ग्रेड	पेशन स्थापना को अन्तरण की तारीख	संगठन
31.	सर्वधी	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर मेरठ ।
32.	हेमराज शर्मा, (ओ०/212)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (अन्य रैक) उत्तर मेरठ
33.	एम० एन० नथ्यर, (ओ०/261)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
34.	एम० एल० दीवान, (ओ०/276)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (फैस्ट्रीज) कलकत्ता ।
35.	उमर सिंह (ओ०/297)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, पश्चिमी कमान, मेरठ ।
36.	मदन भिंह, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	30-4-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, मध्य कमान, मेरठ ।
37.	एम० के० चड्डा (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	28-2-78	रक्षा लेखा अधिकारी, मध्य कमान, मेरठ ।
38.	मी० ए० सिंह, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-78	रक्षा लेखा अधिकारी, (पेशन) इलाहाबाद ।
39.	चौ० कल्याण कुण्डन, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-8-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (प्रफ्लर) पूना ।
40.	पी० डी० बक्शी, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, (वायु सेना), देहरादून ।
41.	एन० एस० नस्पी, (ओ०/अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-3-78	रक्षा लेखा नियंत्रक, दक्षिणी, कमान, पूना ।

श्री पी० कुण्डाम्माचारी, स्थायी लेखा अधिकारी, को सेवा निवृत्ति पूर्व 24 अक्टूबर, 1977 से 6 मार्च, 1978 तक 134 दिन की अर्जित छुट्टी तथा 7 मार्च, 1978 से 31 मार्च, 1978 तक 25 दिन की अर्ध वेतन, छुट्टी मंजूर की गई है।

श्री एम० एन० नथ्यर, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 5 अप्रैल, 1977 से 30 अप्रैल, 1977 तक 26 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

श्री डी० कल्याणकुण्डन, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को सेवा निवृत्ति पूर्व 1 जुलाई, 1977 से 31 अगस्त, 1977 तक 62 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई थी।

(2) सिविल सेवा विनियमावली जिल्द-I के प्रनुच्छेद 459(i) के प्रावधानो के अन्तर्गत स्वेच्छा से सेवा-निवृत्ति का नेटिस देने पर, रक्षा लेखा नियंत्रक (नौ सेना), बम्बई के संगठन में मेवारत श्री एफ० एक्स० डिमेलो, स्थायी लेखा अधिकारी (पी०/421) को 31 मार्च, 1978 (अपराह्न) से पेशन स्थानपन्ना को अन्तरित कर दिया जायेगा।

श्री एफ० एक्स० डिमेलो, को सेवा निवृत्ति पूर्व 3 अक्टूबर, 1977 से 31 मार्च, 1978 तक 180 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(आर० वेंकट रम्म),
रक्षा लेखा उप महानियंत्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय
भारतीय आईनेस फैक्टरिया सेवा,
महानिदेशालय, आईनेस फैक्टरिया,
कलकत्ता, दिनांक 3 नवम्बर 1977

सं० 71/77/जी०—राष्ट्रपति, श्री प्रभाकर श्रीनन्देश, को
सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर दिनांक, 19 अप्रैल,
1976 (पूर्वाह्नि) से आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते
हैं।

सं० 72/77/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को
सहायक प्रबन्धक (परखावधि) के पद पर, प्रत्येक के मामले दर्शायी
गई तारीख में, आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं—

- (1) श्री डी० श्रीनिवासन्—दिनांक, 26 मार्च, 1977
(पूर्वाह्नि)।
- (2) श्री नरेश चन्द्र जैन—दिनांक, 21 मार्च, 1977
(पूर्वाह्नि)।
- (3) श्री चित्तमय अट्टोपध्याय—दिनांक 28 मार्च,
1977 (पूर्वाह्नि)।
- (4) श्री विजय कुमार अथलावादी—दिनांक, 11 मार्च,
1977 (पूर्वाह्नि)।
- (5) श्री कनचेन्ना जान जयरत्नम्—दिनांक, 1 मार्च,
1977 (पूर्वाह्नि)।
- (6) श्री रत्नाकर लक्ष्मण कुलकर्णी—दिनांक, 1 सितम्बर,
1977 (पूर्वाह्नि)।

एम० पी० आर० पिल्लाय,
सहायक महानिदेशक,
आईनेस फैक्टरिया

वाणिज्य मंत्रालय

वस्त्र आयुक्त का कार्यालय

बम्बई-20, दिनांक 29 अक्टूबर, 1977

सं० ई० एस० टी०-१-२ (685)—श्रीमान् राष्ट्रपति, 12
सितम्बर, 1977 के पूर्वाह्नि से, अन्य आदेश होने तक, श्री मधुसूदन
मौलिक को वस्त्र आयुक्त कार्यालय, बम्बई से उप-निदेशक (भारतीय
सांख्यिकीय सेवा की तृतीय श्रेणी) के पद पर सहर्ष नियुक्त
करते हैं।

एम० सी० सुवर्णा,
अपर वस्त्र आयुक्त

पटमन आयुक्त का कार्यालय

कलकत्ता, दिनांक 1 नवम्बर, 1977

सं० जूट (ए०)/147/65—पटमन आयुक्त श्री के० पी०
काम के श्रवकाश पर जाने में श्री एस० के० हाजरा, निरीक्षक (अ-
तकनीकी) को 1 नवम्बर, 1977 (पूर्वाह्नि) से 17 दिसम्बर, 1977

तक समान कार्यालय में एक तदर्थ स्थानापन्न सहायक निदेशक
(नियमि) गृप-ब (राजपत्रित) के रूप में 650 रु०—1200
रु० के बेननमान में नियुक्त करते हैं :—

एन० के० राय,
प्रशासनिक अधिकारी

उद्योग मंत्रालय,
(श्रौद्धोगिक विकास विभाग)
कार्यालय विकास आयुक्त
(लघु उद्योग)

नई दिल्ली, दिनांक 13 अक्टूबर 1977

सं० 12/628/69-प्रशासन (राजपत्रित) —लघु उद्योग
विकास संगठन में सहायक निदेशक (वर्ग-1) श्री के० बी० सिंह के
राजस्थान वित निगम में स्थाई रूप से अले जाने पर राष्ट्रपति जी
सरकारी सेवा से उनका त्यागपत्र दिनांक 5 जुलाई, 1974
(अपराह्न) से महर्ष स्वीकृत करते हैं।

सं० ए० -19018/319/77-प्रशासन (राजपत्रित) —
भारतीय ग्रथ सेवा के वर्ग-IV अधिकारी श्री स्वामीनाथ को राष्ट्र-
पति जी, दिनांक 30 जुलाई, 1977 (पूर्वाह्नि) से लघु उद्योग विकास
संगठन में सहायक निदेशक (वर्ग-1) (आर्थिक अन्वेषण) के पद
पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 सहायक निदेशक (वर्ग-1) (आर्थिक अन्वेषण) के पद पर
नियुक्ति के कलस्वरूप श्री स्वामी नाथ ने दिनांक 30 जुलाई,
1977 (पूर्वाह्नि) से लघु उद्योग शाखा संस्थान, रांची (बिहार)
में सहायक निदेशक (वर्ग-1) (आर्थिक अन्वेषण) के पद का
कार्यभार संभाला।

सं० ए०-19018/320/77-प्रशासन (राजपत्रित) —कार्या-
लय, महालेखाकार वाणिज्य, कार्य एवं विविध, नई दिल्ली
के अनुभाग अधिकारी श्री पी० एन० बहूल को विकास आयुक्त
(लघु उद्योग) कार्यालय विकास आयुक्त लघु उद्योग (लघु उद्योग),
नई दिल्ली में सामान्य प्रतिनियुक्ति के आधार पर लेखा
अधिकारी के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2. लेखा अधिकारी के पद पर, नियुक्ति के परिणामस्वरूप
श्री पी० एन० बहूल ने दिनांक 30 सितम्बर, 1977 (अपराह्न)
से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में लेखा
अधिकारी के पद का कार्यभार संभाल लिया।

दिनांक 17 अक्टूबर, 1977

सं० 12/125/61-प्रशासन (राजपत्रित) —लघु उद्योग
विकास संगठन के उप-निदेशक (वर्ग-1) श्री जी० डी० शर्मा का
सरकारी सेवा से त्यागपत्र गण्डपति जी, दिनांक 15 सितम्बर, 1977
(पूर्वाह्नि) से स्वीकार करते हैं।

सं० 12(265)/61-प्रशासन (राजपत्रित) —लघु उद्योग
विकास संगठन में सहायक निदेशक (वर्ग-1) श्री एस० पी० गुप्ता
को राष्ट्रपति जी, दिनांक 19 अक्टूबर, 1976 (पूर्वाह्नि) से मूल
नियमों (ए० आर०) के नियम 56 की धारा जे (1) के धीन
सेवा निवृत्त करते हैं।

सं० 12/45/64-प्रशासन (राजपत्रित) — संघ उद्योग विकास मंगठन में सहायक निदेशक (वर्ग-II) श्री पी० स्वर्ण सिंह को विकास प्रायुक्त (संघ उद्योग) मूल नियमों (एफ० आर०) के नियम 56(II) के अधीन दिनांक 24 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से सरकारी सेवा से सेवा निवृत्त करते हैं।

2. सरकारी सेवा से निवृत्त होने के परिणाम स्वरूप श्री पी० स्वर्ण सिंह ने दिनांक 24 नवम्बर, 1976 (पूर्वाह्न) से संघ उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद में उप-निदेशक (वर्ग-II) के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनांक 25 अक्टूबर 1977

सं० ए०-19018 (318)/77-प्रशासन (राजपत्रित) — भारतीय शर्त सेवा के वर्ग 4 के अधिकारी श्री एस० एन० राघवन को राष्ट्रपति जी दिनांक 27-9-1977 (पूर्वाह्न) से अगले आदेशों तक के लिए लघु उद्योग विकास संगठन में उप-निदेशक (मालिकी) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

2 नियुक्ति के फलस्वरूप श्री एस० एन० राघवन ने दिनांक 27-9-77 (पूर्वाह्न) से कार्यालय, विकास आयुक्त (लघु उद्योग), नई दिल्ली में उप-निदेशक (सांख्यिकी) के पद का कार्यभार संभाला।

वी० बेकटरायसु,
उप-निदेशक (प्रशासन)

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1977

सं० प्र०-1/1 (885) — पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में स्थानापन्न महायक निदेशक (ग्रेड-II) श्री विश्वनाथ नारायण निवृत्तमान आयु (58 वर्ष) होने पर दिनांक 31-10-77 के अपराह्न से सेवानिवृत्त हो गये।

दिनांक 8 नवम्बर 1977

सं० ए०-17011/129-प्र०-6— महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान ने उत्तरी निरीक्षण मंडल, नई दिल्ली में श्री प्रीतम सिंह, स्थायी भवार परीक्षक (इन्जीनियर) को दिनांक 20 जून, 1977 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों के जारी होने तक इस महानिदेशालय के अधीन उसी निरीक्षणालय में महायक निरीक्षण अधिकारी (इन्जी०) के पद पर तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया है।

सूर्य प्रकाश,
उप-निदेशक (प्रशासन)
कृते महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान

हस्पात और खान मंत्रालय

(खान विभाग)

भारतीय खान ब्यूरो

नागपुर, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

मं० ए०-19011/32/70-स्था० ए०— डा० ए० एम० हमन, खनिज अर्थशास्त्री को भारतीय खान ब्यूरो में 2-346GI/77

श्री ए० एस० गोपालाचारी के दिनांक 4-5-1977 से 25-6-1977 तक कुट्टी से रिक्त अधीक्षक खनिज अर्थशास्त्री के पद पर स्थानापन्न रूप में पदोन्नति की जाती है।

एल० सी० रणधीर,
प्रशासन अधिकारी
भारतीय खान ब्यूरो

भारतीय सर्वेक्षण विभाग -

देहरादून, दिनांक 1 नवम्बर 1977

सं० स्था०-1-5297/913-एच०— इस कार्यालय की अधिसूचना सं० स्था०-1-5246/913-एच० दिनांक 11-7-77 के शनुक्रम में श्री रमेश कुमार चमोली, हिन्दी अधिकारी, महासर्वेक्षक का कार्यालय की तदर्थ नियुक्ति की अवधि दिनांक 31-3-1978 तक या जब तक पद नियमित आधार पर भरा जाता है, जो भी पहले हो, बहा दी जाती है।

दिनांक 2 नवम्बर 1977

सं० स्था०-5298/594-प्रबन्धक— श्री वी० ई० रमन को प्राक० मानचित्र उत्पादन संयंत्र (सं० प्र० एवं मा० उ० क्र०) भारतीय सर्वेक्षण विभाग, हैदराबाद में सहायक प्रबन्धक मानचित्र प्रतिकृति (सा० के० से० ग्रुप 'बी') के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 र० के संशोधित वेतनमान में दिनांक 6 अक्टूबर, 1977 के पूर्वाह्न से अगले आदेश विए जाने सक स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 3 नवम्बर 1977

सं० सी०-5299/718-ए०— श्री कान्ति प्रकाश, अधीक्षक, महासर्वेक्षक कार्यालय (स्थानापन्न) जिनको इस कार्यालय की अधिसूचना सं० 5010/718-ए दिनांक 16 अक्टूबर 1975 के अन्तर्गत भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्थापना एवं लेखा अधिकारी (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर दिनांक 1 मिनम्बर 1975 से तदर्थ आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया गया था, को उसी पद पर 1 नवम्बर 1977 से नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है तथा मध्य मक्किल, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, जबलपुर में स्थानान्तरित किया जाता है।

के० एल० खोसला,
मेजर जनरल
भारत के महासर्वेक्षक

राष्ट्रीय अभिलेखागार

नई दिल्ली-1, दिनांक

सं० एफ० 11-10/76-ए०-१— निम्नसिखित सहायक अभिलेखाधिकारी (ग्रेड-1) (सामान्य) श्री और स्थानापन्न अभिलेखाधिकारी (सामान्य) तदर्थ आधार पर

दिनांक 24-8-77 से आगामी आदेशों तक नियमित अस्थायी अधार पर अभिलेखाधिकारी (सामान्य) नियुक्त किए जाते हैं।

1. श्री सूरज प्रकाश
2. श्री हुली चन्द
3. श्री के० एस० तलवार
4. श्री आई० बी० राय

श्री नन्दन प्रसाद,
अभिलेख निदेशक

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1977

स० 3/21/60-एम०-दो—महानिदेशक, आकाशवाणी, श्री एस० साम्य, बरिठ लेखापाल, केन्द्रीय विक्रय एकक, आकाशवाणी, बर्बाई को, दिनांक 28-10-77 (पूर्वाह्न) से, अगले आदेश होने तक, आकाशवाणी, राजकोट में प्रशासनिक अधिकारी के पद पर, स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

एस० बी० सेषाद्री,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० 4 (33)/77-एम०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री अमरजीत भिंह को, आकाशवाणी, बर्बाई में 26-9-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

स० 4 (72)/77-एम०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा कुमारी नहीं ताज कुरेशी को रेडियो कश्मीर, श्रीनगर में 10-10-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 नवम्बर 1977

स० 4 (17)/76-एम०-एक—श्री परवेज अहमद कुरेशी, कार्यक्रम निष्पादक, रेडियो कश्मीर, श्रीनगर का 13 अक्टूबर, 1977 को निधन हो गया।

स० 4 (24)/77-एम०-1—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री श्रीमां भारती को आकाशवाणी दिल्ली में 19-10-77 से अगले आदेशों तक कार्यक्रम निष्पादक के पद पर अस्थायी रूप में नियुक्त करते हैं।

नन्द किशोर भारद्वाज,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1977

स० 10/101/77-एम०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री आर० जयकुमार को, आकाशवाणी, नजीबाबाद में

19-10-77 में महायक इजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 5 नवम्बर 1977

स० 10/116/77-एम०-तीन—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री एस० सी० जायमवाल को दिनांक 31-5-77 से दूरदर्शन केन्द्र, लखनऊ में महायक इजीनियर के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह,
प्रशासन उप-निदेशक
कृते महानिदेशक

दूरदर्शन महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० 11 (2)/74-एस०-1—महानिदेशक दूरदर्शन, स्थायी प्रसारण कार्यकारी श्री बी० ए० राव, जो इस समय उप-प्रहृदूरदर्शन केन्द्र, हैदराबाद में निर्माता श्रेणी-2 के रूप में कार्य कर रहे हैं को उसी केन्द्र में 30 सितम्बर 1977 (शपराह्न) से आगे आदेश होने तक अस्थायी कार्यक्रम कार्यकारी नियुक्त करते हैं।

आर० के० खट्टर,
उप-निदेशक प्रशासन

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 5 नवम्बर 1977

स० 9-17/74-प्रशासन-1—सेवानिवृत्ति की आयु हो जाने पर, श्रीमती आर० कुट्टप्पन, इम्टर, राजकुमारी अमृत-कोर नर्मिंग महाविद्यालय, नई दिल्ली से 30 भित्तम्बर, 1977 अपराह्न से मरकारी नौकरी में सेवानिवृत्त हो गई है।

दिनांक 7 नवम्बर 1977

स० ए० 11011/15/76- (वि० आ०)/प्रशासन-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० पी० के० सरीन को 1 भित्तम्बर, 1977 पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक वित्तिगड्ढन अस्थायी व नर्मिंग होम, नई दिल्ली में दल शल्य चिकित्सक के पद पर अस्थायी अधार पर नियुक्त किया है।

डा० सरीन ने 31 शग्न, 1977 अपराह्न से केन्द्रीय मरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली से दल शल्य चिकित्सक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

गाम लाल कुट्टियाला,
उप-निदेशक प्रशासन

कृषि एवं सिवाई मंत्रालय

(कृषि विभाग)

विस्तार निदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 2 नवम्बर 1977

म० 2-13/77-स्थापना (1) — श्री के० पी० श्रीनिवासन जो इस निदेशालय की अधिसूचना स० 2-12/77-स्था० (1) दिनांक 15-6-1977 के द्वारा स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर नदर्थ रूप से कार्यरत रहे हैं को इस पद पर तन्हाल मे नियमित किया गया।

स० 2 (13)/77-स्थापना (1) — श्री कृष्ण कुमार शर्मा जो इस निदेशालय की अधिसूचना स० 2-6/77-स्था० पना (1) दिनांक 16-8-1977 के द्वारा स्थानापन्न सहायक प्रशासन अधिकारी के पद पर नदर्थ रूप से कार्यरत हैं दिनांक 28-2-1978 तक इस पद पर अस्थायी रूप मे स्थानापन्न रूप मे कार्य करने रहेंगे।

चन्द्र प्रकाश,
निदेशक प्रशासन

(ग्राम विकास विभाग)

विपणन एवं निरीक्षण निदेशालय

(प्रधान कार्यालय)

करीदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1977

म० 4-6 (69)/77-प्रशासन-III—विभागीय पदोन्नति ममिति की सस्तुतियों के ग्राधार पर निम्नलिखित अधिकारियों को, जो नदर्थ आधार पर महायक विपणन अधिकारी (वर्ग 1) के रूप मे काम कर रहे हैं, दिनांक 7 जुलाई, 1977 से शगले आदेश होने तक नियमित आधार पर स्थानापन्न सहायक—विपणन अधिकारी, वर्ग 1, नियुक्त किया गया है—।

- 1 श्री आर० ए० खानोरकर
- 2 श्री डी० के० धोप
- 3 श्री पी० ए० वशिष्ठ
- 4 श्री शार० के० व्याघरा
- 5 श्री ए० राघव राव
- 6 श्री उमेश कुमार
- 7 श्री प० जे० पिल्ले
- 8 श्री ई० ए० पोलमे
- 9 श्री ए० गमसहौल
- 10 श्री पी० ई० थौमम
- 11 श्री शार० ए० कटारिया
- 12 श्री के० ए० रेण्ही
- 13 श्री शार० ए० वर्मा
- 14 श्री के० ए० धुगस्थकर
- 15 श्री ए० सी० वास
- 16 श्री डी० के० दास
- 17 श्री सी० पी० गोपीनाथन नायर

- 18 श्री के० ए० राय
- 19 श्री ए० पी० जार्ज
- 20 श्री पी० वाई० सिरका
- 21 श्री बी० ए० भारद्वाज
- 22 श्री शार० पी० मन्देवा
- 23 श्री ए० बी० भट्टाचार्य
- 24 श्री ए० रमनकुमारी
- 25 श्री टी० उम्मीकश्त

म० 4-6 (127)/77-प्रशा०-III—सध लोक सेवा ग्रामोग की सस्तुतियों के अनुमार श्री राजेन्द्र सिंह को इस निदेशालय मे नई दिल्ली मे दिनांक 6 अक्टूबर, 1977 (पूर्वांक) से शगले आदेश होने तक स्थानापन्न सहायक विपणन अधिकारी (वर्ग-II) नियुक्त किया गया है।

बी० पी० चावला,
निदेशक प्रशासन
कृत विपणन मलाहकार

(प्रधान शाखा कार्यालय)

तागपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० 74/15/72-वि० I—मैं, जे० ए० उप्पल, कृषि विपणन सलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना स० (i) ए० आर० ओ० 3184 दिनांक 28 दिसम्बर, 1956 (ii) 83 दिनांक 29 जुलाई, 1961 (iii) 3752 दिनांक 26 दिसम्बर, 1955 और (iv) 157 दिनांक 22 जून, 1963 और जी० ए० आर० 904 दिनांक 27 जून, 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों को उपयोग करते हुए सर्वश्री ए० गोपाल, विपणन अधिकारी कालीकट, पी० रामचन्द्रन नायर, सहायक विपणन अधिकारी, बगलौर और बी० बलराम मूर्ती, विपणन अधिकारी, बगलौर को इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से चन्दन तेल और निम्बूधाम तेल, जिसका श्रेणीकरण ममय-समय पर मन्त्रोधित सुगन्धित तेल श्रेणीकरण और चिन्हन नियम, 1954 के अनुमार किया जा चुका है तथा जिनका निर्यात उत्तरोक्त अधिसूचनाओं के उपवन्धों के अधीन है, के सम्बन्ध मे श्रेणीकरण प्रभाग-पव जारी करने के लिए प्राधिकृत करता हू।

दिनांक 5 नवम्बर 1977

म० 74/15/72-वि० I—भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) सीमा शुल्क अधिसूचना स० (i) ए० शार० ओ० 3184, दिनांक 28 दिसम्बर 1956 (ii) 83, दिनांक 29 जुलाई 1961 (iii) 3752 दिनांक 26 दिसम्बर 1955 और (iv) 157, दिनांक 22 जून 1963 और जी० ए० शार० 904 दिनांक 27 जून 1964 द्वारा प्रदत्त शक्तियों का उपयोग करते हुए मैं, जे० ए० उप्पल, कृषि विपणन मलाहकार, भारत सरकार, एतद्वारा श्री बी० ए० गोपालकृष्ण, वर्षिठ रमायनज्ञ, सरकारी चन्दन तेल फैक्ट्री, मैसूर

को इस शाधिमूचना के जारी किए जाने की तारीख से जन्मन तेल, जिसका श्रेणीकरण समय-समय पर संशोधित सुगमित्र तेल श्रेणीकरण और चिह्नन नियम 1954 के शनुसार किया जा चुका है तथा जिसका नियंत्रित उपरोक्त शाधिमूचनाओं के उपबन्धों के शाखीन है, के सम्बन्ध में श्रेणीकरण प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए प्राधिकृत करता है।

जे० एस० उप्पल,
कृषि विषयन सलाहकार

परमाणु ऊर्जा विभाग
नाभिकीय ईंधन समिक्षा
हैदराबाद-500762, दिनांक 26 सितम्बर 1977

स० पी० ए० आर०/0704/2370—मुख्य कार्यपालक, नाभिकीय ईंधन समिक्षा, श्री पी० राजगोपालन, उच्च श्रेणी लिपिक को 1-9-77 से 25-9-77 तक की शाधिया शागमी आवेदों तक के लिए, जो भी पहले घटित हो, तदर्थ रूप से नाभिकीय ईंधन समिक्षा, हैदराबाद, में सहायक कार्मिक शाधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

य० वासुदेव राव,
प्रशासन शाधिकारी

(परमाणु खनिज प्रभाग)
हैदराबाद-500 016, दिनांक 4 नवम्बर 1977

स० ए० एम० डी०-1/10/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, उसी प्रभाग के एक स्थायी सहायक प्रशासन शाधिकारी श्री देवराज तुली को 24, शनिवार 1977 के पूर्वाह्न से लेकर 3 दिसम्बर 1977 के अपराह्न तक श्री कृष्ण मल्होत्रा, प्रशासन शाधिकारी-II, जो कुट्टी पर गए हैं, के स्थान पर पूर्णतः शस्थायी रूप से प्रशासन शाधिकारी-II, नियुक्त करते हैं।

स० ए० एम० डी०-1/10/77-प्रशासन—परमाणु ऊर्जा विभाग के परमाणु खनिज प्रभाग के निदेशक, उसी प्रभाग के एक सहायक श्री लक्ष्मी नरायण को 24, शनिवार 1977 के पूर्वाह्न से लेकर 3 दिसम्बर 1977 के अपराह्न तक श्री देवराज तुली, जिनको शस्थायी रूप से प्रशासन शाधिकारी-II, नियुक्त किया गया है, के स्थान पर पूर्णतः शस्थायी रूप से सहायक कार्मिक शाधिकारी नियुक्त करते हैं।

श्री लक्ष्मी नरायण उसी तिथि से उनके वर्तमान पद पर प्रत्यावर्तित कर दिए जाएंगे जिस तिथि से श्री देवराज तुली उनके वर्तमान पद सहायक प्रशासन शाधिकारी के पद पर प्रत्यावर्तित होंगे।

एस० रंगनाथन,
वरिष्ठ प्रशासन एवं लेखा शाधिकारी

पर्यटन और नागर विज्ञान संसालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग
नई दिल्ली-3, दिनांक 7 नवम्बर 1977

स० ई० (1) 01008—वैद्यशालाओं के महानिदेशक निम्नलिखित व्यावसायिक सहायकों को स्थानापन सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नीचे दिए गए रूप में नियुक्त करते हैं।

क्र० सं०	नाम	अवधि		
		से	तक	जिस कार्यालय में तैनात किए गए हैं
1	2	3	4	5
1.	श्री हरनाम सिंह	12-9-77	9-12-77	परियोजना निदेशक, मानेक्ष, नई दिल्ली।
2.	श्री के० ए० वैकटकृष्णन	17-9-77	14-12-77	वैद्यशालाओं के उप महानिदेशक (उपकरण) नई दिल्ली।
3.	श्री ए० एन० धौपड़ा	17-9-77	14-12-77	प्रादेशिक मौसम केन्द्र, नई दिल्ली।
4.	श्री छैल बिहारी	3-9-77	29-10-77	
5.	श्री ए० एम० कुमार	3-9-77	30-11-77	
6.	श्री डी० के० रायपाल	17-9-77	14-12-77	
7.	श्री ए० एन० मेहरा	1-9-77	13-11-77	
8.	श्री ए० के० मेहरा	31-8-77	27-11-77	
9.	श्री डी० सिंहा	1-9-77	28-11-77	मौसम केन्द्र, गोहाटी।

सं० ई० (1) 05481—वेधशालाओं के महानिदेशक, वेधशालाओं के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में व्यावसायिक सहायक श्री एस० एन० भान को 26-10-77 में 22-1-78 तक नशासी दिन की श्रवधि के लिए स्थानापन्न सहायक मौसम विज्ञानी के पद पर नियुक्त करते हैं।

श्री भान, स्थानापन्न महायक मीसम विज्ञानी वेदशालाओं
के महानिदेशक के मुख्य कार्यालय, नई दिल्ली में ही सैनात
रहेंगे ।

एम० आर० एन० मणियन्,
मौसम विज्ञानी
कर्ते वेधशालाश्रो के महानिदेशक

महानिवेशक नागर विमानन का कामसिय

नई दिल्ली, विनाक 28 सितम्बर 1977

स० ए० 32013/13/76-ई० एम०—राष्ट्रपति ने श्री एम० आर० गोपालकृष्ण, वरिष्ठ विमान निरीक्षक, नागर विमानन विभाग को, जो कि इस समय ओमान सरकार में प्रतिनियुक्ति पर है, 4 जुलाई, 1977 से तथा अन्य शादेश होने तक नागर विमानन विभाग में उपनिदेशक/नियन्त्रक वैमानिक निरीक्षण के ग्रेड में प्रोफेसर पदोन्नति प्रदान की है।

विं विं जौहरी,
सहायक निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 22 अक्टूबर 1977

स० ए० 12025/8/7-ई० एस०—सद्गुरुक सेवा आयोग की सिफारिश पर राजपति ने निम्नलिखित अधिकारियों के द्वारा विमानन विभाग में प्रत्येक के नाम के सामने दी गई तारीख से अन्य आवेदन होने तक स्थानापन स्प में विमान सुरक्षा अधिकारी (इजीनियरिंग) के पद पर नियुक्त किया है।

क्र. सं.	नाम	नियुक्ति की तारीख	तैमाती स्टेशन
(1)	(2)	(3)	(4)
1.	श्री मदन लाल नागर	9-6-1977 (पूर्वाह्न)	महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय, नई दिल्ली ।
2.	श्री कनु गोहेत	26-8-1977 (पूर्वाह्न)	महानिवेशक नागर विमानन का कार्यालय, नई दिल्ली ।
3.	श्री बिमल कुमार श्रीवास्तव	25-8-1977 (पूर्वाह्न)	क्षेत्रीय निवेशक, बम्बई का कार्यालय ।

दिनांक 31 अक्टूबर 1977

स० ए० 12025/6/77-ई० एस०—संघ लोक सेवा शायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्री बी० आर० चोपड़ा को 29 अप्रैल, 1977 पूर्वाह्न से उपनिवेशक विमान सुरक्षा (इंजी-नियरी) /क्षेत्रीय नियंत्रक विमान सुरक्षा (इंजीनियरी) के ग्रेड में नियुक्त किया है और उन्हें महानिवेशक नागर विमानन, नई दिल्ली के कार्यालय में उपनिवेशक विमान सुरक्षा (इंजीनियरी) के रूप में तैनात किया है।

मं० ए० 12025/8/77-ई० एस०—सम लोक सेवा शायोग की सिफारिश पर राष्ट्रपति ने श्री लक्ष्मी नारायण लाल को नागर विभानन विभाग मे 18 अक्टूबर, 1977 से या अन्य शावेश होने तक स्थानापन्न रूप मे विभान सुरक्षा अधिकारी (इजी०) के पद पर नियुक्त किया है और उनको महानिदेशक नागर विभान का कार्यालय, नई दिल्ली भे तैनात किया है ।

मुरजीत लाल खण्डपुर,
सहायक निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1977

स० ए० 38012/1/77-ई० सी०—श्री एम० के० कस्तुरी रगत, सचार नियवक, वैमानिक सचार स्टेशन, भवास ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत हो जाने पर 30-9-77 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

स० ए० 38013/1/77-ई० सी०—नियवक सचार, वैमानिक सचार स्टेशन, बम्बई के श्री जी० बी० दामले ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से सेवा निवृत हो जाने पर 30-9-77 (अपराह्न) से अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

स० ए० 32014/1/77-ई० सी०—महानिदेशक नागर विमानन ने श्री बी० के० ई० शर्मा, सचार सहायक, वैमानिक सचार स्टेशन, बम्बई को श्री पी० आई० डेविड, सहायक सचार अधिकारी की अर्जित छट्टी के कारण हुई रिक्ति मे 23-9-77 (पूर्वाह्न) से निवर्त आधार पर सहायक सचार अधिकारी के ग्रेड मे नियुक्त किया है और उन्हे उसी स्टेशन पर तैनात किया है।

दिनांक 4 नवम्बर 1977

स० ए० 12025/8/75-ई० सी०—राष्ट्रपति ने श्री एन० शकर को 28-9-77 (पूर्वाह्न) से तथा अन्य आदेश होने तक नागर विमानन विभाग के वैमानिक सचार संगठन मे स्थानापन्न रूप मे तकनीकी अधिकारी के पद पर नियुक्त किया है और उन्हे निदेशक, रेडियो निर्माण और विकास एकक, सफ़वरजग एयरपोर्ट, नई दिल्ली के कार्यालय मे तैनात किया है।

स० ए० 38012/1/77-ई० सी०—केन्द्रीय निदेशक, बम्बई के कार्यालय के श्री बेबी बरगीस, सचार अधिकारी ने निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने के परिणामस्वरूप सरकारी सेवा से निवृत हो जाने पर 30-9-77 (अपराह्न) मे अपने पद का कार्यभार त्याग दिया है।

सत्य देव शर्मा
उपनिदेशक प्रशासन
कृते महानिदेशक नागर विमानन

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1977

स० ए० 32013/14/77—राष्ट्रपति ने श्री के० बी० गनेशन, निदेशक अनुसंधान और विकास को 25-10-77 से

31-1-78 तक या श्री पी० के० रामाचन्द्रन के वापस आने द्वारा से जो भी पहुँच हो तक तत्वं आधार पर उप महानिदेशक नागर विमानन के ग्रेड मे नियुक्त किया है।

प्रेम चन्द्र
सहायक निदेशक प्रश

विदेश सचार सेवा

बम्बई, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

स० 1/443/77-स्था०—विदेश सचार सेवा के महानिदेशक एतद्वारा स्विचिंग कामलेशम, बम्बई के तकनीकी सहायक श्री एम० बी० ओवण्डे को अल्पकालीक खाली जगह पर 29-8-77 7-10-77 (दोनो दिन सहित) तक की अवधि के लिए कार्यालय मे स्थानापन्न रूप से सहायक अभियता नियुक्त था।

पा० कि० गोविन्द नाः
उप विदेशक (प्रशा०)
कृते महानिदेशक

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क ममाहर्तालिय

बड़ीदा, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

स० 9/77—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा वर्ग 'ख' स्थानापन्न रूप से कार्यरत केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षी श्री एम० डी० पटेल दिनांक 31-7-77 के अपराह्न से निवृत हो गए हैं।

कु० श्री० दिलीप्प
समाहृ
केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, बड़ी

इन्दौर, दिनांक 1 नवम्बर 1977

स० 11(3) 2-गोप०/77/1356—श्री आर० जी इगोले अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर अधीक्षक के० उ० शुल्क बहुपालीय रेंज कार्यालय- I इन्दौर का कार्यभार दिनांक 27-8-77 के अपराह्न से सभाल रहे हैं।

श्री एस० एल० गुप्ता अधीक्षक के० उ० शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर अधीक्षक (निवारक) प्रशासन ग्रामीण का कार्यभार दिनांक 30-8-77 के पूर्वाह्न से संभाल रहे हैं।

स० 1(3) 2-गोप०/77/1357—श्री आर० जी० पटि प्रशासकीय अधिकारी केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पदोन्नत होने पर प्रशासकीय अधिकारी (मुख्यालय केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय इन्दौर का कार्यभार दिना 3-10-77 के पूर्वाह्न से संभाल रहे हैं।

श्री ग्राय० एम० खान परीक्षक (लेखा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क श्रेणी 'ख' के पद पर पवोल्स होने पर परीक्षक (लेखा) केन्द्रीय उत्पाद शुल्क मुख्यालय इन्दौर का कार्यभार दिनांक 1-10-77 के अपराह्न से संभाल रहे हैं।

मनजीन सिंह विद्वा
समाहर्ता

मद्रास-34, दिनांक 16 अगस्त 1977

सी० म० 11/3/22/77-मस्थापन—केन्द्रीय उत्पादन-शुल्क समाहर्तानियर, मद्रास के निम्नलिखित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क अधीक्षक, मूल 'ख', अधिवार्पिकी की आयु प्राप्त करने पर

उनके नाम के सामने दी गई तारीखों से सेवा-निवृत्ति हो गयी है—

श्रम सं०	नाम	सेवा-निवृत्ति की तारीख
1.	श्री एस० पद्मानाभन्	31-5-77 दोपहरबाद
2	श्री डी० बी० अनुग्राहम्	31-5-77 दोपहरबाद
3.	श्री ए० बी० अरुणाचलम्	30-6-77 दोपहरबाद
4	श्री एच० रामचन्द्रन्	31-7-77 दोपहरबाद
5	श्री डी० ए० महादेवन्	31-7-77 दोपहरबाद
6.	श्री एम० सवारीमुथु	31-7-77 दोपहरबाद

आई० जे० राय
समाहर्ता

केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग

प्रमुख इंजीनियर कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

म० 23/2/77-ई० म००-११—इस कार्यालय की दिनांक 19 अगस्त, 1977 की इसी मम्या की कार्यालय अधिसूचना में ग्रामिक मंशोंधन करते हुए श्री के० के० गुप्ता की वादधंक्य की तारीख नीचे लिखी मानी जाए। इसका आधार यह है कि कल्प सा विश्वविद्यालय की मैट्रिकुलेशन परीक्षा प्रमाण-पत्र के अनुमान श्री के० के० गुप्ता की जन्म तिथि 1 अगस्त, 1919 है।

श्र० सं०	नाम	जन्म तिथि	सेवा निवृत्ति की तारीख	सेवा-निवृत्ति के समय पदनाम
1	2	3	4	5
1	श्री के० के० गुप्ता	1-८-१९१९	31-७-१९७७	कार्यपालक इंजीनियर (म्ल्यन), ग्रामिक विभाग, जमशेदपुर।

सु० स० प्रकाश राय,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

म० 27/52/76-ई० सी०-९—राष्ट्रपति श्री बी० आर० क्षीरसागर वास्तुक, सलम वरिष्ठ वास्तुक (एच० एण्टी० पी०) II, केन्द्रीय कार्यालय, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, नई दिल्ली द्वारा प्रदत्त त्यागपत्र इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तारीख से स्वीकार करते हैं।

10-८-७७ में इस अधिसूचना के जारी किए जाने की तिथि तक की अनुस्थिति की अवधि बिना बेतन अमाधारण अवकाश करार दी जाती है।

जे० पी० शोहरी,
प्रशासन उपनिदेशक,
कृते प्रमुख इंजीनियर

नई दिल्ली, दिनांक 25 अक्टूबर 1977
विषय—मध्य, दक्षिण और दक्षिण मध्य रेलो पर अधिकार-क्षेत्र मन्त्रालयी समायोजन।

स० 77-ई० बी०/1514—एवंद्राग मन्त्रालयार्थ यह अधिसूचित किया जाता है कि मध्य, दक्षिण और दक्षिण मध्य रेलो के अधिकारक्षेत्रों में 2-10-1977 से निम्नलिखित समायोजन किए गए हैं—

- (1) शहरबाद/वादो-रायचूर खण्ड को छोड़कर दक्षिण-मध्य रेलवे के शोलापुर मडल को मध्य रेलवे में मिला दिया गया है।
- (2) ग्रामकोणम (रहित)—रेणिगुण्टा (रहित) खण्ड को छोड़कर दक्षिण रेलवे के गुन्तलु मंडल को दक्षिण मध्य रेलवे में मिला दिया गया है।

(3) शाहाबाद-वादी-रायचूर खण्ड को नए गुन्नकल्प मंडल के साथ जोड़ दिया गया है।

(4) मध्य रेलवे के भुसावल मंडल के मतभाड़-बौड़ खण्ड को नए शीतापुर मंडल में मिला दिया गया है।

(5) अरकोगम (रहित)–रेणिगुण्ठा (रहित) खण्ड को दक्षिण रेलवे में ही रखा गया है और यह मद्रास मंडल का भाग होगा।

(6) दक्षिण रेलवे का गुद्धूर स्टेशन/वार्ड क्षेत्र दक्षिण मध्य रेलवे के विजयवाडा मंडल में अन्तरित किया गया है।

वी० मोहन्ती,
सचिव,
रेलवे बोर्ड एवं
परेन सयुक्त मन्त्री

दक्षिण मध्य रेलवे

प्रधान कार्यालय

कार्मिक शाखा

सिकन्दराबाद, दिनांक 7 नवम्बर 1977

स० पी० 185/गजट/टी० सी०—श्री डी० राजाराव, भारतीय रेल यातायात सेवा (परिवोक्ताधीन) के अधिकारी को उसी सेवा में श्रेणी 1 अवर वेतनमान में 12-7-77 से स्थायी किया जाता है।

टी० एम० तोमस,
महाप्रबन्धक

पूर्ति नथा पुनर्वास मवालय

पूर्ति विभाग

राष्ट्रीय परीक्षण गृह

कलकत्ता-27, दिनांक 7 नवम्बर 1977

स० जी० 318/ए०—श्री पी० के० चक्रवर्ती, प्रधान लिपिक, राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा बम्बई जोकि राष्ट्रीय परीक्षण गृह, कलकत्ता का अधिसूचना स० जी० 318/ए० दिनांक 2-9-77 के अनुसार दिनांक 19-7-77 से उसी कार्यालय में सहायक निदेशक (प्रशासन) ग्रेड II के रूप में नियुक्त किए गए थे पुन. दिनांक 1-9-77 के पूर्वान्तर से राष्ट्रीय परीक्षण गृह, बम्बई शाखा, बम्बई में प्रधान लिपिक के रूप में परिणित किए गए।

वी० सी० विष्वास,
युग्म निदेशक,
राष्ट्रीय परीक्षण गृह

विधि, न्याय और कम्पनी कार्य मन्त्रालय
(कम्पनी कार्य विभाग)

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
कम्पनी अधिनियम, 1956 और कोल्काता प्लान्टेशन
कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 नवम्बर 1977

स० 1167/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि कोल्काता प्लान्टेशन कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

कम्पनी अधिनियम, 1956 और राजामणी चिट फंड्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

मद्रास-6, दिनांक 2 नवम्बर 1977

स० 5634/560(5)/77—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के अनुसरण में एतद्वारा सूचना दी जाती है कि राजामणी चिट फंड्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम आज रजिस्टर से काट दिया गया है और उक्त कम्पनी विधिटित हो गई है।

के० पञ्चापकेशन,
कम्पनियों का महायक रजिस्ट्रार

कम्पनी अधिनियम, 1956 और हिंदुस्तान स्टेन्डर्ड (दिल्ली) प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

दिल्ली, दिनांक 1 नवम्बर 1977

स० 2843/210/8—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर हिंदुस्तान स्टेन्डर्ड दिल्ली प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

आर० के० श्रोडा,
कम्पनीज का महायक रजिस्ट्रार, दिल्ली

कम्पनी अधिनियम, 1956 और मेसर्स चलचित्र डीस्टी-ब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

कटक, दिनांक 29 अक्टूबर 1977

स० एस० श्रो०/414/77-3875 (2)—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मेसर्स चलचित्र डीस्टी-ब्यूटर्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जाएगा और उक्त कम्पनी विधिटित कर दी जाएगी।

डी० के० पाल,
कम्पनियों का रजिस्ट्रार,
उड़ीसा

प्रलेप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269थ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, शिलांग

शिलांग, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्वेश स० ए०-140/शिलांग/77-78/899-95—अत्र, मुझे, एगवार्ट मिह,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269थ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु. से अधिक है और जिसकी

सं पट्टा स० 1 (ए०) है तथा जो लोअर मतिनगर, शिलांग में स्थित है (और इससे उपाध्य अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शिलांग में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 7-5-1977 को पूर्वोक्त

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के व्यापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनाये अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269थ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

3-346GI/77

(1) श्री हारिक आली, सचिव, आसाम सरकार, दिसपुर, गौहाटी।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती दुर्गा देवी गुप्ता, सप्तनी, श्री के० मि० गुप्ता, लोअर मतिनगर, शिलांग।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ल्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही मर्यादा होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन के नापतोल 3024 वर्गफुट साथ में एक मकान जो लोअर मतिनगर, शिलांग मेंघालय में स्थित है और उसके पट्टा स० 2 (ए) है।

एगवार्ट सिंह,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, शिलांग

तारीख : 3 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई. टी. एन. एस.—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, कलकत्ता
54, रफी अहमद किदवर्डी रोड, कलकत्ता-16
कलकत्ता, विनांक 8 नवम्बर 1977

निर्देश सं. ए० सी० 28/आर०-II/कल/77-78:—अत.,
मुझे, आर० वी० लालभौया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ष
के प्रधीन संशम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25000/- रुपए
में अधिक है

और जिसकी सं. 23-ए०/17-एस० है तथा जो डायमंड हारवार
रोड, कलकत्ता स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्टा अधिकारी के कार्यालय,
सब रजिस्ट्रार, अलिपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जे०वि इन्वेस्टमेन्ट इंस्ट 20, विपल्वि रास बिहारि
बम् रोड, कलकत्ता ।
(अन्तरक)

(3) श्री विजय कुमार गुप्त 32-ए० कानि गुद, कलकत्ता
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितष्ट्रु
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोषिताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लाट नं. 2 सि० परिमात्र 2730 रुपू० फीट नं. 23-ए०/
27-एस० डायमंड हारवार रोड, कलकत्ता, अलिपुर ।

आर० वी० लालभौया,
संशम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-2, कलकत्ता ।
54, रफी अहमद किदवर्डी रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8 नवम्बर, 1977 ।

मोहर:

प्रस्तुत ग्राही टी० एन० एस०—

ग्राहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्राहक ग्राम्यक (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II,

54, रफी अहमद किंवद्वाही रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1977

निर्देश सं० ए० सी० 19/प्रार०-II/कलकत्ता/77-78—
अतः, मुझे, आर० वी० लालभीया,ग्राहक अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 23 ए०/२७-एस है तथा जो ग्राम्यमन्डल
हारवार रोड स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सब
रजिस्ट्रार, अलिपुर मदर, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 4-३-१९७७को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राह की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी ग्राह या किसी धन या अन्य मास्तियों,
को, जिहे भारतीय ग्राम्यक अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या किया जाना चाहिए था, छिगाने में
सुविधा के लिए;अतः ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(1) मैसर्सै जे० बि० इन्वेस्टमेन्ट ट्रस्ट 20, विकाशी एस
बिहारी बामु रोड, कलकत्ता।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मुरजित सि० मिरडी 23-५/२७ प्रस ग्राम्यमन्डल
हारवार रोड, कलकत्ता-५३

(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहकों—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रबंधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रबंधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्राम्यहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।उपचारकरण ——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमुसूची

प्लाट नं० 2 ए०, (दूसरी मंजिल) परिमाण 2456 स्कू०
फुट० नं० 23 ए०/१७-एस०, ग्राम्यमन्डल हारवार रोड, कलकत्ता।आर० वी० लालभीया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक ग्राहक ग्राम्यक (निरीक्षण)
अर्जन रेज-II, 54 रफी अहमद किंवद्वाही रोड, कलकत्ता-१६

तारीख : 8 नवम्बर, 1977।

मोहर :

प्रैरूप प्राईंटी०एन०एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रन्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद किदवर्ह रोड, कलकत्ता-16

कलकत्ता, दिनांक 8 नवम्बर 1977

निर्देश स० ए० सी०-२०/ग्रार०-II/कलकत्ता-७७-७८:—
अत, मुझे आर० वी० लालभौया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ष के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० 23 ए०/१७-एस० है तथा जो डायमन्ड हारबर
रोड, स्थित है (अग्रह इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के प्रधीन, 24-३-७७

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से रुप के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वीकृत सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के असरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मात्र आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की
उपायारा(1) के प्रधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रवर्ति:—

(1) श्री जे० वि० इनवेस्टिमेंट ट्रस्ट 20, विल्वी राम
विहारी रोड, कलकत्ता ।

(अन्तरक)

(2) श्री रसिंग्ह मोहन मुकुरार जी और प्रीतिलता मुवराजी,
2-डिं, 23-५/२७ एस डायमन्ड हारबर रोड,
कलकत्ता-५३ ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के संबंध में कोई भी ग्रामेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षता की रूप से किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट 2-डिं (फस्ट फ्लोर) 1 परिभान-2660 स्कु० फीट
न० 23-ए०/२७-एस०, डायमन्ड हारबर रोड, कलकत्ता ।

आर० वी० लालभौया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
ग्रन्जन रेंज-II, 54, रफी अहमद किदवर्ह रोड, कलकत्ता-16

तारीख: 8 नवम्बर, 1977 ।

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री मैसर्स उपा टेलिट्रॉफेट लि०,

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

(2) मैसर्स उषा एटलस हाईड्रोलिक इंश्युपमेन्ट लि०,
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कलकत्ता

कलकत्ता, दिनांक 6 नवम्बर, 1977

निवेश म० ए० मि०-२१/अर०-II/कल/७७-७८ —अत ,
मुझे, आर० वी० लालमाविया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ
के अधीन सक्ति प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये
से अधिक है

और जिसकी स० है तथा जो मौजा-चन्दननगर, पि० ए० महेरातला
मे स्थित है (और इसमे उपावड़ अनुसूची मे और पूर्ण रूप से
वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, रेजिस्ट्रार आफ
एसुरेन्सेस कलकत्ता मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 25-३-७७ को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्योक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से तेसे दृश्यमान प्रतिफल के 15 प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित मे बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्याद्वयों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध मे कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तक्सबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा ,

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे
किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के द्वायित्व मे
कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

(ख) ऐसी निर्सा आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हे भारतीय आयनकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

मौजा चन्दननगर, पि० ए० महेरातला मे 6 बिधा 14
कठा 5 छटाक 16 2 स्को० फुट जमिन है ।

आर० वी० लालमाविया
मकाम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज II , कलकत्ता

तारीख : 9 नवम्बर, 1977
मोहर .

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे,
मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थत :—

प्रत्येक आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निर्देश सं ८० भी० ए० ५/हवेली-II पूना जून ७७/३४५/७७-७८-
यत., मुझे, श्रीमती पी० ललवाणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ०
में अधिक है

और जिसकी सं प्लाट वी० सि० एस० न० 1010 श्रीनगर,
पूना-16, ह तथा जो पूना
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, हवेली-II, पूना में, रजिस्ट्री
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
24-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिये, अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत अधिक है और भ्रष्टरक (भ्रष्टरकों) और अभ्रष्टरिती
(अन्तरितियों) के भीतर उससे अन्तरण के लिये तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अभ्रष्टरण लिखित में
बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अभ्रष्टरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य ग्रासितयों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन नार्थ अभ्रष्टरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

मत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपषारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

(1) श्री १ ए० एल० जोशी, २. श्रीमती इंदिरा एल०
जोशी, ३ श्री अनिल एल० जोशी, फलटन, जिला
सातारा।

(अन्तरक)

(2) श्री पुष्पमाला को ऑप० हाउसिंग को० लि० प्लाट नं०
३७१, मि० एस० न० १०१० शिवाजी नगर पूना-१६
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिये एतद्वारा कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में ४५
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से ३० दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से ४५
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में किया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का टुकड़ा (प्लाट 'बी') जो मि० एस० न०
१०१० शिवाजी नगर, पूना-१६ में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल ९४४
वर्ग मीटर है। (जैसे की रजिस्ट्रीशन विलेख क्रमांक ६७६ सब
रजिस्ट्रार हवेली II पूना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवाणी,
सक्षम प्राधिकारी
(सहायक आयकर आयुक्त, निरीक्षण),
अर्जेन्ट रेज, पूना

तारीख 31 अक्टूबर, 1977।

मोहर:

प्रत्यय प्राई० टी० एम० एस०

(1) श्री छही० बाय० जीणी, 206 नारायण पें, पूना-2 ।
(अन्तरक)

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, पूना

पूना-411004, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० सी० ए० 5/हवेली-II, पूना/जून 77/346/77-78—
यतः मूले, श्रीमती पी० ललवाणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु
से अधिक है
और जिसकी सं० प्लाट सी०, मि० एम० में 1010 शिवाजी नगर,
पूना-16 है तथा जो पूना में स्थित है (और इससे उपादान अनुसूची
में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
हवेली-II, पूना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, तारीख 24-6-1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूले यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके
वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और प्रत्यरण (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से मुद्रित किसी आय की बाबत, उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) पुष्पमाला को-आपरेटिंग हाउसिंग मोलायटी
लिमिटेड, प्लाट नं० 371, 1010 शिवाजीनगर,
पूना-16।

(अन्तरक)

(4) सोमायटी के 16 सदस्य।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधो-
हस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अन्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होंगा, जो उस अन्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का (प्लाट "सी") टुकड़ा जो मि० एस० नं०
1010 शिवाजीनगर पूना-16 में स्थित है। जिसका क्षेत्रफल 944
वर्गमीटर है। (जैसे कि रजिस्ट्रीशन लिखे छान्दोल 321, सब-
रजिस्ट्रार हवेली-II पूना के दफ्तर में लिखा है।)

श्रीमती पी० ललवाणी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, पूना.

तारीख : 31-10-1977

मोहर :

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की द्वारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पुना

पुना-41004, दिनांक 31 अक्टूबर, 1977

निर्देश स० सी० आ०-५/हवेली-II/पुना/मई/77/344/
77-78—यतः मुझे, श्रीमती पी० ललवाणी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की द्वारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी म० मी०टी० एस० क्रमांक 798 है तथा जो भवानी
पेठ, पुना में स्थित है (प्रौढ़ इससे उपाबन्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-
पुना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन तारीख 27-5-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरि-
तियों) के बीच ऐसे अस्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की द्वारा उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या उक्त
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

असः अब, उक्त अधिनियम की द्वारा 269ग के अनुसरण में;
मैं, उक्त अधिनियम की द्वारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित अविक्षयों, अर्थात् :—

(1) 1. श्रीमती कमला एस० तुलसियानी, 2. श्रीमती
पुष्पा ईश्वरदास तुलसियानी, 3. श्री थांवरदास
चढ़ूलाल तुलसियानी पार्टनर्स आफ तुलसियानी
बिल्डर्स, 506 मेकर भवन न० 3, 21 न्यू मरीन
लाइन, बम्बई-20।

(अन्तरक)

(2) तुलसियानी इस्टेट को-आप० हाउसिंग सोसायटी,
लिमिटेड, 798 भवानी पेठ, पुना-2।

(अन्तरिती)

(4) 71 फ्लैट श्रीनर्म

(वह व्यक्ति जिसके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
मम्पति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त मम्पति के अर्जन के लिए
कार्यालयीय करता है।

उक्त मम्पति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप.—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-के
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन और उसके ऊपर का मकान जिसमें 71 फ्लैट्स् बांधे
हुए हैं। जिसका सी० टी० एम० न० 798 भवानी पेठ पुना-2 है।
जिसका क्षेत्रफल 2100 वर्ग याड़ है। (जैसेकि रजिस्ट्रीकृत विलेख
क्रमांक 567 सब-रजिस्ट्रार, हवेली II पुना के दफ्तर में लिखा है)।

श्रीमती पी० ललवाणी
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 31-10-1977

मोहोर :

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-प(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1977

(1) 1. श्री आबू राव, 2. श्री साहेब राव, 3. श्री मुरली-धर, 4. श्री तारा चन्द मधी पुत्र श्री मीठा राम, 5. श्रीमती बच्छलाभाई पुत्री श्री मीठा गम पाटिल, 6. श्रीमती येनु बाई पति श्री मीठाराम, मधी निवासी ग्राम बादखेड़ा, बुरहानपुर।

(अन्तरक)

(2) श्री रजनीकात, 2. श्री जयन्ती लाल, दोनों पुत्र श्री धन्नू लाल बीमा नागर, महागढ़, प्रतापपुर, बुरहानपुर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी विवेदः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विद्या गया है।

अनुसूची

(क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के स्थिति में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269प की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

4-346GI/77

कुण्ठि भूमि खसरा न० 131, 132 क्षेत्रफल 11.66 एकड़ साथ कुआं व पेड़ स्थित ग्राम बादखेड़ा, बुरहानपुर।

रा० कु० बाली,
सक्तम प्राधिकारी,
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, भोपाल,

तारीख । 5-11-1977.

मोहर ।

प्रक्षेप आई० डी० एन० एम०—

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन्ट डेव. भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निदेश म० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/895—

अनु मुझे, गा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी म० प्लाट है, जो इन्दौर में स्थित है (और इसमें उपाख्य अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकूट अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 16-3-77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल वे लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण में हुई किसी आय की वाचत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरण के अन्तर्गत में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बचन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बचन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

प्रतः प्रब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अभियान अर्थात्:—

(1) डा० हेमन्त दुन्न श्री कमलाकार जादव निवासी 20, कल्पना लोक कालौनी, खजगानी रोड, इन्दौर। (अन्तरक)

(2) 1 श्री मदीप कुमार, 2. श्री नीतेश कुमार दोनों पुत्र श्री वीरेन्द्र कुमार निवासी 18, धानू मार्केट, इन्दौर (अन्तरित)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त गमानि के अर्जेन्ट के लिए कार्यालय करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जेन्ट के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:—

(क) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के गजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट स्थित भीषणपथ कालौनी, विधानग नं० 11/13, इन्दौर।

रा० कु० बाली,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जेन्ट रेज भोपाल,

तारीख: 5-11-1977.

मोहर:

प्रस्तुप आई०टी०एन एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेन अंतर्क्रम, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निदेश म० आई० ए० मी० एक्वी/भोपाल/77-78/896—

अत मुझे, रा० कु० बाली

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और

और जिसकी म० मरकान है, जो रत्नाम में स्थित है (और इसमें
उत्तराधि अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय रत्नाम में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा

(1) के पद्धीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1 श्री हीरा लाल पुत्र श्री केदार शक्तर, 2. श्री नरपति
लाल पुत्र श्री दाम्पत्ता, 3. श्री प्रीतम लाल पुत्र श्री
धीरज लाल, 4. श्री स्वामी जी परमानन्द मारस्व, 5.
श्री नन्द किशोर पुत्र श्री किशन लाल, 6. श्री गोविंद
लाल पुत्र श्री हेतु लाल, 7 श्री अम्बा लाल पुत्र
नाथू लाल, 8. श्री ईश्वर लाल पुत्र श्री कल्पी लाल,
9 श्री हिम्मन लाल पुत्र श्री नानक लाल, 10. श्री
ललित किशोर पुत्र श्री किशन लाल, 11. श्री नवनीत
लाल पुत्र श्री नाथू लाल भी निवासी बासवाड़ा

(अन्तरक)

(2) 1 दी कलाप मर्चेंट एसोसियेशन, बजाज खाना, रत्नाम
द्वारा 1. श्री कफीर चन्द, 2 श्री निहाल चन्द, 3. श्री
राजमल, 4. श्री कफीर चन्द, 5. श्री समरथमल, 6.
श्री सुजान मल, सभी निवासी बजाज खाना, रत्नाम।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आभेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बात
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वही
मर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

आई मंजिल मकान स्थित बजाज खाना, रत्नाम।

रा० कु० बाली,
सक्षम अधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-11 1977.

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एम० एस०—

(1) पंडित लीलाधर जोशी पुत्र श्री हरीशबक्ष जोशी, निवासी शुजाल पुर नगर म० प्र० ।

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ग

(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन धोव, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निदेश स० आई० ए० सी० एक्वी/भोपाल/77-78/897—

प्रतः मुझे, रा० कु० बाली,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ग के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-इ० से अधिक है

और जिसकी स० मकान है, जो शुजाल पुर मे स्थित है (और इससे उपावन्द अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शुजालपुर मे रजिस्ट्रीक्रूत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 3-3-1977 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व के कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

अनुसूची

मकान नं० 39, लोहिया मार्ग, शुजालपुर।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

रा० कु० बाली
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भोपाल

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 5-11-1977.
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० सी० आर० न० 62/9580/76-77/एक्वी/ बी— यह मुझे, जे० एस० राव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 1/1 है, तथा जो संपर्गि रोड, (मल्लेश्वरम्) बंगलूर-560003 में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता गधिकारी के कार्यालय श्रीरामपुरम् में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 30-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरको (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिसे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपकारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अस्तियों, अर्थात्:—

(1) दि करनाटका स्टेट फैनामियल कारपोरेशन, सं० 25, शकरनागायण बिल्डिंग, एम० बी० रोड, बंगलूर-1
(अन्तरक)

(2) नाइक इन्डोयरेस कारपोरेशन आफ इंडिया, (योग-क्षेत्र) जीवन बीमा मार्ग, मुबर्झ-400021 और डिविजनल कार्यालय जीवन प्रकाश, जै० सी० रोड, बंगलूर-560002,
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के लिये कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रज्ञन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन के अवधि, जो भी अर्बाष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

इवाचीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के परिभाषित हैं, वही पर्याय होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 3309/76-77, ता० 30-3-77]
सारा सप्ति का सं० 1/1, II मैन रोड, मल्लेश्वरम्, बंगलूर, (डिं सं० 9)

बाथ:—	पू : संपिगे रोड, (II मैन रोड)
	प : मैसूर स्पिनिंग और मैन्यूफैक्चरिंग क० लिमि- टेड
उ	संपिगे थियेटर
द	मैसूर स्पिनिंग और मैन्यूफैक्चरिंग क० लिमि- टेड

जै० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख : 31-10-1977.

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बगलूर

बगलूर, दिनांक 31 अक्टूबर 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/9005/76-77—यत. मुझे
जै० एस० राव,आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- इ०
से अधिक है।और जिसकी सं० 399, (खाली जमीन) है, तथा जो राजा
महल विलास एक्स्टेशन हाल बेगलूर में स्थित है (और इसमें उपाध्यक्ष
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, गाधनियम बगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 10-3-1977 (द० वां० न० 2529/
76-77 कोको पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और भासे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आव की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया आना आहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

प्रत: ग्रन्थ, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अपत्ति :—(1) श्री श्रीराम देवराजन्, दि० एस० बी० देवराजन् के
पुत्र। न० 127, श्रावण कास रोड, एन० आर० कालोनी
बेगलूर-19।

(अन्तरक)

(2) श्री एन० आर० शेशांबी, दि० एन० रामस्वामी
शेय्यगार। अविभक्त कुटुम्ब के कर्ता। न० 21, फ्रेंट
रोड, बेगलूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा ;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

[इस्तावेज सं० 2529/76-77, ता० 10-3-77]

सारा सप्ताह नं० 399, राजामहल विलास एक्स्टेशन, बगलूर,
जो दस्तावेज नं० 2529 ता० 10-3-77 में दिखाया गया है, और
जो रजिस्ट्रीकर्ता गाधीनगर के कार्यालय में रजिस्टर हो गया है।जै० एस० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बगलूरतारीख 31-10-1977
मोहर .

प्रत्येक श्राई० टी० एन० एस०—

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश म० मी आर० म० 62/9240/76-77/प्रक्षु०/डी—

यत. मुझे, ज० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से
अधिक हैऔर जिसकी सं० 13 ए० है, नथा जो 6वा क्रास, ह्यचिन्स रोड, मैट
थाम्स ट्रॉप बंगलूर मे स्थित है (और इसमे उपावद्ध अनुसूची मे
और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ट प्राधिकारी के कार्यालय,
शिवाजी नगर मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
26) के प्रधीन ता० 30-1-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पश्चह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ
तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तावक
के बायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;ग्रन्त: अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के प्रमु०
सरण में, मे उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—(1) श्रीमती सारम्मा पत्नी श्री वी. वी० जान स० 27/9,
दामोदर मोदनियार स्ट्रीट, अलमूर, बंगलूर ।

(अन्तरक)

(2) श्री (1) जान मीनकलीयर फ्लॉर और उनका पत्नी

(2) आडरी फ्लॉर न० 51, स्टीफन रोड,
बंगलूर-5 ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।इष्टकारण:—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रयं होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है ।

प्रत्यक्ष

(दस्तावेज स० 2587/76-77 ता० 30/3/77)

मारा संपत्ती का स० 13-ए०, 6वा क्रास, ह्यचिन्स रोड,
सेट थाम्स ट्रॉप, बंगलूर-5

बाध. उ० : 6वा क्रास ह्यचिन्स रोड,

द० : स० 1, 5वा क्रास, ह्यचिन्स रोड,

पू० : स० 13, 6वा क्रास, ह्यचिन्स रोड,

प० : ह्यचिन्स रोड ।

ज० एस० राव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बंगलूर

तारीख 5 नवम्बर, 1977

मोहर:

प्रारूप आई० ई० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, विनाक 5 नवम्बर 1977

निर्वेश सं० सी० आर० 62/9033/76-77/एक्य०/डी—यतः,
मुझे, जे० एस० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 72 है, तथा जो शकरा पार्क, शंकर मठरोड, शंकर पुरम, बेगलूर मे स्थित है (और इससे उपाखद अनुसूची मे और पुर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बसवनगुडी मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 9/3/77

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्ननिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

भ्रतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्ननिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री अभिनय विद्या तीरथ महास्वामि भंलवरू, जगद्गुरु आक श्री मरदापीठ, श्रीगेरि।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती राज लक्ष्मा पत्नी न्व० बी० नंगंडमट्टी, म० 168, Istमैन रोड, आमराजपेठ, बेगलूर 18।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे कोई भी व्याप्तिप्रयोग नहीं है।

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे मे विसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

[दस्तावेज सं० 2021/76-77 ता० 9/3/77]

ग्राम सप्तसी का सं० 72, शंकर पारक, शंकरमट्ट रोड, शंकर पुरम, बेगलूर।

वाध : पू० कास रोड

प० : दूसरा का० (पारवतम्मा का)

उ० :

द० : विद्या शकरास प्रापरटी

जे० एस० राव,

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, बेगलूर

तारीख : 5 नवम्बर, 1977

मोहर।

प्रवृत्त प्राई ० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, बेगलूर

बेगलूर, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश भं० सी० आर० न० 62/903 ।/76-77/पक्ष्य०/वी०—
यत्, मुझे, जै० एम० राव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास बरने का कारण
है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी सं० 111 है, तथा जो शकर पारक, शकर मठ्ठ रोड,
शकर पुरम, बेगलूर-4 मे स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची
मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), अस्ट्रिकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय,
बमवनगुडी मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन तारीख 9/3/77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथ पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित मे वास्तविक रूप से किया नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
शायत्व मे कमी करने या उसमे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या अन्य आस्तियो
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
के लिए।अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
मे, मे, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

5-346GJ/77

(1) श्री अभिनन्दन विद्यावीरथ महा स्वामिगलवड, जगद्गुरु,
श्री शारदा पीठ श्रीगोरि।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती एम० एम० जयम्भा पत्नी श्री एम० एन०
सदाशिवय्या, सं० 11, शकर मठ्ठ रोड, शकर पारक,
शकर पुरम, बेगलूर-11

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के निप
कार्यवाहियों करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे हुई भी प्राप्तेः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन तक अवधि या तसम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति मे हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।इष्टोकरण:—इसमे प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20क मे परिभाषित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है

अनुसूची

(दस्तावेज म० 2022/76-77, ता० 9/3/77)
मारा संपत्ति का जो सं० 111, शंकर पारक शकर मठ्ठ रोड,
शकर पुरम, बेगलूर-4।ब्राध पू० शकर मठ्ठ रोड
प० : दुमरा का
उ० . मठ्ठ का
द० :जै० एम० राव
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बेगलूर

तारीख : 5 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रस्तुप ग्राई० टी० एन० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, बेंगलूरु
बेंगलूरु, दिनांक 7 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी० आर० 62/9066/76-77/गङ्गु०/बी०—
यतः, मुझे, जे० एम० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 2123/1 है तथा जो 8वा क्राम, कालीकेटे दासपा
एक्सटेनशन मे० स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे० और पूर्ण
रूप से बर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चलापट्टना
मे० रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
ता० 5/3/77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरिक्त की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का फदह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्त
(अन्तरिक्तियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे०
वास्तविक रूप से कथित नही० किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त
प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
मे० कभी करने या उससे बचने मे० सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिक्त हारा प्रकट नही० किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने मे० सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
मे०, ये, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1)
अधीन, निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्री (1) रामचंद्र, (2) गोपाल छुप्पण, (3)
(3) चिन्मयानन्द, पेटे, अन्नपट्टन टौन, अन्नपट्टना।
(अन्तरक)

(2) श्री वै० एस० रागवय्या, मुपुत्र यजमान श्रीनिवासय्या,
पेटे, अन्नपट्टना टौन।
(अन्तरिक्त)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हू०।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध मे० कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे० समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
अविक्तियों मे० से किसी अविक्त हारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे० प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे० हितबद्ध किसी
अन्य अविक्त हारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
मे० किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरणः—इस मे० प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20क मे० परिभाषित
है, वही प्रथं होगा, जो उस प्रध्याय मे०
दिया गया है ।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 2635/76-77, ता० 5/3/77) ।
मारा सप्ति का जो सं० 2123/1, 8वा क्राम, कालीकेरी
दासपा ब्लाक एक्सटेनशन, चलापट्टना (मुनिसिपल 'ए' लिविंगन),
बांध : द० : रोड़
उ० : प्रैवट प्रापरटी
पू० :
प० :

जे० एम० राव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, बेंगलूरु
तारीख : 7-11-77
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०--

आपकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रज, बंगलूर

बंगलूर, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निर्देश सं० सी० आर० न० 62/9031/76-77/एक्य०/वी०:-

यत मुझे, जे० ए० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी सं० 4 है, तथा जो फस्ट क्रास, नवा कलासी पाल्यमा बंगलूर में स्थित है (आंतर इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अम्बवनगुडि में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन ता० 7/3/77

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।--

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्तः--

(1) श्रीमती (1) गोविन्दम्मा पत्नी स्व० बी० तायप्पा
(2) श्री बी० टी० शंकर सुपुत्र स्व० बी० तायप्पा
स० 176, चौथा ब्लाक, जयनगर, बंगलूर।
(अन्तरक)(2) श्री (1) ए० चंगपा नायडु सुपुत्र स्व० ए० रंगपा नायडु
(2) श्री ए० सी० कुप्रस्वामी नायडु, (3) श्री
ए० सी० राजगोपाल नायडु, (4) श्री ए० सी०
केशवपा नायडु सुपुत्र ए० चंगपा नायडु स० 3-4,
होल लेन बामर स्ट्रीट, श्री कृष्ण राजेन्द्र मारकेट,
बंगलूर-2।
(अन्तरिता)(3) मैसर्स एम० बी० ट्रासपोरट जिदाल रोड, बैज ए० पी०
खाजिर।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में संपत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अजन्ते के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 2011/76-77, ता० 7/3/77) ।
स० 4, नवा कलासी पाल्यम, 1बा क्रास, बंगलूर (डि०-39),
बाध पू० . स० 5, हनुमधराव का
प० . 3, मुनिचिन्नपपा का
द० : 2,
उ० : रोड

जे० ए० राव,

सक्षम प्राधिकारी;

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रज, बंगलूर

तारीख : 9 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269८ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भाग्यकांत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, काकिनाडा

काकिनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर 1977

स० न० 474—यत मुझ, एन० के० नागराजन, प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 4-1-40 है, जो गुन्टूर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गुन्टूर में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 1-4-77 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमों करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन पा अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रता: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा 1) के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, प्रधाति:—

(1) श्री (1) एम० कुटुम्बराव, (2) एम० विजयराव,
(3) एम० गोपालराव, (4) एम० कृष्ण कुमारराव,
(5) एन० श्रीगम मूती सिकन्दरबाद गुन्टूर।

(अन्तरक)

(2) श्री (1) एम० राजगोपालराव, (2) एस० गोवरधन, (3) एस० सौभाय लक्ष्मी, मार्केट एम० राज गोपालराव गुन्टूर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करने पूर्वोक्त संवत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता है।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सबधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्णकाल व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गुन्टूर रजिस्ट्री अधिकारी से पाक्षिक प्रति 15-4-77 पंजीकृत दस्तावेज नं० 1209/77 में निगमित अनुसूची संपत्ति।

एन० के० नागराजन,
सक्षम प्राधिकारी,
महायक आयकर भाग्यकांत (निरीक्षण),
अर्जन रेज, काकिनाडा

तारीख : 25 अक्टूबर, 1977।

मोहर:

प्रख्यात प्राइ. टी० एन० एस०—

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अंक (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर शायक (निरीक्षण)

अर्जन रेज, हुबली

धारवाड-580004, दिनांक 5 नवम्बर 1977

निर्देश सं 195/77-78/अर्जन—यत, मुझे, डि० सि०
राजगोपालन,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अंक के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० अर्यसमेट न० 556 से 560 तक 1 मुनिसिपल खारा न० 514, है, जो मगलूर-बगलूर रोड, माकलेसपुर टाउन, में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, माकलेसपुर टाउन अड्डर डाकमेट न० 1323/76-77 दिनांक 28-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अनुसूचित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निर्दित में वास्तविक रूप से कर्तित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से बहु ही किसी शाय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कभी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी शाय या किसी धन या भव्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय श्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता था हिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अंक के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-अंक की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित अवक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री वि० एम० चद्रशेखर, हानरेरि सेक्रेटरी, मुजेश्वर बलब, सावि लसपुर, हरन-जिला।
(अन्तरक)(2) डा० वि० टि० नारायणन, टेक्निकल अड्डेयर और जनरल पावर श्राफ आर्टिन हॉल्डर ग्रीमि इम्पेट, माकलेसपुर, हासन-जिला।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्समांदी अवक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अवक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य अवक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

इष्टदोक्षरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिमापित हैं, कही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुला मैदान बिल्डिंग और आकार के साथ है। मुनिसिपल का न० 556 से 560 तक मुनिसिपल का खाता न० 514, बगलूर और मगलूर के सड़क पर है। माकलेसपुर का टाउन।

खुला विस्तार—पूरब कि ओर 6 फीट के विस्तार कुशलनगर रोड के यहां है।

पश्चिम कि ओर—हामन मगलूर का रोड पर 182 फीट है। उत्तर के ओर—बाकि जगा यहां है और इसका विस्तार 220 फीट अदिक 300 फीट है। और दक्षिण के ओर सरकारी हाई स्कूल है। और उसका सर्वे न० 132। खुला विस्तार इस बाग में 272 फीट अदिक 208 फीट है।

डि० सी० राजगोपालन

सक्षम प्राधिकारी,
सहायक श्रायकर शायक (निरीक्षण),
अर्जन रेज, धारवाड

दिनांक : 5 नवम्बर 1977

मोहर :

प्रलेप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 26९व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, नागपुर

नागपुर, दिनांक 26 अक्टूबर, 1977

निर्देश स० आय० ए० सी०/अर्जन/49/77-78—यत्,
मुझे, एच० सी० श्रीवास्तव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26९व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी म० न० 727/2, प्लाट न० 37 है तथा जो सेटल
सेटल एवेन्यु रोड, नागपुर में स्थित है (और उससे उपावड़ अनुसूची
में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
नागपुर में रजिस्ट्रीरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 3-6-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसो किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 26९व के अन्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 26९व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) श्री गोपाल रामचंद्र खड़गी, (2) श्री पुरुषोत्तम
रामचंद्र खड़गी, (3) श्री मारोती रामचंद्र खड़गी,
सभी रहने वाले स० न० 15/21, नागपुर।
(अन्तरक)

(2) 1. श्री सुनीजकुमार दौलतराम खुपलानी, (2) श्री
राजेशकुमार दौलतराम खुपलानी, सभी रहने वाले
नागपुर के हैं।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद से समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।

स्वाक्षरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और वदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

धरन० 727/2, प्लाट न० 37, 2573 स्केबर फुट, वार्ड न०
35 मर्कल न० 16/22, सेटल एवेन्यु रोड, नागपुर।

एच० सी० श्रीवास्तव,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, नागपुर

तारीख : 26 अक्टूबर, 1977।

मोहर :

प्रलेप आई० टी० एन० एस०----

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जयपुर
जयपुर तारीख 8 नवम्बर 1977

निर्देश संख्या राज/मआआनि (अर्जन)/375—यह मुझे चुन्नी लाल सहायक प्रायकर आयुक्त, अर्जन रेज रोहतक प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० दुकान, बाई० न० ५ है तथा जो हनुमान गढ़ टाउन में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्स अधिकारी के कार्यालय हनुमानगढ़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 5-3-1977

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरिती) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में धास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वापित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय प्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ब के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री पर्णु राम उर्फ प्रताप चन्द्र पुत्र श्री मंगल चन्द्र ओमवाल, निवास मकासर तहसील हनुमानगढ़ (अन्तरक)

(2) श्रीमती कमला देवी पत्नी श्री परगण चन्द्र अग्रवाल निवासी हनुमान गढ़ टाउन, तहसील हनुमान गढ़ (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राहक:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितदद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसम प्रयुक्त शब्दों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुकान मिनुका क्लोथ स्टोर हनुमान गढ़ टाउन के सामने बाई० नम्बर 4 में जो और विस्तृत रूप से उप पंजियक, हनुमान गढ़ द्वारा क्रमांक 161 दिनांक 5-3-77 को पंजियक व विक्रय पत्र में विवरित है।

(चुन्नी लाल)
मक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख 8 नवम्बर, 1977
मोहर:

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एम०

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 1 बम्बई.

बम्बई तारीख 5 नवम्बर, 1977

निर्देश स० अ० ई० 1/1991-19/मार्च-77—अत मुझे
एफ० ज० फर्नांडीज०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
हप्ते से अधिक है

और जिसकी स० मी० एम० न० 1/556 का माला० कम्बा०
ग्रालिया टक गोड हिल डिवीजन मे स्थित है (और इसमे उगाबद्ध
अनुसूची मे और मे और पूर्ण रूप मे वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बम्बई, मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-3-1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य सेकम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के असरक के
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियो
को जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना चाहिए था, छिपाने मे सुविधा के लिए;

अतः, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
मे, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियो, अर्थात् :—

(1) श्री/श्रीमती/कुमारी बेहराम के० दुवाण, 2, श्रीमती
नाजो के० भाभा, 3. हिलानादिग दिनशाव

(अन्तरक)

(2) श्री मिरजा हमन बाग

(अन्तरिती)

(3) किराएदार.

(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग मे सम्पत्ति
है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया शुरू करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के मध्यमे कोई भी अक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियो मे से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथा परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विनेश्व न० 2487/76 बम्बई उप रजिस्टर
अधिकार, द्वारा दिनांक 9-3-77 को रजिस्टर्ड किया गया है।

एफ० ज० फर्नांडीज०
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन इलाका-1 बम्बई

तारीख : 5 नवम्बर 1977
मोहर :

प्रसूप आई० दी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज 2, बम्बई

बम्बई, 4 नवम्बर 1977

निर्देश स० ए०आर०-II/2488-13/मार्च 1977—अत्
मुझे वी० एस० महाजन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

और जिसकी भं० फाईनल प्लाट नं० 795 दी० पी० एस० III
है तथा जो बान्द्रा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मे
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
तारीख 11-3-77 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है, और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
बृथमान प्रतिफल से ऐसे दृथमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के भीतर ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, मिन्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम,
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्ति:—

(1) श्री जीवन लाल उगर चन्द शाह

(अन्तरक)

(2) श्री न्यू० काममौम कर्मशियल प्रियामीम सोमायटी
लिमिटेड

(अन्तरिती)

(3) 1. श्री ईश्वरदास दी० मूलचन्द

6-346GI/77

2. श्रीमती विना प्रमिला पारिख

3. श्रीमती विमलावेन कानिलाल शाह

4. श्री किशन नन्द एच०

5. जे० होतचन्द

6. श्री वसत सी० पटेल

7. श्री विपिनचन्द वी० शाह

8. श्री बलबं तराय जे० सपन

9. श्री अरविंद जी० मलकन

10. श्री किशोर वी० सधराजका

11. श्रीमती लक्ष्मी टिकमदाग

(वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) 1. श्री विपीनचन्द नृजलाल शाह

2. श्री छविलदाम मोहनलाल पारिख

3. श्री अरविंद गिरधरलाल मालकन का भागीदार
मेसर्स, काममास कन्स्ट्रक्शन क०, 60, स्कशमनी
निवास, गिरगाम रोड, बम्बई-4.

(वह व्यक्ति जिसके
बारे में अधोहस्ताक्षर
जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

उपलब्धीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

अनुसूची जैसा कि विलेख नं० 4090/69/आर० बम्बई
उप-रजिस्ट्रार द्वारा दिनांक 11-3-77 को रजिस्टर्ड किया गया है ।

वी० एस० महाजन

सक्षम प्राधिकारी,

महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक ।

तारीख : 4-11-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राइंट टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायक्ष (निरीक्षण)

अर्जन रेंज

अमृतसर तारीख, 3 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एम० आर०/३० /७७-७८—यतः मझे एस० के० गोयल,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी भूमि जो ग्राम अनवाल में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तहसील अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है, और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में व्याप्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय भाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अवादः—

(1) श्रीमती कुमारी सतवन्त कौर, मजीत कौर, घहदामन कौर दर्शन कौर, बलजीत कौर, पुत्रीगण श्री उद्यमसिंह उर्फ हरी सिंह पुल गंडा मिह, निवासी ग्राम अनवाल, तहसील एवं जिला-अमृतसर

(अन्तरक)

(2) सर्वेश्वी जोगिन्दर सिह, भूपेन्द्र एवं सुरिन्दर सिह पुलगण श्री उद्यमसिंह निवासी ग्राम-अनवाल, तहसील एवं जिला-अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) श्री/श्रीमती/कुमारी जैसा कि ऊपर अमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेवार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) श्री/श्रीमती/कुमारी कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अधीन के लिए व्याप्तिवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृपि योग्य भूमि क्षेत्रफल के० एम० 48-8 ग्राम-अनवाल जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 6103 मार्च 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी तहसील-अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल

सक्षम अधिकारी

सहायक भायकर आयकृत (निरीक्षण)

अर्जन रेंज अमृतसर

तारीख 3 नवम्बर 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)

अर्जनरेज, अमृतसर

अमृतसर तारीख, 3 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एस० आर०/31 /77-78—अतः मुझे
एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 घ के अधीन अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य, 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी स० 38 है तथा जो गोपाल नगर अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण सूप में वर्णित है), रजिस्ट्री-कर्ता अधिकारी कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से ही किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और; या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आय कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम को धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अद्वितीय, निम्नलिखित अधिकारी, अप्रृतः:—

(1) श्रीमती द्वारा देवी विधवा मुलक्ष्मन मिह 76-सी० लारेस रोड, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) सर्वे श्री रोशन लाल, रमेश कुमार नारिंदर कुमार पुद्रगण श्री रखाराम निवासी 38- गोपाल नगर, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर क्रमांक 2 पर अकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधो स्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहाँ अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

38, गोपालनगर, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 2045 मार्च, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहूर-अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकर (निरीक्षण)
अर्जनरेज, अमृतसर

तारीख: 3-11-1977

मोहर:

प्रलेप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर तारीख, 3 नवम्बर 1977

निर्देश नं० ए० एस० आर०/32 /77-78—यत्. मुझे
एस० के० गोयल,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए
से अधिक है

और जिसकी स० भूमि है तथा जो ग्राम चिट्कोट में स्थित है
(और इससे उपावन्द अनुसूची में और सूर्ण रूप में वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय तहसील अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
मार्च, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-
फल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धत् प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वृ किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था किया था
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यत्, अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269ब के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269ब की
उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, अर्थात् (—

(1) श्रीमती लक्ष्मी विधवा श्री आल्ला सिंह पुत्र श्री नाथा
सिंह, निवासी ग्राम-चिट्कोट, तहसील एवं जिला-
अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री जोगिन्द्र सिंह पुत्र श्री आल्ला सिंह पुत्र श्री नाथा
सिंह निवासी ग्राम-चिट्कोट, तहसील एवं जिला-
अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर अमाक 2 पर अंकित है और यदि कोई
किरायेदार हो :

(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग
में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में
अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह
सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि आद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्यों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20 के परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अमृतसरी

कृषि योग्य भूमि क्षेत्रफल के० एम० 35-5, ग्राम-चिट्कोट
जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 6144 मार्च, 1977 में रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी, तहसील अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 3-11-77

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 अ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 3 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एस० आर०/३३ /७७-७८—यतः मुझे एस० के० गोपल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से अधिक है

और जिसकी स० 2289/664 है तथा जो तुंगपाई बटाला रोड, में स्थित है (और इससे उपावद्व अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्री-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृथमान प्रतिफल के लिए प्रतिरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके बृथमान प्रतिफल से, ऐसे बृथमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाधत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी बन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या बनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थी अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः प्रब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-अ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री विनोद कुमार पुव श्री बलराम महाजन द्वारा सरोज टेक्सटाइल मिल्स, बटाला रोड, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री श्रीम प्रकाश द्वारा मार्डन प्रिट्स बटाला रो०, अमृतसर। (अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अस्तित्व है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को पह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबूध में कोई भी आश्रेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भू-खण्ड क्षेत्रफल 1680 वर्गज न० 2289/664, तुंगपाई, बटाला रोड, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीक्युल विलेख संख्या 1941 मार्च 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोपल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, अमृतसर

तारीख : 3-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जनरेंज अमृतसर

अमृतसर, तारीख 4 नवम्बर 1977

निर्देश नं० ए० एस० आर० 34/77-78—यतः मुझे
एस० के० गोयल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट नं० 22-ए० है तथा जो ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में प्रौर्पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है, कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे कृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्थ, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, जैसे, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्री सन्तराम पुत्र श्री रत्नचन्द्र, शास्त्री नगर, अमृतसर (अन्तरक)

(2) श्री राम दिता मल मेहरा धर्मार्थ द्रष्ट, प्रताप बाजार अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि उपर अन्तरक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो।

(वह व्यक्ति जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितवद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी दाक्षेप --

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख म 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट न० 22-ए० ग्रीन एवेन्यू, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख संख्या 1881 मार्च, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है।

एस० के० गोयल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जनरेंज, अमृतसर

दिनांक: 4-11-77

मोहर:

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-ए (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 4 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एस० आर०/३५ /७७-७८—यतः मुझे एम० के० गोपल
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० आधा हिस्सा भू-खण्ड न० 327 है तथा जो शास्त्री नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्णरूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय शहर अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (प्रतिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया जया है:—

(क) अस्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कर्मी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, लिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ए के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ए की उपचारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रतितः—

(1) श्री किशन चन्द्र पुत्र अमरनाथ, बाजार स्वाक मण्डी अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री बूज मोहन पुत्र गमदाम, निवासी-कटरा खाजाना, अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अंकित है और यदि कोई किरायेदार हो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए विवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्वीरी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस प्रध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भू-खण्ड न० 327 शास्त्री नगर, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख सख्ता 1952/1, मार्च, 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी शहर अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोपल
 सक्षम प्राधिकारी,
 सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
 अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख: 4-11-1977

मोहर:

प्र० ३६० टी० एम० एस०—

(1) श्री किशन जन्द पुत्र श्री अमरनाथ, बाजार स्वाक मडी, अमृतसर

(अन्तरक)

(2) श्री तिलकराज पुत्र श्री गमदाम, निवासी-कटश खजाना-अमृतसर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर क्रमांक 2 पर अकित है और यदि कोई किरायेवार हो ।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता हो ।

(वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त सम्पत्ति के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अमृतसूची

भू-खण्ड नं० 327 शास्त्री नगर, अमृतसर जैसा कि रजिस्ट्री-कूल विलेख संख्या 1951/1, मार्च 1977 में रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, शहर-अमृतसर में लिखा है ।

एस० के० गोपल
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अमृतसर

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, अमृतसर

अमृतसर, तारीख 4 नवम्बर 1977

निर्देश न० ए० एम० आर०/36 /77-78—यस : मुझे एस० के० गोपल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी म० भू-खण्ड नं० 327 है तथा जो शास्त्री नगर, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, शहर-अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित भौतिक रूप से कथित नहीं किया गया है ।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या अन्य, या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी छन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या छनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपचारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : ५-११-७७

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269 अ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज रोहतक
रोहतक, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निदेश मं० जगाधरी/7/77-78—अन्. मुमे, श्री रवीन्द्र कुमार पठानिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-अ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० 6 बीघे का प्लाट है तथा जो गांव में सोली तहसील जगाधरी में स्थित है (और इसमें उपावड़ अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी वो कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, दिनांक मई, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिल की गई है और मुक्त यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रन्त, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ के प्रतुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 अ की उपषाया (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथमतः:—
7-346GI/77

1 सर्वेश्वी नमत प्रकाश, ल० सपुत्र पूर्ण चन्द, नजदीक सब्जी मण्डी, जगाधरी ।

(अन्तरक)

2. (1) राम चन्द्र, लाल चन्द, भगवान दाम, सपुत्र माया राम

(2) देम राज द्वारा मैमर्म गाबा आयरन स्टोर, यमुना नगर ।

अन्तरिती

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के लिए कार्यशालिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के ग्रंथन के संबंध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाक्षीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20 के यथा परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2460 वर्ग गज भूमि खसरा न० 30/16, 25, 38/5 जो कि गांव मसोली तहसील जगाधरी, निम्न से खिरी है:—

उत्तर —पी० डब्ल्यू डी० मड़क

दक्षिण—धर्म पुरा कम्पनी

पूर्व — भगवान दाम

पश्चिम— 20' चौड़ी मड़क

(जायदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जगाधरी के पास स० न० 571 मई, 1977 में वर्णित है)।

(रवीन्द्र कुमार पठानिया),
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक।

तारीख: 3 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस० —————
 आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
 269-प (1) के अधीन सूचना
 भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
 मोनीपत्र रोड रेज, रोहतक
 रोहतक, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निदेश सं० जे० डी० आर०/23/77-78—अतः मृते रवीन्द्र कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-प के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

और जिसकी स० प्लाट न० 6 विधा (2368 वर्ग गज है तथा जो गांव सोसोली तहसील जगाधरी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्णरूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, के कार्यालय, जगाधरी में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मृते यह विवास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाथा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वादत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-प की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त :—

1. श्री चमन प्रकाश पुत्र ल० पूर्ण चन्द्र नजदीक सज्जी मण्डी, जगाधरी ।

(अन्तरक)

2 (1) श्री राम चन्द्र, माल चन्द्र, भगवान दास सुपुत्र माया राम ।

(2) श्री देम गज, द्वारा मैमर्स गाबा आयरन स्टोर यमुना नगर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

ज्ञाट 2368 वर्ग गज खमरा नं० 30/16, 25, 38/5 जो के गाँव सोसोली तहसील जगाधरी में स्थित है ।

निम्न प्रकार से विरी है :—

उत्तर — पी० डब्ल्यू० डी० सड़क

दक्षिण — धर्म पुरा कम्पनी

पूर्व — भगवान दास

पश्चिम — 20' चौड़ी सड़क

(जयदाद जो कि रजिस्ट्री कर्ता अधिकारी जगाधरी के पास स० नं० 455 मई, 1977 में दर्ज है ।)

(रवीन्द्र कुमार पठानिया)

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, रोहतक

तारीख : 3 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रलेप प्राइंटी० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज मोनीपत्र रोड रोहतक

रोहतक, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निवेदन स० पी० एन० पी०/19/76-77—अत. मुझे रवीन्द्र कुमार पठानिया,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष के प्रधीन संक्षम प्राधिकारी को यह विवास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी म० जमीन 14 बीघे 14 बिमवे—खसरा न० 36 से 42 हैं तथा जो इन्हाँ तरफ पानीपत में स्थित है (और इसमें उपावद्ध अनुदूची में और पूर्ण रूप में बणित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पानीपत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, नारीख फरवरी, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विवास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुपरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (i) अतुल कुमार, नीरज कुमार पुत्रान श्री प्रेम सिंह चावला
- (ii) श्री प्रवीन कुमार पुत्र श्री प्रेम सिंह 388, माडल टाउन पानीपत,
- (iii) सर्वेश्वी वीरेन्द्र नाथ, देविन्द्र नाथ, रविन नाथ पुन्नाण श्री शकर पेन रेनवे रोड, पानीपत।

(अन्तरक)

2 श्री अमीर चन्द ककड़, पुत्र श्री लधा राम, एकम एम० एल० ए०, शाहजहां

(अन्तर्गत)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी अविक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अविक्तियों में से किसी अविक्त द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद्वा किसी अन्य अविक्त द्वारा, अधोरूपस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हृष्टोकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के प्रधायाय 20-क में परिभाषित हैं, वही मर्य होगा, जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन—14, बीघे 14 सिंचवे—खसरा न०

36 37 38 39 40 41 42

(3-0) (3-3) 2-2 1-13 10-12 3-3 1-1
(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 7151 मास फरवरी में लिखा है)।

(रवीन्द्र कुमार पठानिया)
संक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक

तारीख . 3 नवम्बर, 1977
मोहर .

प्रलूप धार्मिक टी० ईन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, चन्डीगढ़ सोनीपत रा०ड, राहतक

रोहतक, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निदेश मं० पी एन. पी./20/76-77-अत मुझे, रवीन्द्र
कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ष के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० भूमि 14 बीघा 14 बिम्बा, खसरा नं० 36,
37, 38, 39, 40, 41, और 42 है तथा जो इन्हार बीच पानीपत
में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारीके कार्यालय, पानीपत मं०, रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तरीख फरवरी
1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूँहे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रत्यक्ष के दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा के लिए; श्रीर/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या मर्यादित प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः धर्ष, उक्त अधिनियम को धारा 269-ग के पनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा
(1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

सर्वश्री

1 (1) श्रीम प्रकाश, राज कुमार सपुत्र नौधरी करतार
चन्द ।

(2) सनीश कुमार सपुत्र हुकम चन्द

(3) ज्ञान चन्द, देव राज, अशोक कुमार सपुत्र हुकम
चन्द, 66 माडल टाउन पानीपत ।

(अन्तरक)

2 (1) अमीर चन्द भपुत्र लाधा राम, भूतपूर्व एम०
एल० ए० शाहाबाद

(2) प्रदीप कुमार, अनिल कुमार, अशवनी कुमार,
सपुत्र अमीर चन्द ककर भूतपूर्व एम० एल०
ए० शाहाबाद ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यालयिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या सत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रदूक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधाय 20-क में परिभाषित है, वही
मर्यादित होगा, जो उस प्रधाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 14 बीघा, 14 बिम्बा, खसरा नं० 36/(3-0),
37/(3-3), 38/(2-2), 39/(1-13), 40/(0-1),
41/(3-3), 42/(1-1)

जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी पानीपत के
पास सं० न० 7164 दिनांक 28 फरवरी, 1977 के विक्रय
पत्र में दरज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, चन्डीगढ़

तारीख : 3 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्ररूप आई० टो० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड, रोहतक

सोनीपत, दिनांक 3 नवम्बर, 1977

निदेश स० सी० एच० डी०/5/77-78—अत. मुझे, रवीन्द्र
कुमार पठानिया,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी स० एम० सी० एफ० 20/27-सी०, चण्डीगढ़ है
तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (और इससे उपाध्यक्ष अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चण्डीगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रविनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269व के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269व की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री धनी राम पुत्र श्री गगा राम, एस० सी० एफ०, 20/
27-सी० चण्डीगढ़ ।
(अन्तरक)

2. श्री पहलाद सिंह, पुत्र श्री प्रीतम सिंह एस० सी० एफ०
20/27-सी०, चण्डीगढ़ ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अंतर्गत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधिया तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्तानी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही प्रथम होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

2 1/2 मजिली बिल्डिंग न० 20, सैकटर 27 सी०
चण्डीगढ़ में स्थित है और जिसका रकबा 123.75 वर्ग
गज है।

(सम्पत्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, चण्डीगढ़
के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 91 मास अप्रैल, पर लिखी
है) ।

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज, रोहतक ।

तारीख : 3 नवम्बर, 1977

मोहर:

प्ररूप माई० टी० एन० एस०—

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269८(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, सोनीपत रोड रोहतक

रोहतक तिथि, 11 मार्च, 1977

निदेश म० सी० एच० डी०/77-78—प्रत. मुझे रवीन्द्रप
कुमार पठानिया,
प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' बहा गया है), की धारा 269८-के
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सप्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है

प्रौर जिसकी स० 1227, सेक्टर, 15-बी०, चडीगढ़ है तथा जो
चडीगढ़ मे स्थित है (प्रौर इसके उपावद्ध अनुसूची मे भौर पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चडीगढ़ मे,
रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मई, 1977 को पूर्वोक्त सप्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्त की गई और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सप्ति का उचित
बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है प्रौर प्रन्तरक (प्रन्तरकों) प्रौर प्रन्तरिती
(प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तथ पाथा गया
प्रतिफल मिम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) प्रन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त प्रधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या

(क्ष) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य मास्तियों
को, जिन्हे भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उसके प्रधिनियम, या
बनकर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया
गया या या किया जाना आहिए था, छिपाने के
लिए सुकर बनाना;

प्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269८ के प्रन-
सरण में मै, उक्त प्रधिनियम की धारा 269८ को उपधारा
(1) के अधीन मिम्नलिखित अविक्षयों पर्याति:—

1. श्रीमनि बलबन्त कौर, धर्मपत्नी श्री दीलत सिंह, प्रकान
रोड, होशियारपुर
(अन्तरक)

2. श्री बाल किशन पुत्र श्री राम नारायण, मकान नं० 1227,
सेक्टर, 15-बी०, चडीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सप्ति के प्रज्ञन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सप्ति के प्रज्ञन के मंबंध में कोई भी घासेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या सत्सबधी ध्यानियों पर सूचना
की सामीक्षा से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त ध्यानियों में
से किसी ध्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सप्ति मे हित-
बद्ध किसी अन्य ध्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क मे प्राप्ति-
भावित है वही अर्थ होगा, जो उस प्रध्याय
मे दिया गया है।

अनुसूची

रिहायशी मकान (2 1/2 मंजिला) न० 1227, सेक्टर 15-
बी०, चडीगढ़ जिसका रक्षा 249 4 वर्गगज है।

(सप्ति जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता चडीगढ़ के कार्यालय मे रजिस्ट्री
सच्चा 176 मार्च 1977 पर दिखाई गई)

रवीन्द्र कुमार पठानिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज रोहतक

तारीख:

मोहर:

प्रस्तुत आई० टी० एन० एम०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, सोनीपत रोड रोहतक
रोहतक तिथि, 3 नवम्बर, 1977निवेश स० सी० एच० डी०/27/77-78—प्रत ० मुझे रखीन्द्र
कुमार पठानिया

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये में अधिक है

और जिसकी म० ए० क० आ० प्लाट न० 823-824 सेक्टर 22-ए० है तथा जो चंडीगढ़ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चंडीगढ़ मे, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मई, 1977 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्राप्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप में किया नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य सास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर प्रधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (i) श्रीमति उमिला चोपडा पत्नी कालान ड० स० चोपडा
(ii) श्रीमति चन्द्रकला पत्नी श्री बी० शर्मा
(iii) श्री दुर्गा दत्त पुत्र श्री बधावा राम निवारी अ० स० सी० ३ न० १०३९ सेक्टर, 22 बी० चंडीगढ़
(अन्तरक)

2. (i) श्रीमित चन्द्र मोहनी पत्नी श्री अ० स० बी० चन्दा
(ii) श्रीमति बीर भूपन रोमीला सूद पत्नी श्री कै० पी० स० सूद निवारी मकान न० ५४३/१६-डी० चंडीगढ़
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अप्रोक्षस्थाकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

प्रष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभ्रामित हैं, वही पर्याप्त होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायदाद न० एस० सी० श्रो० 823-824 सेक्टर, 22 ए०, चंडीगढ़ मे 506 हिस्सा

(जायदाद जो कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी चंडीगढ़ के पास सं० न० 212 मई, 1977 के विक्रय पत्र में वर्णित है)

रवीन्द्र कुमार पठानिया,
मकान प्राधिकारी
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज चंडीगढ़

तारीख : 3-11-1977

मोहर :

प्रस्तुप्राई० टी० एन० एस०—

आमकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ष (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयकत (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 1 नवम्बर 1977

निदेश स० 263/अर्जन/ कानपुर/77-78—ग्रत. मुक्ते
आर० जी० भार्गवआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ष
के अधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उन्नित बाजार मूल्य 25,000/- है
में प्रधिक हैऔर जिसकी स० 1116 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुमूल्य में और पूर्ण रूप में स्थित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन तारीख 10-3-77को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुक्ते यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिशत से प्रधिक है, और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप में कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा
है निए; और/गा(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;श्राव: ग्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित अवित्ती, अर्थात् .- -1. श्रीमती ऊषा वर्मा द्वारा श्रो रमेश कुमार 7/38 तिलक
नगर कानपुर
(अन्तरक)2. श्रीमती काननी कपूर 7/39 खनासी लाइन्स कानपुर
(अन्तरिती)को यह सूचना आरी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकें।उपबोक्तव्य:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुमूल्य

अचल सम्पत्ति मकान नं० 7/39 खनासी लाइन्स कानपुर का
1/2 भाग 1,25,000) के विक्रय मूल्य में बेची गयी।ग्रार० जी. भार्गव
सक्तम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयकत, निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख . 1-11-1977

मोहर :

प्रलेप ग्राइंड टी० एन० एस०————

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

ग्रा० 26९-ग (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 1 नवम्बर 1977

निदेश सं० 264/8/अर्जन/कानपुर/77-78—अतः मुझे, आर० जी० भार्गव

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिमकी सं० 1120 है तथा जो कानपुर में स्थित है (और इस से उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ववर्त्त से बर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 10 मार्च, 1977। को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वृस्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग की उपषारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात:—

8-346GI/77

1. श्री दिनेश कुमार मैन्हूरोत्ता पुत्र म्वर्गीय श्री राम चन्द जी एस० पी० वर्मा रोड पटना।

(अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ती कपूर, 7/38 खलासी लालन्स कानपुर।
(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आवेदन:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद से समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है

अनुसूची

अचल सप्ति मकान न० 7/38 खलासी लालन्स कानपुर का 1/2, भाग, 125,000/- के विक्रय मूल्य में वेची गयी।

आर० जी० भार्गव
सक्रम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख: 1 नवम्बर 1977

मोहर.

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 3 नवम्बर 1977

निदेश मं० 4868/अर्जन/मेरठ/77-78—अत मुझे, आर०
पी० भार्गव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी मं० 868 है तथा जो मेरठ में स्थित है (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, तारीख 28 फरवरी, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अस्तरक
(अन्तरकों) और अस्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में आस्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के
प्रनुभरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपशारा (1) के प्रधान निम्नलिखित अक्तियों अधीत्:—

1. श्री कृष्ण राम नागर पुत्र पडित शशि शेखर नागर
केसर गज, मेरठ।

(अन्तरक)

2. श्री शिवचरण दाम पुत्र कपूर गुप्ता व श्री प्रकाश, पुत्र
(भूतवशी लाल सुखवीर मिह, गुप्ता मड़ी कैसर गज शहर मेरठ,
द्वारा जय प्रकाश।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अंतर्न के लिए
कार्यवाहियों करता है।

उक्त संपत्ति के अंतर्न के सबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद्ध
किसी ग्रन्थ अक्तियत द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

हप्तकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

अचल संपत्ति एक दुकान दो मजिली नं० 80 और-81 स्थित
मंडी कैसर गज मेरठ 60,000/- की विक्रय मूल्य से बेची गयी।

आर० पी० भार्गव
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख: 3 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एम०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 4 नवम्बर, 1977

निवेदण स० प्रश्न०/527/Agra/77-78/4762—अतः
मुझे आर० पी० भार्गव,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक हैऔर जिसकी स० है, तथा जो कानपुर में स्थित है (और
उसमें उपांचाल अनुमूली में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 27 मई, 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और
अस्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया
जाना आहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के प्रनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व को उपाधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों प्रर्तिः—1. श्रीमती कमलेश कुमारी भसिन पत्नी श्री श्वेत कुमार
भसिन निवासी 2/20/ 9/5, एम० जी० रोड, आगरा।

(अन्तरक)

2. श्री ठाकुर दास पिता श्री देवमल निवासी सरदार भट्टी
आगरा।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की प्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की प्रवधि, जो भी
प्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रधायाय 20-व में परिभाषित है, वहों
अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

श्रेचल सम्पत्ति मकान नं० 2/20 9/5 एम० जी० रोड,
आगरा 89250/- में बेची गयी।आर० पी० भार्गव
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
(अर्जन रेज,) कानपुर।

तारीख : 4 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-प्र० (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालिय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

(निरीक्षण), अर्जन रेज कानपुर

कानपुर, दिनांक 5 नवम्बर, 1977

निदेश सं० नं० 4768/अर्जन/मेरठ/77-78/4824—अतः,
मुझे, आर० पी० भार्या॒,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-प्र० के प्रधीन संकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी म० 768 है तथा जो मेरठ में स्थित है, (और इसमें
उपावद्ध अनुसूची में और पूर्वा स्वप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना
अधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के प्रधीन तारीख 28 फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र० के
अनुसार मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-प्र० की उप-
धारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्याप्त:—

1. श्री सूरज प्रकाश जैन पुत्र नेम चन्द्र जैन निं० रजीस पुरी
सदर मेरठ कैन्ट।

(अन्तरक)

2. श्री जय किशन व प्रेम किशन व नन्द किशोर पिन राम
राधा कृष्ण मफती वाडा गहर मेरठ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रधीन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के प्रधीन के सम्बद्ध में कोई भी ग्राहकः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधिकारी
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होंगा, जो उस अध्याय
में विद्या गया है।

अनुसूची

अन्तर सम्पत्ति एक दुकान न० 57 मोहन्ला रंगराज उर्फ पटेल पुरी
सदर मेरठ कैन्ट ओलड 48000/- के विक्रय मूल्य में वेची
गयी।

आर० पी० भार्या॒
मध्यम प्राधिकारी,
सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण),
(अर्जन रेज), कानपुर

तारीख : 5 नवम्बर, 1977
मोहर :

प्रूप आई० टी० एन० एस०

1. श्री रामचन्द्र फुलभाष्मि पंदिता

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

(निरीक्षण) कार्यालय भुवनेश्वर,

भुवनेश्वर, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

निदण स० 55/77-78/1 ए० मी० मी० ए/आर०/बी०
बी० ए० आर०—अन्त, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी वाड़ी स० 23 है, जो खेदराजपुर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नर
अधिकारी के कार्यालय, रजिस्ट्रार आफ आन्ध्ररेन्न में भारतीय
(कलकत्ता) में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन, दिनांक 19 फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती
(अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसूचण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यातः—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हिस्बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अषोहस्ताशरी के
पास लिखित में किये जा सकें।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

जमिन और स्थापित सबलपुर जिला का खेदराजपुर मीजा मे
23 नम्बर वाड़ी, होलडी न०—426 पर स्थित है। वह जमिन
रजिस्ट्रार आफ इन्डोरेन्न कलकत्ता में 19 फरवरी, 1977 तारीख
में रजिस्टर हुआ; जिसका डकुमेंट न० I—699 है।

अमरेन्द्र नाथ मिश्र,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, भुवनेश्वर

तारीख, 9 नवम्बर, 1977
मोहर.

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1 श्रीमती सईदा बिवो, स्वामी बाबु खा।

(ग्रन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269ए (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज भुवनेश्वर,

भुवनेश्वर, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

निर्देश नं० 56/77-78/ IAC (R/R)/BBSR

अतः, मुझे, अमरेन्द्र नाथ मिश्र,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ए के अधीन सकाम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० है, जो मौजा-मठसाहि० में स्थित है, (और इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भद्रक में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9 फरवरी, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये ग्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और ग्रन्तरक (ग्रन्तरको) और ग्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे ग्रन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, मिस्नलिखित उद्देश्य से उक्त ग्रन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :--

(क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

अनुसूची

(ब) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

(अमरेन्द्र नाथ मिश्र)

मकाम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज, भुवनेश्वर

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269ए के अनुसरण में, उक्त अधिनियम की धारा 269 ए की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, पर्यात :--

तारीख : 9 नवम्बर, 1977
मोहर .

प्रस्तुप आई०टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II

अहमदाबाद, दिनांक 22 अक्टूबर, 1977

निदेश मं० पी० आर० 532/प० सी० क्य०-23-973/
19-7/77-78—उक्त मुझे एम० सी० परीख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी मं० वार्ड नं० 12 नोंध नं० 3110 है, तथा जो रानी
तलाव पारसी झेरी, सूरत मे स्थित है (और इसमे उपावड़ अनुसूची
मे पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय
सूरत मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
प्रधीन, मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उक्ते दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिये;
प्रोग्राम

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें, भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजन-
तार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या
किया जाना चाहिए था, लिपाने मे सुविधा के लिये;

प्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण
मे, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

(1) श्री तारा बेन छगनलाल शार्द्धा भवन, भाईजीगाम,
नेन, ठाकोर द्वारा वम्बई-2।

(अन्तरक)

(2) श्री दिनेश चन्द्र छगनलाल खोलथाडवाला, राज
तालाब, डबगढवाड, सूरत।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध मे कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बद्ध व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हिस्सा
किसी अस्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमे प्रयुक्त शब्दों और पदो का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन व मकान जो वार्ड नं० 12 नोंध नं० 3110 पारसी
झेरी, रानी तलाव मे स्थित है जिसका कुल माप 103 वर्ग गज है।
जैसा कि कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मार्च 1977 के
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 415/77 मे पदशित है।

(एम० सी० परीख)
सधम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 22 अक्टूबर, 1977
मोहर :

प्रख्यात आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 1 नवम्बर 1977

निदेश स० पी० ग्रा० 533/प० सी० क्य० 23-974/
19-7/77-78—अन्त मुझे, प० स० सी० परीख,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक हैऔर जिसकी स० वार्ड, न० 6 नोंध न० 1532-बी है, तथा जो
मनीयार शेरी, महीदरपुरा, सूरत में स्थित है (और इसमें उपावढ
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन, 18 मार्च, 1977को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरिक की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफलका पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिक (अन्तरिक्तो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से दूर्वै किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उसमें बदलने में सुविधा
के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अर्थ आस्तियों,
को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्थतः—(1) श्री नगीनदास नानाभाई 5/780, बानिया शेरी
महीदर पुरा, सूरत।

(अन्तरक)

(2) 1. श्री ईश्वर लाल जमना दाम,
2 कचन वेन ईश्वर लाल
3. जुगल किशोर ईश्वर लाल
4 समीरकुमार ईश्वर लाल,
राजेन्द्र नगर, महाराष्ट्र हाऊसींग बोर्ड, बी० न०
2/21, बोरी बली इस्ट अम्बई-92 (हालः
मनीयार शेरी, महीदरपुरा, सूरत)।

(अन्तरिकी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
निए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
मूच्छना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
प्रधिधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवट
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधिहस्ताक्षरी के पास
निश्चित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों प्रदो का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन व सकान जिसका नोंध न० 1532-बी वार्ड न० 6
कुल माप 82.4 वर्ग गज है तथा जो मनीयार शेरी, महीदरपुरा,
सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के मार्च,
1977 के रजिस्ट्रीकृत विनेश न० 300 में पदशित है।[एम० सी० पारीख
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II अहमदाबाद
तारीख 1 नवम्बर, 1977
मोहर]

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—————

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना

(1) (1) श्री धनसुखलाल नाना भाई लाल गेट, खाल
बोजार, सूरत ।
(2) ठाकोर भाई नाना लाल, लाल गेट, खाल
बोजार, सूरत ।
(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1977

निदेश स० पी० आर०/५३५/ प०मी०क्य०-२३-९७६/
१९-७/७७-७८—अतः, मुझे, एम० सी० परीख,

आपकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 व (1) के अधीन सूचना प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी स० वॉर्ड न० 10 नोंध न० 742 है, तथा जो अबाजी रोड, सूरत में स्थित है (अग्र इसमें उपावड अनुमूल्य में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 16 मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के दोध ऐसे अतरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रतरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वापत, उक्त प्रधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के कायिक में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए।
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को।
जिन्हे मारतीय आपकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन कर प्रधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः मैं उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

9-346GI/77

(2) श्री श्रीशंकर भगवान दास शाह लीमडा चौक, गटी बोरी, सूरत। हाल 742, अबाजी रोड, सूरत।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्यक्तिपत्रः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्मान्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वर्णीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त प्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका वार्ड न० 1 नोंध न० 742, कुल माप 102-84-40 वर्ग मीटर—122 वर्ग गज है तथा जो अबाजी रोड, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी, सूरत के मार्च, 1977 के रजिस्ट्रीक्रून विलेख स० 389 में प्रदर्शित है।

एम० सी० परीख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आपकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II अहमदाबाद

तारीख : 8 नवम्बर, 1977
मोहर .

प्रस्तुप आई० टी० एम० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 8 नवम्बर, 1977

निर्देश सं० पी० आर०-536/ए० सी० क्य०-23-977/
7-77-78—श्रत., मुझे, एम० सी० परीक्ष

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० ब्लाक न० 1, स० न० 66 पैकी है, तथा जो आशानगर, नवसारी, जिला, बससार मे स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची मे और पूर्ण रूप से वर्णित है), राजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नवसारी मे रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 11 मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह तिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया श्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरके कार्यक्रम में कमी करने या उससे बचने मे सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हे भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था-या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मै, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की दिप्पारा (1) के अधीन निम्नलिखित अस्तियों अवधि:—

(1) श्रीमती कान्ता देवी, लालभाई डाहूमार्ह देमार्ह की विधवा

3-ए कोटे रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली-6

कुल मुख्यार : दिवकरराय दलपतभाई देसाई, 3 कोटे रोड, सिविल लाइन्स, दिल्ली-6।

(अन्तरक)

(2) (1) श्री गिरीशकुमार छोटेलाल पटेल

(2) श्री किशोर कुमार छोटालाल पटेल

कुल मुख्यार : छोटाभाई परशोस्तमदास पटेल

(3) भीखा बेत छोटालाल पटेल, गिरी सदन धावी बाड़, नवसारी।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सबंध मे कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद मे समाप्त होती है, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित मे किये जा सकेंगे।

उपलब्धीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क मे परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय मे दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका ब्लाक न० 21 स० न० 266-1 पैकी कुल माप 5168 वर्ग कुट है तथा जो आशानग नवसारी मे स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी नवसारी के मार्च, 1977 के रजिस्ट्रीकृत विलेख न० 1491 मे पदार्थित है।

एम० सी० परीक्ष

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख : 8 नवम्बर, 1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

म्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269प्र(1) के अधीन सूचना(1) श्री विष्णु प्रसाद मोती लाल जरीवाला राम पुरा
मेन रोड, सूरत
(अन्तरक)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-2, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 3 नवम्बर 1977

निदेश स० 534/एसीक्य०-23-975/19-7/77-78-
अतःमुझे, एस० सी० परीख,आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269प्र
के अधीन सक्रम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० में अधिक हैऔर जिसकी स० वार्ड नं० 7 नोंध नं० 3623 है, तथा जो रामपुरा
मैन रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबन्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख 25 अप्रैल, 1977को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे बृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिति
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावजूद उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिति द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;ग्रतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269प्र की उपायारा
(1) के अधीन निम्नलिखित अक्षितयों, प्रर्थतः:—

(2) श्री पूर्वीन चन्द्र शान्तीलाल,

(2) चन्द्रकान्त शान्ती लाल,

(3) अशोक शान्ती लाल (सगीर)

कुल मुख्यतारः मधुसूदन जगननाथ 3623,
रामपुरा, मैन रोड, सूरत। (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहिया करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तस्वीरधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी अक्षित द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
प्रम्य अक्षित द्वारा, अधोहस्ताकरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।एष्ट्रीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभासित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन तथा मकान जिसका नोंध नं० 3623 वार्ड नं० 7
कुल माप 231 वार्ग गज है तथा जो रामपुरा, मैन रोड, सूरत
में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी सूरत के अप्रैल, 1977
के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 678 में प्रदर्शित है।एस० सी० परीख,
मकान प्राधिकारी,
महायकर आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-II, अहमदाबाद

तारीख: 3 नवम्बर 1977

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निदेश स० ए० सी० क्य०-23-1-1272 (606)/10-1/
75-76—यत् मुझे, एस० सी० परीक्षा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से
अधिक है

और जिसकी स० सर्व० न० 95, पार्ट-एफ० शीट० न०-1, है,
जो बेड़ी गट के पास, सुपर मार्केट के सामने, जामनगर में स्थित
है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7 मार्च,
1977,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के बदले प्रतिशत से
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकी) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दागित्व
में कमी करने या उससे बचने में मुविद्धा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथं
अन्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना आहिए था, छिपाने में मुविद्धा के लिए;

अन: यदि, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के प्रत्युत्तरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात् :—

(1) श्रीमती रामरखीबाई विधवा श्री रामलोक दाला
पडित, काशी विश्व नाथ रोड, तीन दरवाजा के बाहर, जामनगर
(अन्तरक)

(2), श्री मोलंबी जब्रूक्षाई डोमाभाई, दीवान खाना
चौकी के पास, जागनाथ गेट रोड, जामनगर।
(अन्तरिती)

(3) (1) भारतीय होटल तथा लोज मुपर मार्केट के
सामने, जामनगर।

(2) श्री मूसाजी महमदश्री, बेड़ी गेट, मुपर
मार्केट, जामनगर।

(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग
में सम्पन्न है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अन् सूची

एक दो मजला मकान जो 3560.92 वर्ग फुट भूमि पर
स्थित है तथा जिसका मिटी सर्वे न० 95, शीट न० 1, मार्ट-एफ०
है तथा जो बेड़ी गेट, मुपर मार्केट के सामने, जामनगर में स्थित
है।

एस० सी० परीक्षा
सकम प्राधिकारी,
महायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, अहमदाबाद।

नारीख 9 नवम्बर, 1977
मोहर।

प्रकृष्ट आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निदेश स० ए० सी० क्य०-23-1-1280(607)/12-1/
75-76—यत. मुझे, एस० सी० परीक्षा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

प्रौढ़ जिसकी स० 5 (जून सर्वे न० 331) है, तथा जो अंजार
(कच्छ) में स्थित है (प्रौढ़ इसमें उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अंजार
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, 24 अप्रैल, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है प्रौढ़ मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पद्धति प्रतिशत से अधिक है प्रौढ़ यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिक्षीय (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
निम्नलिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; प्रौढ़/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षीय द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः आय, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
केर्तृत उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
में, परीक्षण निम्ननिखित, अविनियोगी, प्रथम—

(1) सोरठीया हड्डीया दहया उकाभाई, सोरठीया नाका के
बाहर, अंजार (जि० कच्छ-भज)।

(अन्तरक)

(2) श्री सोरठीया हड्डीया हीराजी गार्विद, गाव शिवगाम,
नालूका अंजार, जि० (कच्छ-भज)।

(अन्तर्गती)

(3) (1) श्री केशव लाल गलाल चन्द शेठ,

(2) श्री नटवर लाल जी शेठ,
अंजार, जि० कच्छ।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे
में अधोहस्ताधारी जानता है
कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप।—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धीय व्यक्तियों पर
सूचना की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा,

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख में
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताधारी के पास
निम्नलिखित में किए जा सकें।

प्रष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में पाया परिभाषित
हैं वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खेती बाड़ी वाली जमीन जो "देशबाड़ी" के नाम से
प्रख्यात है तथा जिसके क्षेत्रफल 12 एकड़—12 गुण्ठा है तथा जिस
का सर्वे न० 5 (ज्ना सर्वे न० 331) है तथा जो अंजार में स्थित
है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 26 अप्रैल, 1977 वाले बिक्री दस्तावेज
न० 351 में दिया गया है।

एस० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख : 9 नवम्बर, 1977
मोहर।

श्रृंग आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर 1977

निदेश स० ए० सी० क्य० 23-1-1296/(608)/10-1/
77-78—यत्. मुझे, ए० सी० परीख,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी स० सर्व० न० 1-जी-4, प्लाट न० 5, 'श्री हजूर गौशाला' है, तथा जो शर्ई सेशन रोड, जामनगर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, जामनगर में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1977 को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत में अधिक है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में व्यापक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की आवत्ता, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमो करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर आयिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अवृत्त :—

(1) (1) गोरधनदास धनाजी,

(2) श्रीमती मुकुताबेन गोरधन दास, बेडी गेट,
जामनगर।

(अन्तरक)

(2) श्री काली भानूशाली महाजन सरोवर, की ओर से मैकेटरी, श्री नाराणजी खेताजी, 56, दिग्विजय प्लाट, जामनगर।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो "श्री हजूर गौशाला" के नाम से प्रख्यात है तथा जो 6600 वर्ग गज फुट पर स्थित है (612-40 वर्ग मीटर) तथा जिसका सिटी सर्वे न० 1-जी/4, प्लाट न०-5, है, तथा जो शर्ई सेशन रोड पर, जामनगर में स्थित है।

एम० सी० परीख,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त, (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख . 9 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रस्तुति श्राई० टी० एन० एस०

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
घारा 269-ष (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

निदेश म० ए० सौ० क्य०-33-1-1295(609)/11-1/
77-78—यतः मुझे, एम० सौ० परीब्र

ग्रामकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ष
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रुपए से अधिक है

और जिसकी सं० प्लाट न० 299, गांधी ग्राम, (गांधी ग्राम),
है, तथा जो जूनागढ़ मे स्थित है (और इससे उपावढ़ अनुसूची मे
और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कायलिय,
जूनागढ़ मे भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1961 (1908
का 16) के अधीन 25 मार्च, 1977

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथा पूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और
अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के
बीच ऐसे पन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित मे वास्तविक रूप से कथित
मही किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी ग्राम की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व मे कमी करने या उससे बचने मे सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी ग्राम या किसी धन या अन्य सार्विकियों
को, जिन्हे भारतीय ग्रामकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने मे
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ष के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की घारा 269-ष की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित अधिकारी अर्थात् :—

(1) (1) श्रीमती वासतीबेन तुलसीवाम,
(2) श्री तुलसी वाम जेवरचन्द, मार्फत तुलसी वाम
जेवरचन्द संघाणी, 56, एस० वी० रोड,
3/11 विवेकानन्द नगर, बोरीवाली (वेस्ट),
बम्बई-92।

(अन्तरक)

(2) (1) श्रीमती निरमलाबेन हस्मुखलाल मर्शई,
(1) मार्फत हस्मुखलाल टी० मर्शई, सोजाना
ओटा के पास, जूनागढ़।
(2) हिन्दूस्तान ट्रेडर्स, जयश्री टाकीज रोड,
जूनागढ़।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहिया करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी व्याप्तिः—

(क) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर
सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद मे समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों मे से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र मे प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति मे हितबढ़
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताकारी के पास
लिखित मे किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क मे यथापरिचायित
है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय मे दिया
गया है।

अनुसूची

एक अचल सम्पत्ति जो 500 वर्ग गज भूमि पर स्थित है तथा
जिसका प्लाट न० 299 है तथा जो गांधीग्राम के पास जूनागढ़ मे
स्थित है।

ग्राम० सौ० परीब्र,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

तारीख : 9 नवम्बर, 1977

मोहर :

प्रह्लप श्राई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, भारतीय आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 9 नवम्बर, 1977

निदेश न० ए० गी० क्य० 23-1-1349/(610)/16/6/
77-78—यत्, मुझे, एम० सी० परीक्षा,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके प्रचारात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विषयास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० में अधिक है

और जिसकी म० है, तथा जो राजकोट में स्थित है (और इसमें उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण स्वप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्नरी अधिकारी के कार्यालय, राजकोट में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 7 मार्च, 1977 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिक्ष की गई है और मुझे यह विषयास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिक्षी (अन्तरिक्षियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए सभी पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुश्विधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिक्षी वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-व के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अंतर्वाल निम्नलिखित अधिकारी, अर्थात्:—

(1) डा० दिनेश रत्नाल शाह विकोन वर्गीका के सामने, राजकोट।

(अन्तरक)

(2) श्री परपोत्तम डाह्याभाई, कानून रोड, दिग्विजय प्लाट के कोने के पास, श्री राम कूपा, राजकोट।

(अन्तरिक्षी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के घर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आश्रेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकारी पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि या वाद में मापदण्ड होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकारी में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिचालित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक खाली जमीन वाला प्लाट जिसका कुल क्षेत्रफल 242.372 वर्ग गज है तथा जो जगभाष्य मदिरे के पास, राजकोट में स्थित है तथा जिसका पूर्ण वर्णन 7 मार्च, 1977 वाले विक्री दस्तावेज न० 399 में दिया गया है।

एम० सी० परीक्षा,

सक्षम प्राधिकारी,

स्थायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेज-1, अहमदाबाद।

तारीख: 9 नवम्बर, 1977

मोहर:

प्रूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर, 77

निदेश नं० ए० पी० ब 1725:—यतः, मुझे दी० एस० दहिया आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सकाम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिमकी सं० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो हस्त मुड़ा, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर, में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977।

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ यामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों को, जिन्हे भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या अनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा

(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रर्यातु:—

0-346GI/77

(1) श्रीमती बन्ती, इशारी तथा चबो पुनियां श्री लभू निवासी गवे हसन मुडा, तहसील जालन्धर
(अन्तरक)

(2) श्री नरन्जन सिंह पुत्र श्री लभू गवे हसन मुडा, डाक-खाना करतार पुर, तहसील जालन्धर।
(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में शब्द रखता हो (वह व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को मह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यान्वयिता करता हूँ।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्रावीप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त सब्दों का, जो ऊंचा अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो, उस अध्याय दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विनेख नं० 294, अप्रैल, 1977 को रजिस्ट्रीकरण अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सकाम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख 16-11-77

मोहर :

प्रकृष्ट प्राई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेज, जालन्धर

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर, 1977

निदेश न० ग० पी०-1726 :—यत्, मुझे बी० एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

और जिसकी म० जैसा कि अनुसूची में है तथा जो सोडल
रोड, जालन्धर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय
जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से देखे दृश्यमान प्रतिफल का पद्धति प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तथ पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से कुई किसी आय की वावत, उक्त
अधिनियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों,
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट मही किया
गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित अधिकितयों अर्थात् :—

(1) श्री अमरीक मिह पुत्र श्री मेहर सिंह निवासी गंव
डुहरे, तहसील जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) श्रीमती मिलन देवी पन्नि श्री भगत राम मार्फत
आर० पी० गुलाटी, 112-शिव नगर, इम्फ्रीयल
एरिया जालन्धर

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर न० 2 में है (वह व्यक्ति जिसके
अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति,
जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति
में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी प्राकोप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी अधिकितयों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बावध में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अधिकितयों में से किसी
अधिक द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य अधिक द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम के प्रधायाय 20-क में परिभ्राष्ट हैं, वही
अर्थ होगा जो उस प्रधायाय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख न० 413 अप्रैल, 77 को रजिस्ट्रीकरण
अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है।

बी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेज, जालन्धर

तारीख : 16-11-77

मोहर

प्रस्तुत आई० टी० एन० एस०—

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जालन्धर कार्यालय

जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर, 1977

निवेश नं० ए० पी० -1727 :— यतः, मुझे बी० एस० दहिया मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० जैसा कि अनुसूची में है है तथा जो बार्ड पास गाव रोड में स्थित है (और इससे उपाबूद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख अप्रैल, 1977।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यद्यपूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पश्चह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायिक्ष म कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ब) ऐसी किसी आय या किसी प्रत या प्रथ्य प्राप्तियों को, जिन्हें भारतीय मायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या बन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोगनार्थ अस्तरित द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, यैः उक्त अधिनियम, की धारा 269-व की उचावारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवित्यों, अवति :—

(1) मैसर्ज जय इनैक्टिकल इण्टर्नेशनल एस०-५२, इण्टर्नेशनल एरिया, जालन्धर।

(अन्तरक)

(2) फोरिंगंज एण्ड कैमीकल इन्डस्ट्रीज 1/4, पठेल रोड, जालन्धर, कैन्ट

(अन्तरिती)

(3) जैसा कि ऊपर नं० 2 में है (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीक्षताकारी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यालयों शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेषः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या सरकारी अविक्षयों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधीक्षताकारी के पास लिखित में किये जा सकेंगे ।

द्वयव्यक्तिकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि जैसा कि विलेख नं० 321, अप्रैल, 77 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा गया है ।

जबी० एस० दहिया
सक्षम प्राधिकारी
सहायक मायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जालन्धर

तारीख : 16-11-77

मोहर :

प्रस्तुप आई० टी० एन० एस०—————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
की धारा 269वा (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार
कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
प्रर्जन रेज, जालन्धर
जालन्धर, दिनांक 16 नवम्बर, 77

निर्देश न० ए-पी०-1728—यत् मुझे बी० एस० दहिया
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269वा (1) के प्रधीन
सभ्मत प्राधिकारी को यह विष्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये से अधिक है
और जिसकी स० जसा कि अनुसूची में है जो गांव
रेहू बार्ड पास जालन्धर में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीक फ्रैंचिज
कारी के कार्यालय जालन्धर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16 के अवीन, दिनांक जुलाई 1977
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
वृश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है और मुझे यह विष्वास
करने का कारण है कि व्यापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अम्तरक (अम्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथा पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित
उत्तरण से उक्त अस्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हृदि किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने पा उससे बचने के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रत्यक्ष नहीं किया गया या या किया जाना
आहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269वा (1) के अनुसरण में,
उक्त अधिनियम की धारा 269वा (1) के प्रधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मैसर्ज जय एलेंट्रीकल इन्डस्ट्रीज एस-52, इन्डस्ट्रीयल
एरिया, जालन्धर।
(अन्तरक)

(2) फोरिंगंज एप्ल कैमीकल इन्डस्ट्रीज, 1/4, पटेल
रोड, जालन्धर कैन्ट।

(3) जसा कि उपर न० 2 में है।
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

(4) जो व्यक्ति सम्पत्ति में रुचि रखता हो।
(वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधीहस्ताक्षरी
जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राहक :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अधिविकाद में समाप्त होती हो, के अन्तर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के अन्तर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी ग्राम व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास
सिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :——इसमें प्रयुक्त शब्दों और पर्वों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभासित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

शूमि जसा कि बिलेज का 2236 जुलाई-77 को
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी जालन्धर में लिखा है ।

बी० एस० दहिया
सक्षम अधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेज, जालन्धर

दिनांक : 16-11-77

मोहर :

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 2nd November 1977

No. F 6/77-SCA(1)—Shri Rijha Ram, Assistant Registrar, Supreme Court of India retired from the services of this Registry with effect from the afternoon of 21 October, 1977.

R. SUBBA RAO
Deputy Registrar (Admn.)
Supreme Court of India

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 2nd November 1977

No. A 32014/1/77-Admn. III(1).—In partial modification of this office notification of even number dated 18-10-77, the President is pleased to appoint Shri P. S. Sabherwal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 16-10-77 to 31-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A 32014/1/77-Admn. III(1).—In continuation of this office notification of even number dated 17-9-77, the President is pleased to appoint Shri R. K. Mago, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a further period from 18-10-77 to 26-11-77 or until further orders, whichever is earlier.

No. A 32014/1/77-Admn. III(3).—The President is pleased to appoint Shri R. Dayal, a permanent Assistant of the Central Secretariat Service cadre of the Union Public Service Commission, to officiate in the Section Officers' Grade of the service for a period of 46 days from 22-10-77 to 6-12-77 or until further orders, whichever is earlier.

P. N. MUKHERJEE
Under Secretary
Incharge of Administration
Union Public Service Commission

MINISTRY OF HOME AFFAIRS
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND A.R.
CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 5th November 1977

No. 35018/11/77-AD I.—Deputy Inspector General of Police, Special Police Establishment, hereby appoints Shri Manzoor Ahmed an officer of Rajasthan State Police, on deputation as Inspector of Police, in Delhi Special Police Establishment Division of the Central Bureau of Investigation Jaipur Branch, in a temporary capacity, with effect from forenoon of 19-10-77 until further orders.

R. P. GUPTA
Administrative Officer (E)
CBI

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE COMPTROLLER & AUDITOR GENERAL OF INDIA

New Delhi, the 4th November 1977

No. CA 1/61-77.—Addl. Deputy Comptroller & Auditor General (Commercial) has been pleased to promote the following Section Officers (Commercial) and appoint them to officiate as Audit Officers (Commercial) and post them as such in the offices noted against each name in column 3 with effect from the dates mentioned in column 4 below until further orders.—

Name of the Section Officer (Comml.)	Offices where working before promotion.	Offices where posted on promotion as Audit Officer (Comml.)	Date of posting as officiating A. O. (C)
1	2	3	4
S/Shri			
1. G. T. Sampat Kumarachar	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bangalore.	Member Audit Board & Ex-officio D.C.A. Ranchi.	29-9-77 (FN)
2. P. C. Jain	Member Audit Board & Ex-officio DCA, New Delhi.	Do.	28-9-77 (FN)
3. Vinod Kumar	Accountant General, Punjab, Chandigarh.	Accountant General, Rajas-than, Jaipur	28-9-77 (FN)
4. G. K. Desai	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bangalore.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Ranchi.	29-9-77 (FN)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL

CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110024, the 31st October 1977

No. E-38013(3)/13/77-Pers.—On transfer from New Delhi Shri S. M. Sami assumed the charge of the post of Asstt. Commandant CISF Unit Alloy Steel Plant, Durgapur with effect from the forenoon of 16th September, 1977

L. S. BISHT
Inspector General /CISF

MINISTRY OF FINANCE

(DEPTT. OF E.A.)

INDIA SECURITY PRESS

Nasik Road, the 8th November 1977

No. 1311/A.—In continuation of Notification No. 677/A dated 14th July, 77, the *ad hoc* appointment of Shri S. N. Kurdi as Deputy Control Officer, New Currency Note Press, Nasik Road is further extended upto 28-10-1977.

Shri S. N. Kurdi has been appointed as Dy. Control Officer, New Currency Note Press, on a regular officiating basis with effect from 29th October, 77 (FN) in the vacancy caused due to the promotion of Shri M. R. Kutty as Control Officer, New Currency Note Press.

D. C. MUKHERJEE
General Manager

SECURITY PAPER MILL HOSHANGABAD (M.P.)

Hoshangabad, the 3rd November 1977

No. 7(36)/6212.—Further to this office notification No. 7(36) 3834, dated 24-6-75, 7(36) 10023 dated 23-12-75, No. 7(36)/3145 dated 26/3/76 No. 7(36) 6051 dated 14-9-76, No. 7(36)/2896 dated 25-3-77 and No. 7(36)/3134 dated 16-7-77 Sh. S. T. Shirsat is allowed to continue in the post of File Officer on an *ad-hoc* basis for a further period 31-12-77 or till the Union Public Service Commission's nominee joins the post, whichever is earlier.

R. VISWANATHAN
General Manager

1	2	3	4
5. P. R. Dhopeshwarkar	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay.	29-8-77 (FN)
6. V. R. Kalyanaraman	Do.	Do.	14-10-77 (FN)
7. R. Krishna Murthy	Accountant General, Karnataka, Bangalore.	Member Audit Board & Ex-officio DCA, Bombay at Bhopal.	28-9-77 (FN)
8. K. Satyanarayana Murthy	Accountant General-II, A. P. Hyderabad.	Accountant General, Orissa, Bhubaneswar.	30-9-77 (FN)
9. K. H. Sastry	Do.	Do.	29-9-77 (FN)
10. N. Appalaraju	M.A.B. & Ex-officio D. C. A. Madras	Accountant General-II Tamil Nadu, Madras.	31-8-77 (FN)

S. D. BHATTACHARYA
Joint Director (Commercial)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
UTTAR PRADESH I

Allahabad, the 26th October 1977

No. Admn. I/11-144(XIII)/237.—The Accountant General, U.P. I, Allahabad has appointed the following Section Officers to officiate as Accounts Officer in this case until further orders with effect from the dates noted against each:—

1. Shri Chandra Prakash Khare	26-9-77 F.N.
2. Shri Pyare Lal Sharma	7-10-77 F.N.
3. Shri Shantaram Vishnu Kashalkar	17-10-77 F.N.

U. RAMACHANRA RAO
Senior Deputy Accountant General (A)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
GUJARAT

Ahmedabad, the 8th November 1977

No. Estt. (A)/GO/3109.—The Accountant General Gujarat, Ahmedabad is pleased to appoint following permanent member of the Subordinate Account Service, to officiate as Accounts Officers in the office of the Accountant General I, Gujarat Ahmedabad with effect from the dates shown against each, until further orders.—

1. Shri M. R. Srinivasan	26-9-77 F.N.
2. Shri V. R. Naterajan	1-10-77 F.N.
3. Shri Som Dutt Sharma	1-10-77 F.N.
4. Shri T. K. Menon	4-10-77 F.N.
5. Shri V. Rajgopal-I	29-10-77 F.N.
6. Shri S. Venketaraman	29-10-77 F.N.

K. P. LAKSHMANA RAO
Deputy Accountant General (Admn.).

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH

Hyderabad-500476, the 4th November 1977

No. EB I/8-132/77-78/307.—Shri M. I. H. Siddiqui Accounts Officer, Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, has retired from service w.e.f. 31-10-77 A.N.

I. MUKHERJEE
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
MADHYA PRADESH

Gwalior-474002, the 1st November 1977

No. Admn. I/368.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to grant proforma promotion to Shri S. Krishnamurthy, a permanent Section Officer (020219) as Accounts Officer in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29-8-77 Forenoon i.e. the date from which his next junior Shri P. S. Khedkar Section Officer, has been promoted as Accounts Officer.

No. Admn. I/369.—The Accountant General-I, Madhya Pradesh has been pleased to promote the following permanent Section Officers as Accounts Officers in an officiating capacity in the Scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each:—

1. Shri D. R. Narang—02/0222, 5-10-77 Afternoon.
2. Shri G. T. Mitre—02/0224, 6-10-77 Forenoon.

KRISHNA GOPAL
Sr. Dy. Acctt. General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KARNATAKA

Bangalore, the 31st October 1977

No. ESI/A4/77-78/586.—The Accountant General is pleased to promote Shri A. N. Murthy, a permanent Section Officer to officiate as Accounts Officer in a purely temporary capacity until further orders, without prejudice to the claims of the seniors, if any, with effect from the date of his taking charge.

M. A. SOUNDARARAJAN
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, KERALA

Trivandrum, the 2nd November 1977

No. Estt. A VII/9-86/Vol. II.—The Accountant General, Kerala, is pleased to appoint the undermentioned officiating Accounts Officers of the office of the Accountant General, Kerala, in a substantive capacity in the Accounts Officers' grade of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from the dates noted against each:—

1. Shri T. Achyutha Warrier
2. Shri K. S. Krishnamachari

1-4-77
30-9-77

S. JAYARAMAN
Deputy Accountant General (Admn.)

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
WEST BENGAL

Calcutta-I, the 31st October 1977

No. Admn. I/1038-XIV/2603.—The Accountant General I, West Bengal has been pleased to appoint the following permanent Section Officers to officiate as Accounts Officers in temporary and officiating capacity with effect from the date as mentioned against each or with effect from the date/dates on which they actually take over charge thereafter as Accounts Officers in this office/Office of A.G. II, West Bengal/Office of the A. G. Central until further orders:—

S/Sri

1. Sisir Kumar Roy with effect from 28-10-77 A.N.
2. Kandarpa Bijoy Bhattacharjee with effect from 31-10-77 (A.N.).
3. Subapada Mondal with effect from 31-10-77 (A.N.).

Sri Sisir Kumar Roy on being released from his present charges may report to the Sr. Dy. Accountant General (Admn.), Office of the A.G. Central for taking over charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that office.

Sri Kandarpa Bijoy Bhattacharjee on being released from his present charge may report to the Sr. Dy. Accountant General (Admn.) of this Office for taking over charge as Accounts Officer.

Sri Sibapada Mondal on being released from his present charge may report to the Sr. Dy. Accountant General (Admn.), Office of the Accountant General II for taking over charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that Office.

The inter-se-seniority of the Accounts Officers will be indicated in due course.

The 21st November 1977

No. Admn.I/1038-XV/2560-2567—The Accountant General I, West Bengal has been pleased to appoint Shri Babindra

Dutta Gupta, a permanent Section Officer of this office now on deputation on foreign service terms to the Central Fisheries Corps to officiate as Accounts Officer in temporary and officiating capacity with effect from 28-10-77 (F.N.) or the date on which he actually takes over charge as Accounts Officer Shri Rabindra Dutta Gupta on being released of his present charge may report to the Sr. Dy. Accountant General (A) of the office of the Accountant General II West Bengal for taking charge as Accounts Officer against the existing vacancy in that office.

The inter-se-seniority of the officer will be indicated in due course.

P. K. BANDYOPADHYAYA
Sr. Dy. Accountant General (Admn.)
West Bengal.

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT

OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF

New Delhi, the 5th November 1977

No. 40011(2)/77/AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers were/will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation—

Sl. No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment.	Organisation
1	2	3	4	5
Sarvashri				
1. B. C. Banerjee (P/1)	.	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
2. S. Ramasubramanya Iyer (P/48)	.	Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
3. Govinda Lal Banerjee (P/79)	.	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta
4. B. D. Tawakley (P/85)	.	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Account (Other Ranks) North, Meerut.
5. S. Venkatesan (P/115)	.	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona.
6. T. K. Jothiramayam (P/181)	.	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Navy), Bombay.
7. Jaswant Lal Kalra, (P/182)	.	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
8. K. S. Mani (P/188)	.	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
9. Mukund Lal Chopra (P/208)	.	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut
10. P. Gopinatha Menon (P/288)	.	Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
11. K. K. Kapoor (P/303)	.	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
12. R. G. Luthra, (P/315)	.	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
13. T. R. Vaidyanathan, (P/337)	.	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun
14. Anup Singh Bakshi, (P/349)	.	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
15. Narinjan Singh (P/357)	.	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
16. Parma Nand Vohra, (P/373)	.	Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts Central Command, Meerut.
17. Tilak Raj (P/377)	.	Permanent Accounts Officer	28-2-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.
18. K. S. Venkataraman (P/403)	.	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts Southern Command, Poona
19. P. S. Seshappa (P/452)	.	Permanent Accounts Officer	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta
20. Chander Prakash Gulati (P/460)	.	Permanent Accounts Officer	28-2-78	Controller of Defence Accounts Western Command, Meerut.

1	2	3	4	5
	Sarvashri			
21	P. Krishnamachari (P/486)	Permanent Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
22.	R. Balasubramanian (P/509)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
23.	R. M. Malhotra (P/546)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
24.	Nirmal Singh (P/557)	Permanent Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
25.	B. M. Garud (P/626)	Permanent Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
26	Girdharilal Chopra (P/645)	Permanent Accounts Officer.	30-6-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
27.	Deep Chand Sharma (P/648)	Permanent Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
28.	L. C. Gupta (O/102)	Officiating Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
29.	Har Krishan Lal (O/113)	Officiating Accounts Officer.	30-6-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
30.	Sushil Kumar Ganguly (O/202)	Officiating Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
31.	Hem Raj Sharma (O/212)	Officiating Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
32	M. N. Nayar, (O/261)	Officiating Accounts Officer.	30-4-77	Controller of Defence Accounts (Other Ranks) North, Meerut.
33.	M. L. Dewan (O/276)	Officiating Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
34.	Umed Singh (O/297)	Officiating Accounts Officer	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.
35.	Madan Singh (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts, Western Command, Meerut.
36.	N. K. Dutta (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	30-4-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
37.	M. K. Chadha (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	28-2-78	Controller of Defence Accounts, Central Command, Meerut.
38.	C. A. Singh (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-1-78	Controller of Defence Accounts (Pensions) Allahabad.
39.	D. Kalyanakrishnan (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-8-77	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
40.	P. D. Bakshi (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts (Air Force), Dehradun.
41.	N. S. Tampi (O/NYA)	Officiating Accounts Officer.	31-3-78	Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona.

Shri P. Krishnamachari, Permanent Accounts Officer has been granted earned leave for 134 days from 24-10-1977 to 6-3-1978 and Half Pay Leave for 25 days from 7-3-78 to 31-3-1978 pending retirement.

Shri M. N. Nayar, Officiating Accounts Officer was granted earned leave for 26 days from 5-4-77 to 30-4-77 pending retirement.

Shri D. Kalyanakrishnan, officiating Accounts Officer was granted earned leave for 62 days from 1-7-1977 to 31-8-1977 pending retirement.

Having given notice of voluntary retirement from service under the provisions of Article 459(i) CSR Volume I, Shri F. X. D'Mello, Permanent Accounts Officer (P/421) serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay, will be transferred to the pension establishment with effect from 31-3-1978 (A N)

Shri F X D'Mello has been granted earned leave for 180 days from 3-10-1977 to 31-3-1978 preparatory to his retirement.

R. VENKATARATNAM
By Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES
DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES
Calcutta-16 3rd November 1977

No. 71/77/G.—The President is pleased to appoint Shri Prabhakar Anant Dev as Assistant Manager (Prob) with effect from 19-4-76 (FN), until further order.

No. 72/77/G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Assistant Manager (Prob) with effect from the dates shown against each until further orders—

1. Shri D. Srinivasan	26-3-1977 (FN).
2. Shri Naresh Chand Jain	21-3-1977 (FN).
3. Shri Chinmoy Chattopadhyay	28-3-1977 (FN).
4. Shri Vijay Kumar Allewadi	11-3-1977 (FN).
5. Shri Kancherla John Jaya Retnam	1-3-1977 (FN).
6. Shri Ratnakar Laxman Kulkarni	1-9-1977 (FN).

M. P. R. PILLAI,
Assistant Director General,
Ordnance Factories

MINISTRY OF COMMERCE

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER
Bombay-20, the 29th October 1977

No. EST I-2(685)—The President is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 12th September, 1977 and until further orders, Shri M. S. Maulik as Deputy Director (Grade III of the Indian Statistics Service) in the Office of the Textile Commissioner, Bombay.

M. C. SUBARNA
Addl. Textile Commissioner

OFFICE OF THE JUTE COMMISSIONER

Calcutta, the 1st November 1977

No. Jute(A)/147/65.—Jute Commissioner hereby appoints Shri S. K. Hajra, Inspector (Non-Technical) as Assistant Director (Exports) Group-B (Gazetted) in the Scale of Rs. 650-1200/- in an *ad hoc* officiating capacity in the same office from the 1st November, 1977 (F/N) to 17th December, 1977 vice Shri K. P. Das proceeded on leave.

N. K. ROY
Administrative Officer

MINISTRY OF INDUSTRY

DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT
OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER,
SMALL SCALE INDUSTRIES

New Delhi, the 13th October 1977

No. 12/628/69-Admn.(G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri K. B. Singh, Assistant Director (Gr. I) in the Small Industry Development Organisation from Government service with effect from 3-7-74 (AN) on his getting permanently absorbed with the Rajasthan Financial Corporation.

No. A-19028/319/77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri Swami Nath a Gr. IV officer of Indian Economic Service as Assistant Director (Gr. I) (EI) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 30-7-77.

2. Consequent upon the appointment as Assistant Director (Gr. I) (EI) Shri Swami Nath assumed charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (EI) in the Br. SISI, Ranchi (Bihar) w.e.f. 30-7-77 (FN).

No. A-19018/320/77-Admn.(G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries, is pleased to appoint Shri P. N. Behl a Section Officer in the office of the Accountant General, CW&M., New Delhi as Accounts Officer in the office 11—346GI/77

of the Development Commissioner (SSI), New Delhi on usual deputation terms.

2 Consequent upon his appointment as Accounts Officer Shri P. N. Behl assumed charge of the post of Accounts Officer in the Office of the DCSSI, New Delhi on the afternoon of 30th September, 1977

The 17th October 1977

No. 12/125/61-Admn (G).—The President is pleased to accept the resignation of Shri G. D. Sharma, Assistant Director (Gr. I) in the Small Industries Development Organisation from the Government service with effect from the forenoon of 15th September, 1977.

No. 12(265)/61-Admn (G).—The President is pleased to retire Shri S. P. Gupta, Assistant Director (Gr. I) in the Small Industry Development Organisation with effect from the forenoon of 19th October, 1976, under Clause J(i) of Rule 56 of Fundamental Rules.

No. 12/453/64-Admn (G).—The Development Commissioner, Small Scale Industries is pleased to retire Shri P. Swaran Singh, Assistant Director (Gr. II) in the Small Industry Development Organisation from Government service w.e.f. 24-11-76 (FN) under Rule 56(D) of the Fundamental Rules.

2. Consequent upon his retirement from Government service Shri P. Swaran Singh, relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. II) at Small Industries Service Institute, Hyderabad on 24-11-76 (FN).

The 25th October 1977

No. A-10918(318)/77-Admn.(G).—The President is pleased to appoint Shri S. N. Raghavan, a Gr. IV Officer of I.E.S. as Deputy Director (Statistics) in the Small Industry Development Organisation w.e.f. the forenoon of 27-9-77 until further orders.

2 Consequent upon his appointment Shri S. N. Raghavan has assumed charge of the post of Deputy Director (Statistics) in the Office of the DCSSI, New Delhi w.e.f. the forenoon of 27-9-77.

V. VENKATRAYULU
Dy. Director(Admn)

DIRECTORATE GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS

(ADMINISTRATION SECTION A-1)

New Delhi, the 4th November 1977

No. A-1/1(885).—Shri Bishan Das Narang, offg. Asstt. Director (Gr. II) in the Directorate General of Supplies & Disposals, New Delhi retired from Government Service with effect from the afternoon of 31st October, 1977 on attaining the age of superannuation (58 years).

The 8th November 1977

No. A-17011/129-A6.—The Director General of Supplies and Disposals has appointed Shri Pritam Singh, permanent Examiner of Stores (Engg) in the NI Circle, New Delhi to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Engg) on *ad hoc* basis in the same Inspectorate under this Directorate General w.e.f. the forenoon of 20th June 1977 until further orders

SURYA PRAKASH
Dy. Dir.(Admn)
for Director General of Supplies & Disp.

MINISTRY OF STEEL AND MINES

DEPARTMENT OF MINES

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st October 1977

No. 19011(32)/70-Estt A.—Dr. A. M. Hussain, Mineral Economist is promoted to officiate as Supdtg. Mineral Economist in the Indian Bureau of Mines in the leave vacancy of Shri A. S. Gopalachari, Supdtg. Mineral Economist, Indian Bureau of Mines with effect from 4-5-1977 to 25-6-1977.

L. C. RANDHIR
Administrative Officer
Indian Bureau of Mines

SURVEY OF INDIA,
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE
Dehra Dun, the 1st November 1977

No. E1-5297/913-H.—In continuation of this office Notification No. E1-5246/913-H dated 11th July, 1977, the *ad hoc* appointment of Shri R. K. Chamoli, Hindi Officer of the Surveyor General's Office is further extended upto 31st March, 1978 or till the post is filled on a regular basis, whichever is earlier.

The 2nd November 1977

No. E1-5298/594-Managers.—Shri V. E. Raman is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (G.C.S. Group 'B') in Pilot Map Production Plant (CST&MP), Survey of India, Hyderabad in the revised scale of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200 with effect from the forenoon of 6th October 1977, until further orders.

The 3rd November 1977

No. C-5299/718-A.—Shri Kanti Prakash, Superintendent, Surveyor General's Office (Offg.) who was appointed to officiate in the post of Establishment and Accounts Officer (Group 'B' posts) in the Survey of India on *ad hoc* basis with effect from 1st September, 1975 vide this office Notification No. C-5010/718-A dated the 16 October 1975, is appointed to officiate as such on regular basis w.e.f. 1st November 1977 and is posted to Central Circle, Survey of India, Jabalpur.

K. L. KHOSLA
Major General
Surveyor General of India

NATIONAL ARCHIVES OF INDIA

New Delhi-1, the 2nd November 1977

No. F 11-10/76-A 1.—The undermentioned Assistant Archivist Gr. I (Genl.) and Offg. Archivist (Genl.) on *ad hoc* basis are appointed as Archivist (General) on regular temporary basis w.e.f. 24-8-77, until further orders.—

1. Shri Suraj Prakash
2. Shri Duli Chand
3. Shri K. S. Talwar
4. Shri I. B. Roy

Sd. ILLEGIBLE
Director of Archives.

DIRECTORATE GENERAL, ALL INDIA RADIO

New Delhi-1, the 2nd November 1977

No. 3/21/60-SII.—Director General, All India Radio, is pleased to appoint Shri S. Santhu, Senior Accountant, Central sales units, All India Radio, Bombay to officiate as administrative Officer at All India Radio, Rajkot with effect from 28-10-77 (F.N.) and until further orders.

S. V. SESHADRI
Dy. Director of Admin
for Director General

New Delhi, the 3rd November 1977

No. 4(33)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Amarjeet Singh as Programme Executive, All India Radio, Bombay in a temporary capacity with effect from 26th September, 1977 and until further orders.

No. 4(72)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Kum. Naheed Taj Qureshi as Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar in a temporary capacity with effect from 10th October, 1977 and until further orders.

The 5th November 1977

No. 4(17)/76-SI.—Shri Pervaiz Ahmed Qureshi, Programme Executive, Radio Kashmir, Srinagar expired on the 13th October, 1977.

No. 4(24)/77-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri Srirama Bharati as Programme Executive, All India Radio, Delhi in a temporary capacity with effect from 19th October, 1977 and until further orders.

N. K. BHARDWAJ
Deputy Director of Administration
for Director General.

New Delhi, the 2nd November 1977

No. 10/101/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri R. Jeyakumar to officiate as Assistant Engineer at All India Radio, Najibabad with effect from 19-10-77.

The 5th November 1977

No. 10/116/77-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri M. C. Jaiswal to officiate as Assistant Engineer at Doordarshan Kendra, Lucknow with effect from 31-5-77.

HARJIT SINGH
Deputy Director of Administration
for Director General.

DOORDARSHAN MAHANIDESHALAYA

New Delhi, the 3rd November 1977

No. 11/2/74-SI.—The Director General, Doordarshan hereby appoints Shri V. A. Rao, a permanent Transmission Executive and at present working as Producer Grade-II, Upgrah Doordarshan Kendra, Hyderabad as Programme Executive at the same Kendra in a temporary capacity with effect from the afternoon of the 30th September 1977 and until further orders.

R. K. KHATTAR
Deputy Director of Administration.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 5th November 1977

No. 9-17/74-Admn.I.—Consequent on attaining the age of superannuation, Smt. R. Kuttappan, Tutor, Rajkumari Amrit Kaur College of Nursing, New Delhi retired from Government Service on the afternoon of 30th September 1977.

The 7th November 1977

No. A.11011/15/76(WH)/Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr P. K. Sarin to the post of Dental Surgeon, Willingdon Hospital & Nursing Home, New Delhi, with effect from forenoon of 1st September, 1977 in a temporary capacity and until further orders.

Dr Sarin relinquished charge of the post of Dental Surgeon, Central Govt. Health Scheme, New Delhi, on the afternoon of 31st August, 1977

S. L. KUTHIALA
Dy. Director Administration

KRISHI AUR SINCHAI MANTRALAYA

(KRISHI VIBHAG)

VISTAR NIDESHALAYA

New Delhi, the 2nd November 1977

No. F.2-13/77-Estt.I.—Shri K. P. Srinivasan, who has been officiating as Assistant Administrative Officer, on *ad-hoc* basis, *vide* this Directorate notification No. F 2-12/77-Estt.I dated 15-6-1977, has been regularised in the said post, with immediate effect.

No F 2-13/77-Estt I—Shri K. K. Sharma, who has been officiating as Assistant Administrative Officer, on *ad hoc* basis, *vide* this Directorate Notification No F.2-6/77-Estt.I dated 16-8-1977, will continue to officiate in the same post on temporary officiating capacity, upto 28-2-1978.

CHANDRA PRAKASH
Director of Administration

DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT
DIRECTORATE OF MARKETING AND INSPECTION

Faridabad, the 3rd November 1977

No F.4-6(69)/77.AIII.—On the basis of the recommendations of the D.P.C., the following officers, who are working as A.M.O. Group-I on *ad hoc* basis, have been appointed to officiate as A.M.O., Group-I, on regular basis with effect from 7-7-1977 until further orders.—

- (1) Shri R. A. Khanorkar
- (2) Shri D K Ghosh
- (3) Shri P. L. Vashisht
- (4) Shri R. K. Vyaghara
- (5) Shri A. Raghava Rao
- (6) Shri Umesh Kumar
- (7) Shri N. J. Pillai
- (8) Shri E. S. Paulose
- (9) Shri N. Ganarudhoon
- (10) Shri P. E. Thomas
- (11) Shri R. S. Kataria
- (12) Shri K. S. Reddy
- (13) Shri R. S. Verma
- (14) Shri K. N. Ghungrudhkar
- (15) Shri S. C. Dass
- (16) Shri D. K. Dass
- (17) Shri C. P. Gopinathan Nair
- (18) Shri K. N. Rai
- (19) Shri M. P. George
- (20) Shri P. Y. Shirka
- (21) Shri B. S. Bhardwaj
- (22) Shri R. P. Sachdeva
- (23) Shri N. B. Bhattacharya
- (24) Shri A. Ramankutty
- (25) Shri T. Unni Kannan

No. F 4-6(127)/77-A.III.—On the recommendations of the Union Public Service Commission, Shri Rajendra Singh has been appointed to officiate as Assistant Marketing Officer (Group II) in this Directorate at New Delhi with effect from 6-10-1977 (F.N.), until further orders.

V. P. CHAWLA
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

(BRANCH HEAD OFFICE)

Nagpur, the 3rd November 1977

No. F.74/15/72-D.I.—I, J. S. Uppal, Agricultural Marketing Adviser to the Government of India in exercise of the

powers conferred by the Government of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) Customs Notification Nos. (i) SRO 3184, dated the 28th December, 1956 (ii) 83, dated the 29th July 1961 (iii) 3752, dated the 26th December 1955 and (iv) 157, dated 22nd June 1963 and GSR 904, dated 27th June 1964 hereby authorise Sarvashri N. Gopal Marketing Officer, Calicut, P. Ramachandran Nair, Assistant Marketing Officer, Mangalore and V. Balarama Murthy, Marketing Officer, Bangalore to sign the Certificate of Grading from the date of issue of this Notification, in respect of Sandalwood Oil and Lemongrass Oil which are graded in accordance with the Essential Oils Grading and Marketing Rules 1954, as amended from time to time and the Export of which is subject to the provisions of the above mentioned Notifications.

The 5th November 1977

No. 74/15/72-D.I.—I, J. S. Uppal, Agricultural Marketing Adviser to the Govt. of India in exercise of the powers conferred by the Govt. of India, Ministry of Finance (Department of Revenue) customs Notification Nos. (i) SRO 3184, dated the 28th December, 1956 (ii) 83, dated the 29th July 1961 (iii) 3752, dated the 26th December, 1955 and (iv) 157, dated 22nd June 1963 and GSR 904, dated 27th June 1964 hereby authorise Shri B. L. Gopalakrishna, Senior Chemist, Govt. Sandalwood Oil Factory, Mysore to sign the Certificates of Grading from date of issue of this Notification, in respect of Sandalwood Oil which is graded in accordance with the Essential Oils Grading & Marking Rules 1954, as amended from time to time and the export of which is subject to the provisions of the above mentioned Notifications.

J. S. UPPAL
Agricultural Marketing Adviser

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY

NUCLEAR FUEL COMPLEX

Hyderabad-500 762, the 26th September 1977

No. PAR/0704/237.—The Chief Executive, Nuclear Fuel Complex, appoints Shri P. Rajagopalan, UDC to officiate as Assistant Personnel Officer on *ad hoc* basis in Nuclear Fuel Complex, Hyderabad, from 1-9-1977 to 25-9-1977 or until further orders whichever is earlier.

U. VASUDEVA RAO
Administrative Officer

(ATOMIC MINERALS DIVISION)

Hyderabad-500 016, the 4th November 1977

No. AMD-10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri D. R. Tuli, Assistant Administrative Officer of the Atomic Minerals Division, as Administrative Officer-II in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the 24th October, 1977 (forenoon) till 3rd December, 1977 (afternoon) *vice* Shri S. K. Malhotra, Administrative Officer-II, granted leave.

No. AMD-1/10/77-Adm.—The Director, Atomic Minerals Division of the Department of Atomic Energy, hereby appoints Shri Lachhmi Narain, Assistant of the Atomic Minerals Division as Assistant Personnel Officer in the same Division in a purely temporary capacity with effect from the 24th October, 1977 (forenoon) till 3rd December, 1977 *vice* Shri D. R. Tuli, Assistant Administrative Officer appointed as Administrative Officer in a temporary capacity.

Shri Lachhmi Narain will stand reverted to the post of Assistant with effect from the date on which Shri D. R. Tuli revert to the post of Assistant Administrative Officer

S. RANGANATHAN
Sr. Administrative & Accounts Officer

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION
INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th November 1977

No E(1) 01008—The Director General of Observatories hereby appoints the undermentioned Professional Assistants to officiate as Assistant Meteorologist as follows:—

Sl. No.	Name	Period		Office to which posted
		From	To	
1.	Shri Harnam Singh	12-9-77	9-12-77	Project Director, Monex, New Delhi.
2.	Shri K. S. Venkatakrishnan	17-9-77	14-12-77	Deputy Director General of Observatories
3.	Shri A. N. Chopra	17-9-77	14-12-77	(Instruments) New Delhi.
4.	Shri Chail Behari	3-9-77	29-10-77	
5.	Shri H. M. Kumar	3-9-77	30-11-77	
6.	Shri D. K. Rajpal	17-9-77	14-12-77	Regional Meteorological Centre, New
7.	Shri S. N. Mehra	1-9-77	13-11-77	Delhi.
8.	Shri A. K. Mehra	31-8-77	27-11-77	
9.	Shri D. Sinha	1-9-77	28-11-77	Met. Centre, Gauhati.

No. E(I)0581.—The Director General of Observatories, hereby appoints Shri S. N. Bhan, Professional Assistant, Headquarters Office of the Director General of Observatories, New Delhi to officiate as Assistant Meteorologist for a period of EIGHTYNINE days with effect from 26-10-77 to 22-1-78

Shri Bhan, Officiating Assistant Meteorologist, remains posted to the Headquarters office of the Director General of Observatories, New Delhi.

M. R. N. MANIAN
Meteorologist
for Director General of Observatories

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF TOURISM
& CIVIL AVIATION

New Delhi, the 28th September 1977

No. A.32013/13/76-ES—The President is pleased to approve the proforma promotion of Shri M. R. Gopala Krishna, Senior Aircraft Inspector, Civil Aviation Department and at present on deputation to the Government of OMAN to the grade of Deputy Director/Controller of Aeronautical Inspector in the Civil Aviation Department with effect from 4th July, 1977 and until further orders.

V. V. JOHRI
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 22nd October 1977

No. A. 12025/8/77-ES—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint the undermentioned officers as Air Safety Officer (Engineering) in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the date noted against each and until further orders:—

Sl. No.	Name	Date of appointment	Station of Posting
1.	Shri Madan Lal Nagar	9-6-1977 (FN)	Office of the DGCA, New Delhi.
2.	Shri Kanu Gohain	26-8-1977 (FN).	Do.
3.	Shri Bimal Kumar Srivastava	25-8-1977 (FN.)	Office of the Regional Director, Bombay.

The 31st October 1977

No. A.12025/6/77-ES—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri B. R. Chopra to the grade of Deputy Director Air Safety (Eng.)/Regional Controller of Air Safety (Eng.) and to post him as Deputy Director Air Safety (Eng.) in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi with effect from the 29th April, 1977 (F.N.).

No. A.12025/8/77-ES—On the recommendations of the Union Public Service Commission, the President is pleased to appoint Shri Lakshmi Narain Lall as Air Safety Officer (Engg.) in the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 18th October, 1977 and until further orders and to post him in the office of the Director General of Civil Aviation, New Delhi.

S. L. KHANDPUR
Assistant Director of Administration

New Delhi, the 3rd November 1977

No. A.38012/1/77-EC—Shri S. K. Kasturi Rangan, Controller of Communication, Aeronautical Communication Station, Madras relinquished charge of his office on the 30-9-77 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.38013/1/77-EC.—Shri G. B. Damle, Assistant Technical Officer, in the office of the Controller of Communication, ACS, Bombay relinquished charge of his office on the 30-9-77 (AN) on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

No. A.32014/1/77-EC—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. K. E. Sharma, Communication Assistant, A.C.S. Bombay to the grade of Assistant Communication Officer on *ad hoc* basis with effect from the 23-9-77 (FN) and to post him at the same station *vice* Shri P. I. David, Assistant Communication Officer granted earned leave

The 4th November 1977

No. A.12025/8/75-EC.—The President is pleased to appoint Shri N. Shankar as Technical Officer in the Aeronautical Communication Organisation of the Civil Aviation Department in an officiating capacity with effect from the 28-9-77 (FN) and until further orders and to post him in the office of the Director, Radio Construction and Development Units, Safdarjung Airport, New Delhi.

No. A 38012/1/77-EC.—Shri Baby Verghese, Communication Officer in the office of the Regional Director, Bombay relinquished charge of his office on 30-9-77 (AN), on retirement from Government service on attaining the age of superannuation.

S. D. SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director General of Civil Aviation

New Delhi, the 4th November 1977

No A.32013/14/77-E.I.—The President is pleased to appoint Shri K. B. Ganesan, Director of Research & Development to the grade of Deputy Director General of Civil Aviation on *ad hoc* basis for a period from 25-10-1977 to 31-1-1978 or till the return of Shri P. K. Ramachandran, whichever is earlier.

P. C. JAIN
Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, the 29th October 1977

No. 1/443/77-Est.—The Director General, O.C.S., hereby appoints Shri M. B. Govande, Technical Assistant, Switching Complex, Bombay, as Assistant Engineer in the Officiating capacity in the same office for the period from 29-8-77 to 7-10-77 (both days inclusive), against a short-term vacancy.

P. K. G. NAYAR
Dy. Director (ADMN.)
for Director General

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS

CENTRAL EXCISE : BARODA

Baroda, the 29th October 1977

No. 9/77.—Shri M. D. Patel, Officiating Superintendent of Central Excise, Group 'B', Ankлав Range of Anand Division retired on superannuation in the afternoon of 31-7-1977.

K. S. DILIPSINHJI
Collector of Central Excise, Baroda

CENTRAL EXCISE COLLECTORATE, MADHYA PRADESH

Indore, the 1st November 1977

C. No. II(3)2-Con/77/1356.—Consequent upon his promotion as Superintendent C. Ex. Group 'B' Shri R. G. Ingole has assumed charge as Superintendent M.O.R.I.I. Indore in the afternoon of 27-8-77.

Consequent upon his promotion as Superintendent C. Ex. Group 'B' Shri S. L. Gupta has assumed charge as Superintendent (Prev.) Division Gwalior in the forenoon of 30-8-77.

C. No. II(3)7-Con/77/1357.—Consequent upon his promotion as Administrative Officer Central Excise Group 'B' Shri R. G. Pandit has assumed charge as Administrative Officer (Hqrs.) C. Ex. Hqrs. Office Indore in the forenoon of 3-10-77.

Consequent upon his promotion as Examiner of Accounts C. Ex. Group 'B' Shri I. M. Khan has assumed charge as Examiner of Accounts C. Ex. Tqrs. Office Indore in the afternoon of 1-10-77.

M. S. BINDRA
Collector.

OFFICE OF THE COLLECTOR OF CENTRAL EXCISE

Madras-34, the 16th August 1977

No. C. No. II/3/22/77-Est.—The following Superintendent of Central Excise, Group 'B' Madras Central Excise Collectorate have retired from Service on superannuation with effect from the dates noted against their names.

Sl. No.	Name	Date of retirement
S/Shri.		
1. S. Padmanabhan . . .	31-5-77	Afternoon
2. D. B. Anugraham . . .	31-5-77	Afternoon
3. A. V. Arunachalam . . .	30-6-77	Afternoon
4. H. Ramachandran . . .	31-7-77	Afternoon
5. T A Mahadevan . . .	31-7-77	Afternoon
6. M. Savarimuthu . . .	31-7-77	Afternoon

I. J. RAO,
Collector.

CENTRAL PUBLIC WORKS DEPARTMENT

OFFICE OF THE ENGINEER-IN-CHIEF

New Delhi, the 1st November, 1977

No 23/2/77-EC. II.—In partial modification to this Office Notification of even number dated 19-8-1977 the date of superannuation of Shri K. K. Gupta may please be treated as under on the grounds that the date of birth of Shri K. K. Gupta is 1st August, 1919 according to the Matriculation Examination Certificate of the Calcutta University :

Name	Date of birth	Date of retirement	Designation at the time of retirement
Shri K. K. Gupta	1-8-1919	31-7-1977	Executive Engineer (Valuation), Income-Tax Deptt. Unit at Jamshedpur.

S. S. P. RAU,
Deputy Director of Administration
for Engineer-in-Chief

New Delhi, the 1st November 1977

No. 27/52/76-ECIX.—The President is pleased to accept the resignation tendered by Shri V. R. Kshirsagar, Architect, attached to SA(H & T.P)II, C.O., C.P.W.D., New Delhi, with effect from the date of issue of this Notification.

2. The period of absence from 10-8-77 to the date of issue of this Notification has been treated as Extraordinary leave without pay.

Dy. Director of Administration
D. P. OHRI

MINISTRY OF RAILWAYS

(RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 25th October 1977

SUB.—Jurisdictional adjustments on Central, Southern and South Central Railways.

No 77/EB/1514.—It is hereby notified for general information that the following adjustments in jurisdiction of Central, Southern and South Central Railways have been made with effect from 2-10-1977.—

1. Sholapur Division of South Central Railway Excluding Shahabad/Wadi—Raichur section is merged with Central Railway.

2. Guntakal Division of Southern Railway excluding Arkonam (exclusive)—Renigunta (exclusive) section is merged with South Central Railway.
3. Shahabad/Wadi—Raichur section is attached to new Guntakal Division.
4. Manmad—Daund section of Bhusaval Division of Central Railway is merged with new Sholapur Division.
5. Arkonam (exclusive)—Renigunta (exclusive) section is retained with Southern Railway and forms part of the Madras Division.
6. Gudur Station/Yard complex of Southern Railway is transferred to Vijayawada Division of South Central Railway.

B. MOHANTY
Secy., Railway Board &
ex-Officio Jt. Secy.

SOUTH CENTRAL RAILWAY
HEADQUARTERS OFFICE
PERSONNEL BRANCH,
Secunderabad, the 7th November 1977

No.P.185/GAZ/TC—Sri D. Raja Rao, an Officer of the Indian Railway Traffic Service (on probation) is confirmed in Class-I/Junior Scale of that service with effect from 12th July, 1977.

T. M. THOMAS
General Manager.

MINISTRY OF SUPPLY & REHABILITATION
DEPARTMENT OF SUPPLY
NATIONAL TEST HOUSE, ALIPORE
Calcutta-27, the 7th November 1977

No. G-318/A.—Shri P. K. Chakraborty, Head Clerk, National Test House, Bombay Branch, Bombay who was promoted to officiate as Assistant Director (Admn.) Grade II in the same office w.e.f. 19-7-77 (F/N) vide National Test House, Calcutta Notification No. G-318/A dated 2-9-77 has been reverted to the post of Head Clerk in the National Test House, Bombay Branch, Bombay with effect from the forenoon of 1-9-77.

B. C. BISWAS
Joint Director
National Test House.

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS
(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS)
COMPANY LAW BOARD
OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Kiloor Tea Plantation Company Private Limited*
Madras-600006, the 2nd November 1977

No. 1167/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Kiloor Tea Plantation Company Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Rajmani Chit Funds Private Limited*
Madras-600006, the 2nd November 1977

No. 5634/560(5)/77.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of Section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of M/s. Rajmani Chit Funds Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

K. PANCHAPAKESAN
Asst. Registrar of Companies
Tamilnadu.

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Hindustan Standard (Delhi) Private Limited*
Delhi, the 1st November 1977

No. 2843/21018.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Hindustan Standard (Delhi) Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. K. ARORA
Asstt. Registrar of companies
Delhi & Haryana

*In the matter of Companies Act, 1956 and of
M/s. Chalachitra Distributors Private Limited.*

Cuttack, the 8th November 1977

No. S.O./414/77-3875(2).—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Chalachitra Distributors Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

D. K. PAUL
Registrar of Companies, Orissa

FORM ITNS

(1) Shri Harif Ali,
Secretary to Government of Assam,
Dishpur, Gauhati

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
SHILLONG

Shillong, the 5th November 1977

Ref No. A-140/Shi/77-78/894-95.—Whereas, I, EGBERT SINGH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immoveable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Patta No. 1(A) situated at Lower Motinagar, Shillong (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shillong on 7-5-77, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(2) Smt. Durga Devi Gupta,
w/o Shri K. C. Gupta,
Lower Motinagar, Shillong.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immoveable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 3024 Sq. ft. along with a house situated at Lower Motinagar bearing Plot No 2(A), Shillong, Meghalaya.

EGBERT SINGH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Shillong.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 5-11-77
Seal :

FORM ITNS —

(1) M/s J. B. Investment Trust,
10, Biplab Rash Behari Basu Road,
Calcutta

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bijoy Kumar Gupta,
32A, Canning Street,
Calcutta.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

**ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA**

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 8th November 1977

Ref. No. Ac-18/R-II/Cal/77-78.—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23A/17-S, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 28-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2C, measuring 1730 sq. ft. being premises No. 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta, P. S. Alipore.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 8-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s T B Investment Trust,
10, Biplabi Rash Behari Basu Road,
Calcutta

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1977

Ref No Ac-19/R-II/Cal/77-78—Wherens, I,
R V LALMAWIA,
being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have
reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No
23A/17-S, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Sub-Registrar, Alipore Sadar on 4-3-1977
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid pro-
perty and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the appa-
rent consideration therefor by more than fifteen per-
cent of such apparent consideration and that the con-
sideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the
liability of the transferor to pay tax under the said
Act, in respect of any income arising from the
transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian
Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act
or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Shri Suraj Singh Vaid,
23A/17-S, Diamond Harbour Road,
Calcutta

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
vable property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 2A (2nd floor), measuring 1456 sq. ft. at pre-
mises No. 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons namely:—

12-346GI/77

Date : 8-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s J. B Investment Trust,
10, Biplabi Rash Behari Basu Road,
Calcutta.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTA

Calcutta, the 8th November 1977

Ref No AC-20/R-II/Cal/77-78—Whereas, I, R. V. LALMAWIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing 23A/17-S, situated at Diamond Harbour Road, Calcutta (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Sub-Registrar, Alipore Sadar on 14-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(2) Shri Rathindra Mohan Mukherjee, & Prerti Mukherjee, of 1-D, 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta

(Transferee)

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Flat No. 1-D (1st floor) measuring 1660 sq. ft. at premises No. 23A/17-S, Diamond Harbour Road, Calcutta

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16

Date : 8-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Usha Telehoist Ltd,
14, Princep St., Calcutta.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Usha Atlas Hydraulic Equipment Limited,
14, Princep St., Calcutta

(Transferee)

(3) Transferors (Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II,
CALCUTTAObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Calcutta, the 9th November 1977

Ref. No Ac-21/R-II/Cal/77-78—Whereas, I,
R. V. LALMAWIA,
being the Competent Authority under Section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'),
have reason to believe that the immovable property, having
a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No.
JL No 3, RS No. 60, situated at Mouza Chandannagar,
P. S. Maheshtolla
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act,
1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Registrar of Assurances, Calcutta on 25-3-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of the notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

A land being JL No 3, RS No 60, Mouza Chandannagar,
P. S. Maheshtolla, measuring 6-Bighas, 14-Cottahs, 5-Chittaks
and 16.2 sq ft.

R. V. LALMAWIA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road,
Calcutta-16.

Date : 9-77-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) (1) Shri A. L. Joshi
 (2) Mrs. Indira L. Joshi
 (3) Shri A. L. Joshi
 All at Phaltan

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 296D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE,
 60/61 KRANDAWANA, KARVE ROAD,
 POONA-411004

Poona-411004, the 31st October 1977

Ref. No. CA5/Haveli-II/Poona/Junc'77/345/77-78.—
 Whereas, I, Smt. P. LALWANI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe
 that the immovable property, having a fair market value
 exceeding Rs. 25,000 and bearing No.
 C.S. No. 1010, freehold plot 'B'
 situated at Shivajinagar, Poona
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto)
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
 of 1908) in the office of the Registering Officer at
 Haveli-II, Poona on 24-6-1977
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more than
 fifteen per cent of such apparent consideration and that the
 consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated
 in the said instrument of transfer with the object of .—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 Section (1) of Section 269D of the said Act, to the follow-
 ing persons namely .—

(2) Pushpamala Co-operative Housing Society Ltd.,
 Plot No. 371, C.S. No. 1010,
 Shivajinagar, Poona-16.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may
 be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
 45 days from the date of publication of this notice
 in the Official Gazette or a period of 30 days from
 the service of notice on the respective persons whichever
 period expires later;

(b) by any other person interested in the said immo-
 vable property, within 45 days from the date of the
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Plot 'B' C.S. No. 1010, Shivajinagar, admeasuring
 944 sq. mts.
 (Property as described in the sale deed registered under No.
 676 dated 24-6-77 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II,
 Poona)

Smt. P. LALWANI
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poona.

Date 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri V. Y. Joshi,
206, Narayan Peth, Poona-2.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pushpamala Co-operative Housing Society Ltd.,
Plot No 371, C.S. No. 1010,
Shivajinagar, Poona-16

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAXACQUISITION RANGE,
60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,
POONA-411004

Poona-411004, the 31st October 1977

Ref. No. CA5/Haveli-II/Poona/June'77/346/77-78.—
Whereas, I, Smt. P. LALWANI,being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having
a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
C.S. No. 1010, freehold plot 'C'
situated at Shivajinagar, Poona(and more fully described in the schedule annexed hereto)
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering officer at
Haveli-II, Poona on 24-6-1977for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to between
the parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the
following persons, namely.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons whichever
period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the official
Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

Freehold Plot 'C' at C.S. No. 1010, Shivnagar, admeasuring 944 sq mts

(Property as described in the sale deed registered under No
676 dated 24-6-77 in the office of the Sub-Registrar, Haveli-II,
Poona)

Smt. P. LALWANI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Poona.

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Smt. Kamla S Tulsiani
 (2) Smt. Pushpa Ishwaridas Tulsiani
 (3) Shri Thanwadias Chandulal Tulsiani
 Partners of Tulsiani Builders,
 506, Maker Bhavan No. 3,
 21, New Marine Lines, Bombay-20
 (Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Tulsiani Estate Co-operative Housing Society Ltd
 798, Bhavani Peth, Poona-2.
 (Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME TAX
 ACQUISITION RANGE,
 60/61 ERANDAWANA, KARVE ROAD,
 POONA-411004

Poona-411004, the 31st October 1977

Ref No CA5/Haveli-II/Poona/May'77/344/77-78—
 Whereas, I, Smt P LALWANI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
 to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property, having a fair market value exceeding
 Rs. 25,000/- and bearing
 CTS No 798, Bhavani Peth situated at Poona
 (and more fully described in the Schedule
 annexed hereto) has been transferred under the Registration
 Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering
 Officer at
 Haveli-II, Poona on 27-5-77
 for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason to
 believe that the fair market value of the property as aforesaid
 exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or
 any moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for the
 purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957
 (27 of 1957),

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of
 30 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
 immovable property, within 45 days from the
 date of the publication of this notice in the Official
 Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said
 Act, shall have the same meaning as
 given in that Chapter.

THE SCHEDULE

C.T.S. No 798 Bhavani Peth, Poona-2, admeasuring 2100
 sq. yds. (Land and buildings)—Freehold 71 Residential flats
 (Property as described in the Sale deed registered under No.
 567 dated 27-5-77 registered in the office of the Sub-Registrar,
 Haveli-II, Poona).

Smt. P. LALWANI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Poona

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
 aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act to the following
 persons namely.—

Date : 31-10-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) 1 Shri Baboo Rao,
 2 Shri Saheb Rao,
 3 Shri Muthidhar,
 4 Shri Tara Chand,
 All sons of Shri Meetharam,
 5 Smt. Vachhala Bai D/o Shri Meetharam Patil,
 6 Smt. Yenu Bai Wd/o Meetharam Patil,
 All R/o Gram-Bad Kheda, Teh Burhanpur
 (M P)

(Transferor)

(2) 1 Shri Rambikant,
 2 Shri Jayantilal,
 Both sons of Shri Chhannulal,
 Beesa Nagai Mahagar,
 Pratap Pura, Burhanpur (M P.)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,

BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1977

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/77-78/894/—Whereas, I,
R K BALI,
 being the Competent Authority under Section 269B of the
 Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
 as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
 property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
 and bearing

Agricultural Land Khasra No. 131, 132, Area 11.66 acres
 with well and plants situated at Gram-Bad Kheda, Teh.
 Burhanpur, situated at Gram-Bad Kheda, Teh Burhanpur
 (and more fully described in the Schedule annexed hereto),
 has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
 1908) in the office of the Registering Officer at
 Burhanpur on 28-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair
 market value of the aforesaid property and I have reason
 to believe that the fair market value of the property as
 aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more
 than fifteen per cent of such apparent consideration and that
 the consideration for such transfer as agreed to between the
 parties has not been truly stated in the said instrument of
 transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
 moneys or other assets which have not been or
 which ought to be disclosed by the transferee for
 the purposes of the Indian Income-tax Act 1922
 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax
 Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
 Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
 the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
 section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
 persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
 may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period
 of 45 days from the date of publication of this
 notice in the Official Gazette or a period of 30
 days from the service of notice on the respective
 persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable
 property within 45 days from the date of
 publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
 are defined in Chapter XXA of the said Act,
 shall have the same meaning as given in
 that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land Khasra No. 131 and 132, Area 11.66
 Acres with Well and Plants situated at Gram-Bad Kheda,
 Teh Burhanpur (M P.)

R K BALI
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Bhopal

Date : 5-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr Hemant S/o Shri Kamlakar Jadhav,
R/o 20, Kalpana Lok Colony,
Khajrani Road, Indore (M.P.)

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1977

Ref No IAC/ACQ/BPL/77-78/895.—Whereas, I, R K BALI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,00/- and bearing Plot at Meera Path Indore Bearing No. 11/13, Measuring 60' x 71' situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) 1. Shri Sandeep Kumar,
2. Shri Neelash Kumar,
Both Minor Sons of Shri Virendra Kumar,
R/o 18, Dhenu Market, Indore (M.P.)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot at Meera Path, Indore, Bearing No. 11/13, measuring 60' x 71'

R. K. BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date 5-11-1977

Seal :

FORM JTNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1977

Ref No IAC/ACQ/BPL/77-78/896.—Whereas, I, R. K. BALI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Two & half storeyed house situated at Bajaj Khana, Ratlam (Area 10-45 x 24-40 mts) situated at Ratlam (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ratlam on 27-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or;

(b) facilitating the concealment of any income or **any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);**

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

13—346GI/77

(1) 1 Shri Hirjalal S/o Kedar Shankar, 2. Shri Narpatilal S/o Shri Daru Lal, 3 Shri Pitamalal S/o Dheerajlal, 4 Shri Swamiji Parmanand Sarswa, 5 Shri Nandkishore S/o Shri Kishanlalji, 6 Shri Govindlalji S/o Shri Hetlalji, 7. Shri Ambalal S/o Shri Nathulal, 8 Shri Ishwarlal S/o Shri Kannilal 9 Shri Himmatalal S/o Shri Nanaklal, 10. Shri Lalit Kishore S/o Shri Kishanlal, 11 Shri Navneetlal S/o Shri Nathulalji Nagai All Brahman All R/o Banswada (Rajasthan)

(Transferee)

(2) The Cloth Merchant Association, Bajaj Khana, Ratlam (M.P.) Through 1. Shri Fakir Chand S/o Shri Reekh Chandji Gujarati, President, 2 Shri Shri Nihalchand S/o Shri Udanchandji R/o Town Hall Trust, Ratlam 3 Shri Rajmal 4. Shri Fakirchand, 5 Shri Samratmalji 6 Shri Sujanmalji All C/o Bajajkhana, Ratlam (M.P.).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two & Half storeyed house situated at Bajaj Khana, Ratlam (M.P.) (Area 10-45 x 24-40 mts)

R K BALI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date. 5th November, 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Pandit Liladhar Joshi,
S/o Shri Haribux Joshi, Shujalpur Nagar (M.P.)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ahilya Bai W/o Shri Jankilal Shivhare, House No 36, Lohiya Marg, Shujalpur Mandi (M.P.) (Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1977

Ref. No IAC/ACQ/BPL/77-78/897—Whereas, I, R K BAI I being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No House No 39, Lohiya Marg, Shujalpur Mandi (M.P.) situated at Shujalpur Mandi (M.P.) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shujalpur on 3-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

House No 39, Lohiya Marg, Shujalpur Mandi (M.P.).

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

R K BAI I
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range Bhopal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceeding for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

Date 5th November, 1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 31st October 1977

C.R. No 62/9580/76-77/ACQ/B—Whereas, I, J S RAO Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Property No 1/1, Sampige Road, situated at 11nd main road, Malleswaram, Bangalore-3 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Srirampuram Bengaluru Doc, No 3304/76-77 on 30-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) The Karnataka State Financial Corporation H.O. at, No 25, Sahakarnarayana buildings M.G. Road, Bangalore-1, Rep/its Managing Director Sri T. P. Issar, I.A.S

(Transferor(s)

(2) The Life Insurance Corporation of India, Central Office at 'Yogakshema', Jeevan Bima marg, Bombay-400021 and its Divisional office at 'Jeevan prakash', Sri Jayachama-Raja road, Bangalore-560002 Rep/by its Senior, Divisional Manager, Sri V. K. Srinivasan

(Transferee(s)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No 3304/76-77 dated 30-3-77]

All that piece and parcel of land bearing corporation No 1/1, 11nd main road, Malleswaram and either bearing No 1006/1, forming part of old premises No 1006, together with Central office building and annexe and other structures put up by the vendors including the compound walls on all the four sides, situated in division No 9, of the city of Bangalore

Boundaries—

E—Venkatrangayengar road (Sampige road) and also known as 11nd main road.

W—property belonging to Mysore spinning and manufacturing Co Ltd

N—property belonging to Sampige Theatre and

S—property belonging to Mysore Spinning and Manufacturing Co. Ltd.

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date . 31-10-77

Seal :

FORM ITNS

(1) Sri Sivaram Devarajan,
S/o Late S V Devarajan,
No 127, 8th Cross Road,
N R Colony, B'lore-19.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Sri N R Seshadri,
S/o Late N Ramaswamy Iyengar,
Karthi of Joint Family,
No 21, Crescent Road, B'lore-1.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE.

Bangalore-27, the 31st October 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2529 . 76-77 Dated 10-3-77]
All that piece and parcel of Land building site bearing No. 399, Rajamahal Vilas Extension, B'lore-6

Boundaries .

North—Site bearing No 386
South—Road,
East—Site bearing No 400 and
West—Road.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 31-10-1977

Seal .

FORM 11NS

(1) Shrimati Saramma w/o Sri V. V. John, No. 27/4,

Damodar Mudaliar Street, Ulsoor, Bangalore

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th November 1977

C.R. No. 62/9240/76-77/ACQ/B—Whereas, I, J S RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing All that piece and parcel of land together with the residential house constructed thereon bearing No. 13A, 6th cross, Hutchins road, St Thomas town, Bangalore-5, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Shivajinagar, Bangalore Doc. 2587/76-77 on 30-3-77 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (b) facilitating the concealment of any income or any of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(2) 1 Mr John Sinclair Fletcher and his wife

2 Mrs Andice Fletcher rep. hereunder by their duly constituted Attorney Mr. T. M. Fernandes of No. 51, Stephens road, Bangalore-5

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expired later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No 2587/76-77, dated 30-3-77]

All that piece and parcel of land together with the residential house constructed thereon bearing No 13A, 6th cross, Hutchins Road, St Thomas town, Bangalore-5.

Boundaries :

N.—6th cross, Hutchins road, Bangalore-5.

S.—Premises No 1, 5th cross, Hutchins road, Bangalore-5

E.—Premises No 13, 6th cross, Hutchins road, Bangalore-5.

W.—Premises Hutchins road, Bangalore-5

J S RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 5-11-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) His Holiness Shri Abhinava Vidyathirtha Mahaswamigalavaru, Jagadguru of Shri Sharada Peeta, Sringeri.
Represented by GPA holder Shri K. Krishna Bhatta, S/o Shri Narayana Bhat, residing at Sringeri, Karnataka State

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTION ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

(2) Smt. Rajalakshamma,
W/o Late B. Nanjunda Shetty, No. 168,
1st Main Road, Chamrajpet, Bangalore-18

(Transferee)

Bangalore-27, the 5th November 1977

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

C R No. 62/9033/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Property bearing Corporation No. 72, Shankarpark, Shankara Mutt Road, Shankarapuram, Bangalore, situated at Bangalore (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registration Officer at Basavanagudi, Bangalore Document No. 2021/76-77 on 9-3-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2021/76-77 dated 9-3-77]
Property bearing Corporation No. 72, Shankarpark, Shankara Mutt Road, Shankarapuram, Bangalore

Boundaries :

East—Cross Road,
West—Smt. Parvathamma's residence,
North—Private property and
South—Vidya Shankar's property

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 5-11-77

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-27, the 5th November 1977

C.R. No 62/9034/76-77/ACQ/B—Whereas, I, I. S. RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and

Property bearing corporation No 111, Shankarapark, Shankaramutt Road, Shankarapuram, Bangalore-4, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Basavanagudi, Bangalore, 2022/76-77 on 9-3-77,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) His holiness Sri Abhimaya vidyathirtha Mahaswamigalavaru Jagadguru of Sri Sharada Peetha, Sringeri, rep by General power of Attorney, Holder Sri K. Krishna Bhatta, s/o Sri Narayana Bhat, residing at Sringeri, Karnataka State (Transferees)

(2) Smt. M. S. Jayamma w/o Sri M. N. Sadashivaiah, No 11, Shankaramutt Road, Shankara Park, Shankarapuram, Bangalore-11

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2022/76-77 dated 9-3-77]

Property bearing corporation No 111, Shankarapark, Shankara Mutt road, Shankarapuram, Bangalore-4.

Boundaries

E—Shankar Mutt road
W—Private property
N—Mutt's property and
S—Mutt's property

J. S. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 5-11-77

Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Ramachandian,
Grand son of Kalikere Dasappa,
(2) Shri Gopalakrishna
(3) Shri Chinmayananda
Minor Children
of Shri
Ramachandian
All residing at Pete, Channapatna Town, Channapatna.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560 001, the 7th November 1977

(2) Shri Y S Raghavarah,
S/o, Yajaman Srinivasarao,
Pete, Channapatna Town.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

C.R. No. 62/9066/76-77/ACQ/B.—Whereas, I, J S RAO, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Property No 2123/1, 8th Cross, Kalikere Dasappa Block Extension, situated Channapatna, (Municipal 'A' Division) situated at Nakodar

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Channapatna, Document No 2635/76-77 on 5-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957):

[Registered Document No 2635/76-77 dated 5-3-77]

Property No 2123/1, 8th Cross, Kalikere Dasappa Block Extension, Channapatna (Municipal "A" Division).

Boundaries :

South—Road,
North—Private Property,
East—Private property,
West—Private property

J. S. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore
Date 7-11-1977
Seal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BANGALORE-I

Bangalore-I, the 9th November 1977

CR No 62/9031/76-77/Acq /B.—Whereas, I, J. S. Rao, Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax, Acquisition Range, Bangalore being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 4, New lay out New Kalasipalya, 1st cross, Bangalore Division, No. 39, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore, Doc No. 2011/76-77 on 7-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(1) 1. Smt. Govindamma w/o late B. Tayappa.
2. Sri B. T. Shankar s/o late B. Tayappa both residing at No. 176, III Block, Jayanagar, Bangalore

(Transferor)

(2) 1. Sri A. Changala Naidu s/o late A. Rangaiah Naidu.
2. Sri A. C. Kuppuswamy Naidu.
3. Sri A. C. Rajagopal Naidu.
4. Sri A. C. Keshavala Naidu.
From 2 to 4, children of Sri A. Changala Naidu. No. 4 is minor and he is rep. by his father and natural guardian in A. Changala Naidu. Fruit and vegetable Merchants, 3-4, wholesale Bazar street, Sri Krishna Rajendra Market, Bangalore-2.

(Transferee)

(3) M/s. M. B. Transport. (G.F.)
F.F. M/s. Jindal Roadways
3. Vavant, 4 M. P. Rawal.
5. Viswanath 6. Vavant 7. Abdul Rahim, 8. Rama-krishna of M/s. Eagle Transport. 9-10. Out house, I Floor, V. Mohamed Ishaq, 11. K. A. Agarwal II.F. 12. M/s. Raiding Kerala. 13. M/s. Kerala road ways.

[Person(s) in occupation of the property]

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

[Registered Document No. 2011/76-77 dated 7-3-77]

Property bearing No. 4, New lay out, New Kalasipalyam, 1st cross, Bangalore (Division No. 39).

Boundaries :

E.—Property bearing No. 5 belonging to Mane Hanumanthappa Rao

W.—Property bearing No. 3 belonging to Munichinnappa.

N.—Road and

S.—Property bearing No. 21, belonging to Sanjeevappa

J. S. RAO

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date : 9-11-77

Seal

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—
14—346GI/77

FORM ITNS.—

NOTICE UNDER SECTION 269(D) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 25th September 1977

Ref. No. Acq F No.474.—Whereas, I, N. K. NAGARAJAN being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

4-1-40 situated at Guntur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Guntur on 1-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) 1 Sri Mocherla Kutumbarao,
Regd. Brigadier,
2. Sri Mocherla Vijayarao,
3. Sri Mocherla Gopalaraao,
4. Sri Mocherla Krishnakumarraao,
GPA hold father Sri M. Kutumbarao,
5. Sri Mocherla Sriramamurty,
Military officer (Manager of the HPF)
consists of his Minor sons Mr Satish and Mr.
Ramesh, GPA holder Sri M. Kutumbarao,
A-3, Sainkpurli, Secunderabad

(Transferor(s))

(2) 1. Sri Mandava Rajagopala Rao,
Landlord, Door No. 4-1-40, Ramannapeta,
Koritipadu, Guntur.
2. Sri Sontineni Govardhan,
S/o Venkalah,
3. Smt. S. Sowbhagya Laxmi,
W/o S. Govardhan,
GPA Holder Sri Mandava Rajagopala Rao,
Landlord, D No. 4-1-40, Ramannapeta,
Koritipadu, Guntur

(Transferor(s))

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 1209/77 registered before the Sub-Registrar, Guntur during the fortnight ended on 15-4-1977.

N. K. NAGARAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 25-10-1977

Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE,
DHARWAR

Dharwar, the 5th November 1977

Notice No 195/77-78/Acq.—Whereas, I, D. C. RAJAGOPALAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Dharwar,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

Asst. Nos 556 to 560 Municipal Khata No. 514 situated at Mangalore-Bangalore Road, Sakaleshpur Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sakaleshpur under Document No. 1323/76-77 on 28-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri B. M. Chandrashekhar,
Honorary Secretary,
Munzerabad Club, Sakaleshpur, Hassan District.
(Transferor)

(2) Shri (Dr) B. T. Narayanan,
Technical Adviser and General Power of Attorney Holder, Goorghally Estate, Sakaleshpur, Hassan District.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Vacant land together with builders and structures thereon, forming a portion of the property bearing assessment Nos. 556 to 560 in Municipal Khata No. 514, situated at Bangalore-Mangalore Road, Sakaleshpur Town.

Measuring :—

East by—Kushalanagar Road and measuring on that side 60 feet,
West by—Hassan—Mangalore Road and measuring on that side 182 feet,
North by—The remaining portion of the land retained by the Vendor and measuring on that side 220 feet plus 300 feet; and
South by—Government High School and Survey No. 132, measuring on that side 272 feet plus 208 feet.

D. C. RAJAGOPALAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Dharwar.

Date 5-11-977

Seal

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE,
NAGPUR

Nagpur, the 26th October 1977

Ref No. IAC/ACQ/49/77-78.—Whereas, I, H. C. SHRI-VASTAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 727/2 on plot No 37, 2573 sq. ft situated at C.A. Road, Nagpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Nagpur on 3-6-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating in concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) 1. Shri Gopal Ramchandra Khadgi,
2. Shri Purushottam Ramchandra Khadgi,
3. Shri Maroti Ramchandra Khadgi,
All resident of C. No. 15/21, at Nagpur
(Transferor)

(2) 1. Shri Sunilkumar Daulatram Khushlani,
2. Shri Rajeshkumar Daulatram Khushlani,
All resident of Nagpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

House No 727/2 on plot No. 37, 2573 sq. ft W. No. 35, Circle No 16/21, Central Avenue Road, Nagpur

H. C. SHRIVASTAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Nagpur

Date : 26th October 1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Partu Ram Alias Pratap Chandra
S/o Shri Mangal Chand Oshwal,
R/o Makkasar, Teh Hanumangarh.

(Transferor)

(2) Shrimati Kamla Devi
W/o Shri Parag Chand Agarwal,
R/o Hanumangarh Town, Tehsil Hanumangarh.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269 D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 8th November 1977

Ref No Raj./IAC(Acq)/375—Whereas, I, CHUNNI LAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No Shop at Ward No. 4 situated at Hanumangarh Town (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hanumangarh on 5-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

THE SCHEDULE

*Shop at Ward No 4, Opp Mitruka Cloth Store, Hanumangarh Town more fully described in the conveyance deed registered by Sub-Registrar, Hanumangarh at S No 161 dated 5-3-1977.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

CHUNNI LAL
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Jaipur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 8th November, 1977
Seal .

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I,
AYURVED HOSPITAL BUILDING
NETAJI SUBHASH ROAD,
BOMBAY-400 002

Bombay, the 5th November 1977

Ref. No AR-I/1991-19/Mar 77.—Whereas, I, F. J. FERNANDEZ, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.S 1/556 of M & C Hill Division situated at Gowalia Tank Road, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 9-3-1977 for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as against to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby intiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Shri Behram K. Dubash;
Mrs. Najoo K. Bhabha and
Hilla Nadir Dinshaw

(Transferor)

(2) Shri Mirza Hasan Baig

(Transferee)

(3) Tenants

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Schedule as mentioned in the Registered Deed No. 2487/76/Bom and as registered on 9-3-1977 with the Sub-Registrar Bombay

F. J. FERNANDEZ
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Bombay

Date 5th November, 1977
Seal

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II
BOMBAY

Bombay, the 4th November 1977

Ref. No. AR-II/2488-13/Mar.77.—Whereas, I, V. S. MAHAJAN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Final Plot 795, T P S. III, situated at Bandra (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bombay on 11-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Jivanlal Ugarchand Shah
(Transferor)
- (2) New Cosmos Commercial Premises Coop. So. Ltd
(Transferee)
- (3) 1. Shri Ishwaidas T. Mulchand
2. Smt. Vina Pramila Parekh
3. Smt. Umlaben Kantilal Shah
4. Shri Kishinchand H
5. J. Hotchand
6. Shri Vasant C. Patel
7. Shri Bipinchand V. Shah
8. Shri Balvantrao J. Sampat
9. Shri Arvind G. Malkan
10. Shri Kishore V. Sanghrajka
11. Smt. Laxmi Tikamdas.
(Person in occupation of the property)
- (4) 1. Shri Bipinchand Vrajlal Shah
2. Shri Chhabildas Mohanlal Parekh
3. Shri Arvind Gidharlal Malkan
Partners of M/s. Cosmos Construction Co.,
60, Rukshmanji Nivas, Gugau Road,
Bombay-4
(Person whom the undersigned knows to be
interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land as mentioned in Registered Deed No. 4090/69/R registered on 11-3-1977 with the Sub-Registrar at Bombay

V. S. MAHAJAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II
Bombay.

Date 4-11-1977
Seal

FORM ITNS—

(1) Smt. Satwant Kaur, Manjit Kaur, Chandamau Kaur, Dashan Kaur, Baljit Kaur d/o Sh. Udhram Singh alias Hari Singh S/o Ganda Singh R/o Vill. Ttwal, Tehsil. and Distt. Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 31st November 1977

Ref. No. ASR/30/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Atwal (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tehsil Amritsar in March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent. of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said, Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(2) Sh. Joginder Singh, Bhupinder Singh and Surinder Singh S/O Shri Udhram Singh R/O Vill. Attawal, Tehsil and Distt. Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S.No 2 above and tenant(s) if any.

(4) Any person interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land area 48-K 8-M at vill. Attwal as mentioned in the regd. deed No. 6103 of March, 1977 of Registering Authority Tehsil Amritsar.

S K GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt Durga Devi Wd/O Sulakhan Singh 76-C, Lawrence Road, Amritsar

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) S/Shri Roshan Lal, Romesh Kumar, Narinder Kumar SS/O Shri Rakha Ram R/O 38-Gopal Nagar, ASR

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S No 2 above and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1977

Re: No ASR/31/77-78.—Whereas, I S K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B, of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No 38 situated at Gopal Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

38-Gopal Nagar, Amritsar as mentioned in the regd deed No 2045 of March, 1977 of Registering Authority City Amritsar.

S K GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 3-11-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—
15-346 GI/77

FORM ITNS**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(1) Smt. Lakshmi W/d. Alla Singh S/o Shri Natha Singh R/O Vill. Chint Kot, Tehsil and Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Joginder Singh S/O Sh. Alla Singh S/o Shri Natha Singh, R/O Vill-Chint Kot Tehsil and Distt. Amritsar.

(Transfegee)

(3) As at S.No 2 above and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1977

Ref. No. ASR/32/77-78—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Land situated at Chintkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Agricultural land area 35-K 5-M at village Chint Kot as mentioned in the regd. deed No. 6144 of March, 1977 of Registering Authority, Tehsil-Amritsar.

THE SCHEDULE

S. K. GOYAL,
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range, Amritsar

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vinod Kumar S/O Shri Balraj Mahajan C/O Saroj Textile Mills, Batala Road, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Om Parkash C/O Modern Prints, Batala Road, Amritsar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property.

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Amritsar, the 3rd November 1977

Ref No ASR/77-78/33—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2289/664, situated at Tung Patti Batala Road, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908 in the office of the Registering officer at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferer to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot of area 1680 Sq yds No. 2289/664 at Tung Patti, Batala Road, Amritsar as mentioned in the side deed No 1941 of March, 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar

Date : 3-11-1977

Seal :

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act to the following persons, namely :—

FORM ITNS

(1) Sh Sant Ram S/o Sh Rattan Chand, Shastri Nagai, Amritsar.

(Transferors)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh Ram Ditta Mal Mehra, Dharmarth Trust, Partap Bazaar, Amritsar

(Transferees)

GOVERNMENT OF INDIA

(3) As at S No 2 above and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 3rd November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

Ref No ASR/34/77-78.—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 22-A situated at Green Avenue, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Plot No 22-A, Green Avenue, Amritsar as mentioned in the Regd deed No 1881 of March, 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date 4-11-1977
Seal .

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

FORM ITNS

(1) Krishan Chand S/o Sh. Amar Nath, Bazar Swank Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Mohan, S/o Sh. Ram Dass r/o Katra Khazana Amritsar

(Transferee)

(3) As at S.No 2 above and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th November 1977

Ref No ASR/35/77-78—Whereas, I, S. K. GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 327 situated at Shastri Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,

(1) Krishan Chand S/o Sh. Amar Nath, Bazar Swank Mandi, Amritsar.

(Transferor)

(2) Sh. Brij Mohan, S/o Sh. Ram Dass r/o Katra Khazana Amritsar

(Transferee)

(3) As at S.No 2 above and tenant(s) if any

(4) Any person interested in the property

(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of Plot No 327 at Shastri Nagar, Amritsar as mentioned in the regd deed No 1952/1 of March, 1977 of Registering Authority City Amritsar.

S. K. GOYAL,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date . 4-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Kishan Chand S/o Sh. Amar Nath, Bazar Swank Mandi, Amritsar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Tilak Raj S/o Sh. Ram Dass r/o Katra Khazana, Amritsar

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 4th November 1977

Ref No ASR/36/77-78.—Whereas, I, S K GOYAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Plot No 327 situated at Shastri Nagar, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at City Amritsar in March, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the Said Act to the following persons namely:—

(3) As at S No. 2 above and tenant(s) if any

(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of Plot No. 327 at Shastri Nagar Amritsar as mentioned in the regd. deed No. 1951/1 of March, 1977 of Registering Authority, City Amritsar.

S. K. GOYAL,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date : 4-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh. Chaman Parkash s/o L. Puran Chand,
Near Sabzi Mandi, R/o Yamunanagar.

(Transferor)

(2) (i) S/Sh Ram Chander, Lal Chand, Bhagwan Dass
ss/o Sh. Mahya Ram.
(ii) Sh Des Raj c/o M/s. Ghaba Iron Store,
Yamuna Nagar

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref. No. JDR/7/77-78 —Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA,
being the Competent Authority,
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot measuring 6 bighas situated at Village Sosoli, Teh. Jagadhari.
(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jagadhari in May 1977.
for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Sh. Chaman Parkash s/o L. Puran Chand,
Near Sabzi Mandi, R/o Yamunanagar.

(Transferor)

(2) (i) S/Sh Ram Chander, Lal Chand, Bhagwan Dass
ss/o Sh. Mahya Ram.
(ii) Sh Des Raj c/o M/s. Ghaba Iron Store,
Yamuna Nagar

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2460 sq yards bearing Khasra Nos 30/16 25 38/5 situated at Village Sosoli, Teh. Jagadhari, bounded as below :—

North : Road P.W.D
South : Dharam Pura Co.
East : Bhagwan Dass
West : Road 20' wide

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No 571 in May, 1977 in office of Registering Authority at Jagadhari).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Sh Chaman Paikash s/o L. Puian Chand,
Near Sabzi Mandi, R/o Yamunanager

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) (i) S/Sh Ram Chander, Lal Chand, Bhagwan Dass,
ss/o Sh Mahya Ram,
(ii) Sh Des Raj c/o M/s Ghabri Hon Store,
Yamuna Nagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONFPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref. No. JDR/23/77-78—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Plot measuring 6 bighas situated at Village Sosoli, Teh. Jagadhar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Office at Jagadhar in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Plot of land measuring 2368 sq yards bearing Khasia Nos 30/16,25 38/5 situated at Village Sosoli, Teh Jagadhar, bounded as below—

North . Road P.W.D.
South . Dharampura Co
East . Bhagwan Dass
West . Road 20' wide

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No 455 in May, 1977 in the office of Registering Authority at Jagadhar)

RAVINDER KUMAR PATHANIA,

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

date 3-11-1977

Seal .

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref No PNP/19/76-77—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land-14 bighas 14 biswas in Khasra Nos. 36, 37, 38, 39, 40, 41 & 42, Insar Taraf, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Panipat in February, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

16—346GI/77

(1) (i) S/Sh Atul Kumar, Neeraj Kumar ss/o Shri Prem Singh, Chawla,
 (ii) Sh Parveen Kumar s/o Sh Prem Singh Chawla through general attorney in favour of Sh Prem Singh s/o Sh Hakam Rai, 388-Model Town, Panipat
 (iii) S/Sh Varinder Nath, Devinder Nath, Ravinder Nath ss/o Sh Shanker Dev, Railway Road, Panipat

(Transferee)

(2) Shri Amir Chand Kakkai s/o Shri Ladha Ram, Ex-MLA, Shahbad

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land-14 bighas 14 biswas in Khasra Nos						
36	37	38	39	40	41	42
(3-6)	(3-3)	(2-2)	(1-13)	10 1/2	(3-6)	(1-1)

(Property as mentioned in the sale deed registered at Sl. No. 7151 dated 28.2.77 of the Registering Authority, Panipat).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref. No. PNP/20/76-77.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land-14 bighas 14 biswas in Khasra Nos. 36, 37, 38, 39, 40, 41 & 42 situated at Insa Taral, Panipat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in February, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) (i) S/Shri Om Parkash, Raj Kumar ss/o Chaudhary Kartar Chand,
(ii) Sh. Satish Kumar s/o Sh. Hukam Chand,
(iii) Sh. Gian Chand, Dev Raj, Ashok Kumar ss/o Shri Hukam Chand, 66-Model Town Panipat
(Transferor)

(2) (i) Shri Amir Chand s/o Sh. Ladha Ram, Ex-MLA, Shahbad,
(ii) S/Shri Paideep Kumar, Anil Kumar, Ashwani Kumar, ss/o Shri Amir Chand Kakkai, Ex-MLA, Shahbad.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land-14 bighas 14 biswas in Khasra Nos.

36	37	38	39	40	41	42
(3-0)	(3-3)	(2-2)	(1-13)	(0-1)	(3-3)	(1-1)

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl No 7164 dated 28.2.1977 of the Registering Authority, Panipat)

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date 3-11-1977
Seal ,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Parhlad Singh s/o Shri Pritam Singh, R/o SCF 20, Sector 27-C, Chandigarh.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT.
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 31st November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. CHD/5/77-78—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. SCF 20/27-C, Chandigarh situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Property consists of 2½ storied commercial-cum-residence building bearing No. 20/27-C, Chandigarh. Area of the plot attached to the property is 123 75 sq Yards

(Property as mentioned in the Registration Deed registered at Sl. No. 91 of April, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh).

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Balwant Kaur W/o Shri Daulat Singh R/o Afghan Road, Hoshiarpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Bal Kishan, S/o Lala Ram Narain, R/o House No. 1227, Sector 15-B, Chandigarh

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref No CHD/24/77-78.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 1227, Sector 15-B, situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or

Residential house (2½ storied) bearing No 1227 sector 15-B, Chandigarh. The area of the plot is 249-4 sq yards.

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No 176 of May, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh)

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

RAVINDER KUMAR PATHANIA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME TAX,

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 3rd November 1977

Ref No CHD/27/77-78—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No SCO, Plot No 823-824, Sector 22-A situated at Chandigarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in May, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely,—

(1) (i) Smt Urmila Chopra W/o Capt D C Chopra,
(ii) Smt Chander Kala W/o Sh B Sharma,
(iii) Sh Durga Dutt S/o Sh Wadhawa Ram, all residents of SCO 1039, Sector 22-B Chandigarh.

(Transferor)

(2) (i) Mrs Chander Mohini W/o Shri S V. Dhanda,
(ii) Mrs. Vir Bhushan Romila Sood, W/o Shri K P Sood, Residents of H No 543/16-D, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

50% share in property bearing No SCO, 823-824/22-A Chandigarh

(Property as mentioned in sale deed registered at Sl. No. 212 of May, 1977 of the Registering Authority, Chandigarh)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

date . 3-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

1. Mrs. Usha Varma C/o Sri Ramesh Kumar
7/39, Tilak Nagar, Kanpur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE

INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

2. Mrs. Kanti Kapoor 7/39, Khalasi Lines,
Kanpur

(Transferee)

Kanpur, the 1st November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ref. No. 263-A/Acq/Kanpur/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. as per schedule situated at as per schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and or

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 portion of house property bearing No. 7/39, Khalasi Lines, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs. 1,25,000/-.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date: 1.11.77

Seal.

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 1st November 1977

Ref No 264-A/Acq/Kanpur/77-78.—Whereas I, R. P. BHARGAVA,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No as per schedule situated at as per schedule

(and more fully described in the Schedule annexed here-to) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kanpur on 10-3-77

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

1 Mr Dinesh Kumar Mehrotra s/o Late Sri Ram Chandraji, S P Verma Road, Patna

(Transferor)

2 Mrs Kanti Kapoor,
7/39, Khalasi Lines, Kanpur

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of 1/2 portion of house property bearing No 7/39, Khalasi Lines, Kanpur, transferred for an apparent consideration of Rs 1.25,000/-

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date 1-11-1977

Seal:

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shri Krishna Ram Nagar
Son of Pt. Shashi Shekhar Nagar,
Kaisarganj, Meerut

(Transferor)

(2) Shiv Charan Das
Son of Kapoor Chand Gupta and
Shri Jai Prakash
Son of Matbanna Lalal Sukhveer Singh Gupta,
Mandi Kaisarganj, Meerut City
Through Jai Prakash

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 3rd November 1977

Ref. No. 486-A/Acq/Meerut/77-78/4699.—Whereas, I,
R. P. BHARGAVA,
being the Competent Authority under Section 269B of
the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.
AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE
(and more fully described in the Schedule annexed
hereto) has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Meerut on 28-2-1977
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration
for such transfer as agreed to between the parties has not
been truly stated in the said instrument of transfer with the
object of.—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30
days from the service of notice on the respective
persons, whichever period expires later;
- (b) by any other persons interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer,
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Immovable property consisting of one shop, double storied
bearing Nos. 80 and 81 situated at Mandi Kaisarganj, Meerut
City transferred for an apparent consideration of Rs
60,000/-

R. P. BHARGAVA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of Section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

Date 3-11-1977,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Kamlesh Kumar Bhasin,
W/o Sarwan Kumar Bhasin,
R/o 2/209/5, M. G Road, Agra.

(Transferor)

(2) Shri Thakur Das S/o Late Sri Deomal,
R/o Sadar Bhatti, Agra.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
KANPUR

Kanpur, the 4th November 1977

Ref No. Acq/527/Agra/77-78.—Whereas, I, R. P. BHARGAVA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Agra on 21-5-1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice, under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

17—346GI/77

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of House Property No. 2/209/5, M. G Road, Agra, transferred for an apparent consideration of Rs 96,250/-

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 4-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 5th November 1977

Ref No 476-A/Acq/Meerut/77-78/4824.—Whereas, I, R P BHARGAVA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 22-2-1977, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Shri Suraj Prakash Jain,
Son of Nem Chand Jain,
R/o Ranjeetpuri, Sadar, Meerut Cantt
(Transferor)
- (2) S/Shri Jai Kishan, Prem Kishan, Nand Kishore,
All sons of Radha Kishan,
Muftibara, Meerut City.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Immovable property consisting of Shop No. 57, Rung Saaj Mohalla, Sadar, Meerut Cantt, transferred for an apparent consideration of Rs 49,000/-.

R. P. BHARGAVA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date : 5-11-1977
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Chandra Fulabhai Pandia.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE,
9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 9th November 1977

Ref. No 55/77-78/IAC(A/P)/BESR—Whereas, I, A N MISRA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No 23 situated at Khetrajpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Registrar of Assurance, Calcutta on 19-2-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or

The land with structure thereon situated at Mouza Khetrajpur, Sambalpur bearing Ward No 23, Municipal Holding No 426 and registered in the office of the Registrar of Assurance, Calcutta vide Document No. I-699 dated 19-2-77

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

A. N. MISRA,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date . 9-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Said Bibi,
W/o Babu Khan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramdas Agarwalla,
for Ferro Alloys Corporation Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE,
9, FOREST PARK, BHUBANESWAR-9

Bhubaneswar-9, the 9th November 1977

Ref No 56/77-78/IAC(A/R)/BBSR.—Whereas, I, A. N. MISRA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. situated at Mouza-Mathasahi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhadrak on 9-2-1977 for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property in as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

The land is situated at Mouza-Mathasahi, Bhadrak, Balasore under the jurisdiction of Sub-Registrar, Bhadrak and registered by sale document No. 1129 dated 9-2-1977.

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

A. N. MISRA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Bhubaneswar.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 9-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Taraben Chhaganlal
Sharda Bhavan, Bhajiram Lane,
Thakor Dwar, Bombay-2.

(Transferor)

(2) Shri Dineshchandra Chhaganlal Kholwadwala,
Rani Talav, Dubgarwad, Surat.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 22nd October 1977

Ref. No. PR No. 532 Acq 23-973/19-7/77-78.—Whereas, I, S. C. PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Ward No. 12, Nondh No. 3110 situated at Rani Talav, Parsi Sheri, Surat (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat in March 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1) of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Ward No. 12, Nondh No. 3110 situated at Parsi Sheri, Rani Talav, Surat admeasuring 103 sq. yds. as described in the sale deed registered under registration No. 415/77 in the month of March, 1977 by the Registering Officer, Surat.

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 22-10-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
 OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
 HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 1st November 1977

Ref. No P.R. No. 533 Acq. 23-974/19-7/77-78.—Whereas, I, S C PARIKH being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Ward No 6, Nondh No. 1532-b situated at Maniara Sheri, Mahidharpura, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 18-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Shri Nagindas Nanabhai,
 5/780, Vania Sheri, Mahidharpura,
 Surat

(Transferor)

(2) 1. Shri Ishverlal Jamnadas,
 2. Smt. Kanchanben Ishverlal;
 3. Jugalkishor Ishverlal;
 4. Samirkumar Ishverlal,
 Rajendranagar, Maharashtra Housing Board,
 B. No 2/21, Borivali, East Bombay-92
 (At present Maniara Sheri, Mahidharpura,
 Surat).

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building bearing Nondh No. 1532-b of Ward No 6, situated at Maniara Sheri, Mahidharpura, Surat admeasuring 82.4 sq yds as described in the sale deed registered in the month of March, 1977 under registration No. 300 by Registering Officer, Surat

S. C PARIKH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 1st November 1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 8th November 1977

Ref No. P.R. No 535/Acq 23-976/19-7/77-78—Whereas, I, S C PARIKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Ward No. 10, Nondh No 742 situated at Ambaji Road, Surat (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Surat on 16-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) 1. Shri Dhansukhlal Nanabhai, Lal Gate, Khand Bazar, Surat.
- 2 Shri Thakorbhai Nanabhai, Lal Gate, Khand Bazar, Surat.

(Transferor)

- (2) Shri Ashok Bhagwandas Shah, Linda Chawk, Ganti Sheri, Surat. At present—742, Ambaji Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land and building at Ambaji Road, Surat, Ward No. 10, Nondh No 742—situated at Ambaji Road, Surat admeasuring 102-84-40 sq mtrs—122 sq yards as described in the sale deed registered under registration No. 389 in the month of March, 1977 by the Registering Officer, Surat

S. C. PARIKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-11-1977

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380009, the 8th November 1977

Ref No. PR No. 536/Acq. 23-977/7-4/77-78.—Whereas,
I. S. C. PARIKH
 being the competent authority
 under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'),
 have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 21, S. No. 266 paiki situated at Ashanagar, Navsari, Dist. Bulsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Navsari on 11-3-1977
 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely.—

(1) Kantadevi widow of Lalbhai Dahyabhai Desai, 3-A, Court Road, Civil Lines, Delhi-6.
 Power of Attorney Holder,
 Shri Divkerlal Dalpatbhai Desai,
 3, Court Road, Civil Lines, Delhi-6. (Transferor)

(2) 1. Shri Girishkumar Chhotalal Patel,
 2 Shri Kirirkumar Chhotalal Patel,
 Power of Attorney Holder,
 Shri Chhotabhai Parshottamdas Patel,
 3 Smt Bhikhaben Chhotalal Patel,
 Giri Sadan, Dhabiwad, Navsari

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Block No. 21, S. No. 266-1 paiki, situated at Ashanagar, Navsari admeasuring 5168 sq. ft. as described in the sale-deed registered under registration No. 1491 in the month of March, 1977 by the registering officer, Navsari.

S. C. PARIKH
 Competent Authority,
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-II, Ahmedabad

Date : 8-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Vishnuprasad Motilal Janiwala;
Rampura, Main Road, Surat.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

ACQUISITION RANGE, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009(1) 1. Shri Pravinchandra Shantilal;
2. Shri Chandrakant Shantilal;
3. Minor Ashok Shantilal,
P A Holder, Madhusudan Jagannath;
3623, Rampura, Main Road, Surat.

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned—

Ahmedabad-380 009, the 3rd November 1977

Ref No P R No. 534 Acq 23-975/19-7/77-78 —Whereas,
I, S C PARIKH
being the Competent Authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as said Act), have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No
Ward No. 7, Nondh No 3623
situated at Rampura Main Road, Surat,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering
Officer at
Surat on 25-4-1977
for an apparent consideration which is
less than the fair market value of the aforesaid property and
I have reason to believe that the fair market value of the
property as aforesaid exceeds the apparent consideration there-
for by more than fifteen per cent of such apparent considera-
tion and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later,(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the transferor
to pay tax under the said Act in respect of any
income arising from the transfer; and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957);Land and building bearing Nondh No. 3623 of Ward No
7, situated at Rampura Main Road, Surat admeasuring 231
sq. yds. as described in the sale-deed registered under regis-
tration No 678 in the month of April, 1977 by the register-
ing Officer, Surat

S. C. PAREKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of Section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

18-346GI/7L

Date : 3rd November 1977.

Seal :

FORM ITNS —————

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVFRNMFT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

No. Acq 23-I-1272(606)/10-1/75-76—Whereas, I S. C. Parikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. City Survey No 95, Part-F Sheet No 1, situated at Near Bedi Gate, Opposite Super Market, Jamnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on 7-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt. Ram Rakhibai widow of Ramlok Dala Pandit, Kashivishwanath Road, Out-side Three Gate, Jamnagar.
(Transferor)
- (2) Shri Solanki Jakhubhai Deshabhai Near Diwan Khana's Chawkhy, Nagnath Gate Road, Jamnagar.
(Transferee)
- (3) (1) Bharatiya Hotel & Lodge,
Opp. Super Market, Jamnagar
(2) Vora Musaji Mahamadali, Bedi Gate, Jamnagar
Super Market, Jamnagar.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A double-storeyed building standing on land admeasuring 3560.92 sq. ft bearing City S. No 95, Part-F, Sheet No 1, situated Near Bedi Gate, Opposite Super Market, Jamnagar

S. C. PARIKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date 9-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-1, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

No Acq 23-I-1280(607)/12-I/75-76—Whereas, I, S C Parikh, being the Competent Authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No 5 (Old S. No 331) situated at Anjar (Kutch) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anjar on 26-4-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Sorathiya Hadia Dahya Ukabhai, Outside Sorathiyanaka, Anjar, Dist. Kutch-Bhuj. (Transferor)
- (2) Shri Sorathiya Hadia Hiraji Govind, Village Shiram, Taluka Anjar, Dist. Kutch-Bhuj (Transferee)
- (3) Nil (Person in occupation of the property)
- (4) Shri Keshavlal Galalchand Sheth, Nathwarlal G Sheth, Anjar, Dist. Kutch (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land known as 'Deshwadi', admeasuring Acre 12 G. 12, bearing Survey No. 5 (Old S. No. 331), situated at Anjar and as fully described in the sale-deed registered vide Regn. No. 351 dated 26-4-77 by sub-Registrar, Anjar.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Date. 9-11-1977
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER

OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE ASHRAM ROAD:
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

No Acq. 23-I-1296(608)/10-I/77-78.—Whereas, I, S. C. Parikh, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Survey No 1-G-4, Plot No. 5 known as Shri Hajur Gaushala situated as Saro Section Road, Jamnagar (and more fully, described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jamnagar on March, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(1) 1. Shri Gordhandas Dhanaji,
2. Shrimati Muktaben Gordhandis,
Bedi Gate, Jamnagar

(Transferor)

(2) Shri Kuchhi Bhanushali Mahajan Sarovar,
Through secretary, Shri Naranji Khetaji,
56, Digvijaya Plot, Jamnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within the period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

An immovable property known as 'Shri Hajur Gaushala', standing on land admeasuring 6600 sq. ft. (612.40 sq. metres) bearing City Survey No. 1-G/4, Plot No. 5, situated at Saru Section Road, Jamnagar

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act. or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARikh
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 9-11-1977

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(1) (1) Shrimati Vasantiben Tulsidas and
 (2) Shri Tulsidas Zaverchand
 C/o Tulsidas Zaverchand Sanghani,
 56, S. V. Road, 3/12 Vivekanand Nagar
 Borivali (West)
 Bombay-92

(Transferor)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
 OF INCOME-TAX,
 ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
 HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
 AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

No. Acq 23-I-1295(609)/11-1/77-78.—Whereas, I, S. C. Parikh,
 being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- No. Plot No. 299, at Gandhigram situated at Junagadh (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Junagadh on 25th March 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shrimati Nirmalaben,
 Hasmukhlal Masharu,
 C/o Shri Hasmukhlal T. Masharu,
 Near Sejana Ota, Junagadh and
 Hindustan Traders,
 Jayshri Talkies Road, Junagadh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

A residential Building standing on land admeasuring 500 sq. yards bearing plot No. 299, Situated at Gandhigram, Junagadh.

S. C. PARIKH
 Competent Authority
 Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
 Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Date. 9-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) Dr. Dinesh Ratilal Shah,
Opp : Trikon Bagicha,
Rajkot

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 9th November 1977

No Acq 23-I-1349(610)/16-6/77-78—Whereas, I, S. C. Parikh,
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. — situated at Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Rajkot on 7-3-1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(2) Shri Parsottam Dahyabhai,
Kanal Road, Corner of Digvijaya Plot,
Shri Ramkripa, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land situated near Jagnath Temple, admeasuring 242.3.72 sq. yds. situated at Jagnath, Near Jagnath Mandir, Rajkot and as fully described in the sale-deed registered vide Ragn. No 399 dated 7-3-1977 by Sub-Registrar, Rajkot.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date 9-11-1977
Seal

FORM ITNS

(1) Shrimati Banti, Ishu and Chano D/o Sh Labhu,
R/o Vill Hussan Munda Teh Jullundur
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Niranjan Singh S/o Sh Labhu
Vill Hussan Munda,
P O Kartarpur Teh Jullundur

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th November 1977

Ref No. AP-1725.—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No as per Schedule situated at Hussan Munda, Jullundur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

*(3) As per S No 2 above
(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 294 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 16-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Amrik Singh S/o Sh. Mehar Singh,
R/o Vill. Doohie, Teh Jullundur

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

(2) Shrimati Melan Devi W/o Sh. Bhagat Ram
through Sh. R. P. Gulati,
112, Shiv Nagar,
Industrial Area, Jullundur.

(transferee)

*(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

*(4) Any other person interested in the property
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Jullundur, the 16th November 1977

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever, period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 413 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

B. S. DEHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Date : 16-11-1977

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s Jan Electrical Industries,
S-52, Industrial Area, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th November 1977

Ref No A P 1727—Whereas, I, B. S. DFHIYA being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. As per Schedule situated at Byc Pass Vill Reru (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on April, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of.—

(2) M/s. Forgings & Chemical Industries,
1/1 Patel Road, Jullundur Cantt

(Transferee)

*(3) As per S No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transfer for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 321 of April, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DFHIYA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date 16-11-1977.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Jai Electrical Industries,
S 52, Industrial Area, Jullundur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, JULLUNDUR

Jullundur, the 16th November 1977

Ref. No AP-1728—Whereas, I, B. S. DEHIYA being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No As per Schedule situated at Vill. Reru Bye Pass (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jullundur on July, 1977 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

(2) M/s. Forgings & Chemical Industries,
† Patel Road, Jullundur Cantt

(Transferee)

(3) As per S. No. 2 above

(Person in occupation of the property)

(4) Any other person interested in the property

(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land as mentioned in the Registration Sale Deed No 2236 of July, 1977 of the Registering Authority, Jullundur.

B. S. DEHIYA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Jullundur

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely—

Date 16-11-1977.

Seal :